हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

फैक्ट फाइल

- काउंटिंग स्टाफ ने ही पावन खजाने में बार-बार सेंध लगाई
- अधिकारियों की घोर लापरवाही और मिलीभगत के कारण बढ़ी हिम्मत
- गिरफ्तार आठ आरोपियों में से तीन एक दिन की पुलिस हिरासत में

हरिभूमि के पास एसआईटी की जांच रिपोर्ट

चौंकाने वाले खुलासे, 70 बार चोरी बनियान और जूते में भी छुपाए नोट

श्री राम जन्मभूमि मंदिर में देश-विदेश के करोड़ों श्रद्धालुओं द्वारा श्रद्धापूर्वक अर्पित की जाने वाली भेंट और चढ़ावे की राशि में एक संगठित और सोचे-समझे गबन का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शासन द्वारा गठित उच्च स्तरीय विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि मंदिर के अभेद्य सुरक्षा दावों के बीच, वहां तैनात गणना कर्मियों (काउंटिंग स्टाफ) ने ही इस पावन खजाने में बार-बार सेंध लगाई।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला

दान पत्रों की चाबियां साथ रखते थे आरोपी, 15 हजार पाने वाले के पास करोड़ों

विशेष संवाददाता ▶▶| अयोध्या/लखनऊ

खास खबर

प्रारंभिक रिपोर्ट हरिभूमि के पास है। रिपोर्ट में कहा गया है कि गणना करने वाले कर्मचारियों की सेलरी 20 हजार रुपए थी। कटौती के बाद उन्हें 15 हजार रुपए मिलते थे लेकिन उनके और उनके परिजनों के बैंक खातों में लाखों पाए गए। साथ ही करोड़ों की संपत्ति अर्जित की गई।

एसआईटी की प्रारंभिक जांच अनुसार, 27 अप्रैल से 05 जून 2026 तक की अवधि के सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर 70 बार चोरी और गबन के सीधे, अकाट्य और पुष्ट प्रमाण मिले हैं। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि यह कोई अचानक या एकाकी घटना नहीं थी, बल्कि एक निरंतर चलने वाली सोची-समझी प्रवृत्ति थी। आरोपी कर्मचारी नोटों की गड्डियों के पास बैठते थे और मौका पाकर नकदी को अपने वस्त्रों, जेबों, बनियान और जूतों जैसी जगहों ▶▶|शेष पेज 7 पर

तलाशी के नियम किए गए थे शिथिल

एसआईटी और भारतीय स्टेट बैंक के बीच हुए एमओयू और मानक संचालन प्रक्रिया के तहत काउंटिंग रूम के लिए बेहद कड़े सुरक्षा नियम तय थे। मसलन, नोट गिनने, संग्रह करने वाले कर्मचारियों की ड्रेस में जेब नहीं होनी चाहिए थी। गणना कक्ष में प्रवेश और बाहर जाते वक्त हर कर्मचारी की बारीकी से तलाशी लेनी चाहिए थी। कोई निजी वस्तु या मोबाइल ले जाना मना था।

राम मंदिर चढ़ावा मामले में आरोपी के ठिकाने से बरामद हुआ 'रामराज्य कोष'

मैंने मौन धारण किया, सामने आएगा सच : चंपत

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय ने कहा कि मैंने मौन धारण किया है, लेकिन सच सामने आएगा। मंगलवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मामले पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि एसआईटी द्वारा अंतिम रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद ही वह उनपर लगाए गए सभी आरोपों का जवाब देंगे। राय ने 'राम भक्तों' को संबोधित करते हुए एक पत्र में लिखा, सात जून को मंदिर की दान पेटियों से दान की गिनती के दौरान कथित चोरी की घटना के बाद से इस मामले को लेकर चर्चा जारी थी और उनके खिलाफ व्यक्तिगत रूप से 'निराधार आरोप' लगाए गए।

चेतावनियों को किया गया था दरकिनार

एसआईटी रिपोर्ट में इस बात पर गहरा असंतोष व्यक्त किया गया है कि मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था इस गबन को बहुत पहले रोक सकती थी। वित्तीय वर्ष 2022-23 से लेकर 2025-26 तक की आंतरिक संपरीक्षा में लगातार चढ़ावा प्रबंधन की कमियों, हुंडियों को खोलने की अनुचित प्रक्रियाओं और सीसीटीवी कवरेज के अभाव को लेकर चेताया गया था। ऑडिट रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से यह अनुशंसा की गई थी कि काउंटिंग रूम की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग का बैकअप कम से कम 180 दिनों का रखा जाए। इसके बावजूद ट्रस्ट के जिम्मेदार पदाधिकारियों ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

6 मुख्य आरोपियों के नाम उजागर, बैंक खातों में मिला 'अवैध' खजाना

सीसीटीवी फुटेज, बयानों और बरामदगी के दस्तावेजों के आधार पर एसआईटी ने छह व्यक्तियों की गबन में प्रथम दृष्टया सीधी संलिप्तता की पुष्टि की है और इनके खिलाफ चोरी, आपराधिक दुर्विनियोग व आपराधिक न्यासभंग की धाराओं में एफआईआर की संस्तुति की।

- अविनाश शुक्ला
- अनुकल्प मिश्रा
- लवकुश मिश्रा
- मनीष कुमार यादव
- करुणेश पाण्डेय
- रमाशंकर मिश्रा

एसआईटी गठन से पहले ही हो चुकी थी 81 लाख की बरामदगी

इस घोटाले की भनक ट्रस्ट को पहले ही लग चुकी थी। एसआईटी के औपचारिक गठन से पूर्व ही ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने जब संदिग्धों से कड़ाई से पूछताछ की, तो आरोपियों ने लिखित सुपुर्दगी व स्वीकृति पत्रों के साथ लगभग 78.94 लाख की नकदी, कुछ विदेशी मुद्रा और बहुमूल्य आभूषण ट्रस्ट को सरेंडर किए थे। इसके अतिरिक्त, जांच के दौरान ही 4 जून 2026 को गणना कक्ष से बिल्कुल सटे हुए बाथरूम से 2.25 लाख की नकदी लावारिस स्थिति में बरामद की गई थी, जिसे छिपाकर बाहर ले जाने की तैयारी थी।

खातों में लाखों की एफडी

एसआईटी द्वारा जब इन संविदा कर्मचारियों और उनके निकटतम परिजनों के बैंक खातों का वित्तीय विश्लेषण किया गया, तो चौंकाने वाली विसंगतियां सामने आईं। महज 15,000 (कटौतियों के बाद) मासिक वेतन पाने वाले इन कर्मियों के खातों में भारी मात्रा में नकद राशि जमा पाई गई। इनके नाम पर कई फिक्स्ड डिपॉजिट और आय के ज्ञात स्रोतों से बिल्कुल बेमेल चल-अचल संपत्तियों के निवेश मिले हैं, जिन्हें इन्होंने गबन की राशि से अर्जित किया था।

एफआईआर और चार्जशीट निरस्त

जांच और चार्जशीट में 6 साल से अधिक की देर प्रताड़ित करने जैसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा है कि बिना किसी ठोस कारण के जांच और चार्जशीट में 6 साल से अधिक की देरी करना आरोपी को प्रताड़ित करने जैसा है। यह संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिलने वाले जल्द सुनवाई के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। इस टिप्पणी के साथ ही डिवीजन बेंच ने युवक के खिलाफ एफआईआर ▶▶|शेष पेज 7 पर

बयानों में काफी विरोध

पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ कैलाश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि घटना 2018 की है, जबकि पुलिस ने चार्जशीट नवंबर 2024 में पेश की। इस 6 साल की लंबी देरी का पुलिस विभाग के पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। सभी पक्षों को सुनने के ▶▶|शेष पेज 7 पर

गौरीशंकर केश शिल्पी बोर्ड और डॉ. ममता साहू राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गौरीशंकर श्रीवास

ममता साहू

विष्णुदेव सरकार ने निगम मंडल की एक और सूची जारी की है। राज्य महिला आयोग, केश शिल्पी कल्याण बोर्ड, राज्य अनुसूचित आयोग, मछुआ कल्याण बोर्ड, संस्कृत विद्या मंडल, शाकंभरी बोर्ड में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति की गई है। गौरीशंकर श्रीवास को केश शिल्पी बोर्ड और ममता साहू राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बनाई गई हैं।

- 13 निगम मंडल आयोग में अध्यक्ष उपाध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति

जारी सूची में गौरीशंकर श्रीवास को केश शिल्पी बोर्ड का अध्यक्ष और देव शरण सेन को सदस्य नियुक्त किया गया है। राज्य महिला आयोग में डॉ. ममता साहू को अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ ▶▶|शेष पेज 7 पर

साय ने नियुक्तियों पर दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के विभिन्न निगम, मंडल, आयोग, बोर्ड, समिति एवं अन्य संस्थाओं में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी होने पर सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी जनसेवा, सुशासन और लोककल्याण के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प को नई गति प्रदान करेंगे।

सर्वाधिक 12-12 कॉलेज महाराष्ट्र और उप्र में बंद

छग तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने मंगलवार को जारी की प्रथम चयन सूची

देशभर में बंद हुए 58 इंजीनियरिंग कॉलेज, छत्तीसगढ़ से एक भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन ने देशभर के 58 इंजीनियरिंग और टेक्निकल कॉलेज बंद करने का फैसला लिया है। इसके साथ ही 950 से ज्यादा कोर्स भी बंद कर दिए गए हैं। हालांकि जिन छात्रों ने पहले से इन कॉलेजों में एडमिशन ले रखा है, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। उनकी पढ़ाई पहले की तरह जारी रहेगी और वे अपनी डिग्री पूरी

कर सकेंगे। सबसे ज्यादा 12-12 कॉलेज उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बंद किए गए हैं। इसके बाद मध्यप्रदेश में 8 कॉलेज बंद हुए हैं। तेलंगाना और पंजाब में 4-4, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में 3-3, जबकि गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 2-2 कॉलेज बंद ▶▶|शेष पेज 7 पर

यह है 'प्रोग्रेसिव क्लोजर'

इस फैसले के तहत कॉलेज धीरे-धीरे बंद किए जाते हैं। यानी नए छात्रों का दाखिला रोक दिया जाता है, लेकिन जो छात्र पहले से पढ़ रहे हैं, उनकी पढ़ाई पूरी कराई जाती है इसे ही 'प्रोग्रेसिव क्लोजर' कहा जाता है। गौरतलब है कि इन महाविद्यालयों को गुणवत्ता संबंधित मापदंड पूरा नहीं करने के कारण ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजूकेशन द्वारा बंद किया गया है, जबकि छग में जो भी इंजीनियरिंग महाविद्यालय हाल के वर्षों में बंद हुए हैं, उन्होंने स्वेच्छा से अपने संस्थान बंद करने आवेदन दिए थे।

29 कॉलेजों में 7651 सीटें

छत्तीसगढ़ में तकनीकी शिक्षा संचालनालय द्वारा इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। मंगलवार को प्रथम मेरिट लिस्ट जारी की गई। प्रदेश के 29 इंजीनियरिंग महाविद्यालयों की 7651 सीटों पर काउंसिलिंग के माध्यम से प्रवेश दिए जाएंगे। मेरिट लिस्ट में जिन छात्रों के नाम हैं, उन्हें 10 जुलाई तक संबंधित महाविद्यालय में दाखिला लेना होगा। इसके बार रिक्त सीटों की जानकारी साझा की जाएगी।

खामेनेई के अंतिम संस्कार के बीच ईरान का हमला शुरू

मातम के बीच होर्मुज में धमाके, ईरान ने दो जहाजों पर दागी मिसाइलें, अमेरिका भड़का

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन/तेहरान

ईरान में जहां एक ओर दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार समारोह का मातम छाया हुआ है वहीं होर्मुज में फिर से मिसाइलों के धमाके गूंजने लगे हैं जिससे पश्चिम एशिया में एक बार फिर तनाव गहरा गया है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, सोमवार रात ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों ने इस जलमार्ग से गुजर रहे दो वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाया। यह घटना ऐसे समय सामने आई है, जब अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज क्षेत्र में हमलों को रोकने के लिए लागू एक सप्ताह का अस्थायी समझौता समाप्त हो चुका है। इस घटनाक्रम के बाद अमरीका भड़क गया है और उसने ईरान पर समझौता करने अन्यथा सब कुछ खत्म करने की धमकी दे दी है।

अमेरिका ने लगाया हमला करने का आरोप

अमेरिकी अधिकारियों का दावा है कि दोनों कारोबारी जहाजों पर ईरानी मिसाइलों से हमला किया गया, जिससे उन्हें गंभीर नुकसान पहुंचा। हालांकि शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों जहाजों पर सवार चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। अधिकारियों का कहना है कि यह घटना अमेरिका और ईरान के बीच कुछ सप्ताह पहले हुए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर भी सवाल खड़े करती है और इससे दोनों देशों के बीच तनाव फिर बढ़ सकता है।

कतर के एलएनजी टैंकर का नाम भी सामने आया

घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय मीडिया में ऐसी रिपोर्टें सामने आई हैं कि हमले का शिकार हुए जहाजों में कतर का एलएनजी टैंकर 'अल रेकय्यात' भी शामिल हो सकता है। यह जहाज कतर की प्रमुख एलएनजी शिपिंग कंपनी नाकिलात का है। हालांकि संबंधित कंपनी या कतर सरकार की ओर से इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

वार्ता बेनतीजा रहने के बाद बढ़ी चिंता

हमले से कुछ दिन पहले कतर की राजधानी दोहा में अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत हुई थी। दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने और समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई, लेकिन कोई ठोस समझौता सामने नहीं आया। अब ताजा घटनाक्रम के बाद इस क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां बढ़ने और कूटनीतिक प्रयासों के कमजोर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

अमरीका समझौता करेगा या फिर काम तमाम : ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ओवल कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि अमेरिका या तो ईरान के साथ कोई समझौता करेगा या फिर 'काम तमाम' कर देगा। ट्रंप ने कहा काम तमाम करना कोई मुश्किल काम नहीं होगा यह सिर्फ एक घंटे का होगा लेकिन मैं समझौता करना ज्यादा पसंद करूंगा, क्योंकि मैं नौ करोड़ 10 लाख लोगों (ईरान की आबादी) को प्रभावित नहीं करना चाहता। ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना अभियान के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। बातचीत अगर विफल रहती है तो वह सैन्य अभियानों को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार है।

सीरियल ब्लास्ट के 38 दोषियों की फांसी और 11 की उम्रकैद की सजा बरकरार

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने सुनाया फैसला

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने वर्ष 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में विशेष अदालत के फैसले को बरकरार रखते हुए 38 दोषियों को सुनाई गई फांसी की सजा और 11 दोषियों को दी गई आजीवन कारावास की सजा को कायम रखा है। इस श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों में 56 लोगों की मौत हुई थी और कई अन्य घायल हुए। इससे पहले वर्ष 2022 में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें विशेष अदालत द्वारा सुनाई गई फांसी की सजा की पुष्टि करने का अनुरोध किया गया।विशेष अदालत ने वर्ष 2022 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA) और भारतीय दंड संहिता की धारा 302 सहित विभिन्न प्रावधानों के तहत 49 दोषियों में से 38 को फांसी की सजा सुनाई। शेष 11 दोषियों को मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा दी गई।

विशेष अदालत ने दिया यह भी आदेश

विशेष अदालत ने मृतकों के परिजनों को एक-एक लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों को 50-50 हजार रुपये और सामान्य रूप से घायल लोगों को 25-25 हजार रुपये मुआवजा देने का भी आदेश दिया। साथ ही दोषियों पर जुर्माना भी लगाया गया। विशेष अदालत ने 8 फरवरी 2022 को कुल 78 आरोपियों में से 49 को दोषी ठहराया था।

आरोपी पढ़े-लिखे और दक्ष थे : हाईकोर्ट

अपने फैसले में विशेष अदालत ने कहा था कि सुनवाई के दौरान यह सामने आया कि आरोपी अत्यधिक शिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष थे। इनमें कुछ डॉक्टर, प्रोफेसर और कंप्यूटर विशेषज्ञ भी थे।

अवैध रूप से भारत में रह रही यूक्रेनी महिला गिरफ्तार

मोतिहारी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में भारत-नेपाल सीमा के पास यूक्रेन की एक महिला को वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी अवैध रूप से यहां रहने और पड़ोसी मुल्क में अवैध तरीके से घुसने की कोशिश करने के आरोप में सशस्त्र सीमा बल और पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि महिला के खिलाफ भारत-नेपाल सीमा के निकट स्थित हरपुर थाने में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला की पहचान ओक्साना शेवत्सोवा के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान महिला भारत में वैध रूप से रहने से संबंधित कोई यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सकी।

केंद्र सरकार ने नहीं जताई आपत्ति

कॉकरोच जनता पार्टी का एक्स अकाउंट होगा बहाल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के एक्स अकाउंट को बहाल करने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने यह आदेश तब दिया, जब केंद्र सरकार ने स्वीकार किया कि उसे इस पर कोई आपत्ति नहीं है और खाते को बहाल किया जा सकता है। केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता कोर्ट में पेश हुए थे। उन्होंने कहा कि खाता अनब्लॉक किया जा सकता है।

सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने सोशल मीडिया पर अकाउंट बनाया था, जिसे जबरदस्त कामयाबी मिली। इसके एक्स पर लाखों फॉलोवर्स हैं और इंस्टाग्राम पर भाजपा-कांग्रेस के फॉलोवर्स का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 3 करोड़ से अधिक फॉलोवर्स बना लिए थे।

केंद्र ने कहा- हमें दिक्कत नहीं, लोग सतर्क रहें

कोर्ट में पेश मेहता ने कहा कि यह अकाउंट राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधित किया गया था। मेहता ने कहा, इसे उस समय ब्लॉक किया गया जब नीट परीक्षा होने वाली थी। लाखों छात्र परीक्षा में बैठने वाले थे। कई पोस्ट थीं, जिनसे छात्रों और अभिभावकों के बीच अफरा-तफरी मच सकती थी। अब परीक्षा समाप्त हो चुकी है। मेहता ने कहा, मुझे कोई दिक्कत नहीं है। मैं कहना चाहता हूं सभी लोग सतर्क रहें।

बलूचिस्तान में हुई वारदात के बाद हालात गंभीर

पाक में आतंकी हमला, नौ पुलिसकर्मियों की मौत

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने मंगलवार को एक बांध परियोजना के चेकपोस्ट पर हमला कर नौ पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। इस हमले के बाद कई अन्य लापता हैं। एक वरिष्ठ जिला अधिकारी अब्दुल कुदूस ने बताया कि 'मंगी बांध परियोजना की रखवाली कर रहे एक चेकपोस्ट पर हुए हमले में कई पुलिस थानों के वरिष्ठ अधिकारी मृतकों में शामिल हैं। उन्होंने इस हमले के लिए इस्लामी आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया। इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और लापता पुलिसकर्मियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन जारी है।

बलूचिस्तान ने कहा- जवाबी कार्रवाई और संघर्ष

बलूचिस्तान की सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने एक बयान में कहा कि अर्धसैनिक बल, पुलिस और आतंकवाद विरोधी कर्मियों ने आतंकवादियों के खिलाफ 'संयुक्त अभियान सफलतापूर्वक चलाए हैं'। पाकिस्तान वर्षों से बलूचिस्तान में अलगाववादी विद्रोह से जूझ रहा है।यहां आतंकवादी राज्य बलों और विदेशी निवेश तथा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को निशाना बनाते हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा- सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म भारतीय कानून से ऊपर नहीं

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) के असहयोगात्मक रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए कहा कि बहुराष्ट्रीय डिजिटल मंच भारतीय कानून और जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से बच नहीं सकते। अदालत ने स्पष्ट किया कि भारतीय कानून का दायरा इतना व्यापक है कि वह किसी भी उल्लंघन तक पहुंच सकता है और दोषियों को न्याय के कटघरे में ला सकता है। यह टिप्पणी जस्टिस अजय भनोट और जस्टिस दिवेश चंद्र समंत की खंडपीठ ने एक साइबर अपराध मामले की सुनवाई के दौरान की। मामले की अगली सुनवाई 12 अगस्त 2026 को उपयुक्त पीठ के समक्ष होगी। साथ ही अदालत ने अपने आदेश की प्रति उत्तर प्रदेश सरकार के गृह सचिव और उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक को तत्काल भेजने का भी निर्देश दिया।

एक्स की कार्यशैली पर जताई सख्त नाराजगी

जांच में सहयोग नहीं मिलने से रुकी कार्रवाई : मामले में जांच अधिकारी ने अदालत में दाखिल हलफनामे में बताया कि 'एक्स' ने उस खाते का यूआरएल पहचान विवरण और आईपी पता उपलब्ध नहीं कराया, जिससे याचिकाकर्ता के कथित अश्लील वीडियो और तस्वीरें साझा की गई थीं। जांच अधिकारी ने कहा कि इस असहयोग के कारण वह मामले में आगे बढ़ने में असमर्थ हैं और जांच पूरी करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है।

कोर्ट ने कहा- कानून के हाथ बहुत लंबे हैं

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अधिकारियों का पुलिस जांच में सहयोग न करना किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। सोशल मीडिया मंच भारतीय कानूनों और कानून के तहत कार्य कर रही जांच एजेंसियों के प्रति जवाबदेही से मुक्त नहीं हैं। भारतीय कानून के हाथ इतने लंबे हैं कि वे किसी भी उल्लंघन तक पहुंच सकते हैं और इतने मजबूत हैं कि दोषियों को न्याय के कठघरे तक ला सकें।

यौन सामग्री प्रसारित करने से जुड़ा है मामला

याचिकाकर्ता मिथिलेश कुमार ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर गाजियाबाद पुलिस आयुक्त को निर्देश देने की मांग की कि उनकी एफआईआर की निष्पक्ष, प्रभावी और शीघ्र जांच पूरी कराई जाए। यह एफआईआर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से यौन रूप से स्पष्ट सामग्री प्रकाशित या प्रसारित करने से संबंधित है। एफआईआर दर्ज होने के साढ़े चार महीने बाद भी जांच पूरी नहीं हुई। इस पर अदालत ने पूर्व में भी नाराज़गी जताते हुए कहा था कि समझ से परे है कि आखिर किस आधार पर जांच साढ़े चार महीने से अधिक समय तक लंबित रखी गई।

रायपुर
बुधवार 8 जुलाई 2026
आषाढ़, कृष्ण पक्ष अष्टमी
वर्ष : 24, अंक : 347
पृष्ठ : 12+4+4 =20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 30.2
न्यून. 25.1

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

3 मैंने करवा लिए एग्ज फ्रीज

विचार पेज
2 खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय चुनौती

haribhoomi.com

छत्तीसगढ़ में उद्योग लगाने के नियम सख्त, नदी-आबादी और स्कूलों से रखनी होगी दूरी

- **पर्यावरण संरक्षण मंडल ने जारी किए नए साइटिंग मानदंड**
- **रेड, ऑरेंज और ग्रीन श्रेणी के उद्योगों के लिए अलग-अलग दूरी तय**

अलग खबर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब उद्योग लगाने के लिए स्थान का चयन पहले की तुलना में अधिक सख्त नियमों के तहत करना होगा। छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल (सीईसीबी) ने उद्योगों की स्थापना के लिए नए 'साइटिंग क्राइटेरिया' (स्थान चयन मानदंड) अधिसूचित कर दिए हैं। इसके तहत उद्योगों को नदियों, तालाबों, आबादी, स्कूलों, अस्पतालों, धार्मिक स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों और इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से न्यूनतम निर्धारित दूरी बनाए रखना अनिवार्य होगा। यह आदेश वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया है। इसका उद्देश्य उद्योगों के कारण पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को कम करना है।

जल स्रोतों से इतनी दूरी जरूरी

राजस्व अभिलेखों के अनुसार किसी भी सतही जल स्रोत (बाढ़ क्षेत्र, एचएफएल अथवा रेड लाइन) की सीमा से उद्योगों की न्यूनतम दूरी तय की गई है। रेड श्रेणी के उद्योग - 500 मीटर से अधिक दूरी। ऑरेंज श्रेणी के उद्योग : अपशिष्ट जल उत्पन्न करने वाले उद्योग- 75 मीटर से अधिक। अपशिष्ट जल उत्पन्न नहीं करने वाले उद्योग - 30 मीटर से अधिक। ग्रीन श्रेणी के उद्योग- 30 मीटर से अधिक दूरी।

आरक्षित वन से सभी उद्योगों के लिए समान दूरी

अधिसूचना में आरक्षित वन की अधिसूचित सीमा से सभी श्रेणी के उद्योगों के लिए न्यूनतम 100 मीटर दूरी अनिवार्य की गई है। यानी रेड, ऑरेंज और ग्रीन— तीनों श्रेणियों के उद्योगों पर यह समान रूप से लागू होगा।

आबादी, स्कूल और धार्मिक स्थलों के लिए अलग नियम

रिहायशी क्षेत्रों, शैक्षणिक संस्थानों, पूजा स्थलों, पुरातात्विक स्मारकों, आरक्षित वनों तथा इको-सेंसिटिव क्षेत्रों से भी न्यूनतम दूरी निर्धारित की गई है। रेड श्रेणी- 500 मीटर। ऑरेंज श्रेणी - 200 मीटर। ग्रीन श्रेणी - 100 मीटर।

पुराने आदेश को मिला राजपत्र का दर्जा

पर्यावरण संरक्षण मंडल ने सितंबर 2025 में उद्योगों के लिए न्यूनतम दूरी संबंधी कार्यालय आदेश जारी किया था, जिसमें जून 2026 में संशोधन किया गया। अब इन्हीं प्रावधानों को राजपत्र में अधिसूचित कर विधिक स्वरूप प्रदान किया गया है। इसके बाद राज्य में नए उद्योगों की स्थापना के दौरान इन्हीं मानकों के आधार पर पर्यावरणीय स्वीकृति और स्थान चयन का परीक्षण किया जाएगा।

क्या होगा असर

नए मानदंडों से जल स्रोतों, आबादी और पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों के निकट प्रदूषणकारी उद्योग स्थापित करने पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। साथ ही उद्योगों की स्थापना की प्रक्रिया में स्थान चयन को लेकर स्पष्ट और एकरूप नियम लागू हो जाएंगे, जिससे भविष्य में पर्यावरणीय विवादों और जन-आपत्तियों को भी कम करने में मदद मिलने की संभावना है।

बारिश से कई राज्यों में हाहाकार, जम्मू में बादल फटा महाराष्ट्र पानी-पानी

केरल में तबाही, लैंड स्लाइड में तीन मजदूरों की मौत, कई लापता

देशभर में मानसून की बारिश जारी है। महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश और ओडिशा समेत कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। इस बीच, केरल के वायनाड जिले के मेप्पाडी के पास कल्लाडी में मीनाक्षी ब्रिज के नजदीक अचानक धरती चटकी। अंडर-कंस्ट्रक्शन सुरंग सड़क परियोजना की खुदाई का मलबा भरभरा कर नीचे गिर पड़ा। इस हादसे में तीन मजदूर की मौत हो गई, सात घायल हुए और सात अब भी लापता हैं। 2 साल पहले भी त्रासदी में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

एजेंसी ▶▶| वायनाड

केरल के वायनाड में एक टनल बनाने की जगह के पास जबरदस्त लैंडस्लाइड का मामला सामने आया है। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। वहीं सात मजदूर घायल हो गए। यह घटना ऐसे वक्त में हुई है, जब वायनाड में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। हादसे के बाद कई लोग मलबे में दब गए हैं। इनको बचाने का काम चल रहा है, जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था। ताजा हादसा मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ, जहां अनाक्कमपॉयल-कल्लाडी-मेप्पाडी ट्विन टनल प्रोजेक्ट का काम चल रहा है। मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के तहत मलप्पुरम को वायनाड से सुरंग (टनल) के जरिए जोड़ना है। टनल की लंबाई करीब लगभग 8.17 किमी है। इसकी लागत करीब 2,100–2,200 ▶▶|शेष पेज 7 पर

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह से एक्टिव

मौसम विभाग के अनुसार, मध्य और उत्तर छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों में भारी और मध्यम बारिश की संभावना है। इसके साथ ही कुछ इलाकों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। इस दौरान तेज हवाएं भी चल सकती हैं। वहीं, राज्य के तापमान की बात करें तो अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियम के आसपास रह सकता है जबकि न्यूनतम तापमान 24 डिग्री के करीब।

बह गई निर्माणाधीन पुलिया टूटा छह गांवों का संपर्क

हरिभूमि न्यूज ▶▶|सेदम

अंबिकापुर जिले के ग्राम करदना सहित आसपास के छह गांव के लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो सके इसे ध्यान में रखकर दिसंबर माह में क्षेत्र के 9 किमी दायरे में तीन पुलिया निर्माण का काम शुरू किया गया। हैरानी की बात तो यह है कि निर्माण शुरू हुए कई माह बीत गए लेकिन पुलिया निर्माण पूरा नहीं हो सका। आलम यह है कि गत दिन हुई भारी बारिश से पुलिया के समीप बनाने गए तीन डायवर्सन मार्ग बह गया। जिससे बतौली मुख्यालय से पांच गांव का संपर्क टूट गया।

इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस का मुरीद भारत तीन देशों को बेचेगा मिसाइल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच मंगलवार को हुई वार्ता में इंडोनेशियाई सैन्य बलों को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति, समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ बनाने पर सहमति बनी। वियतनाम और फिलीपीन के साथ इसी तरह के रक्षा समझौते करने के बाद अब भारत ने इंडोनेशिया के साथ यह ब्रह्मोस मिसाइल सौदा किया है। दोनों पक्षों ने महत्वपूर्ण खनिज, प्रौद्योगिकी, खाद्य सुरक्षा, दवाओं और समुद्री सुरक्षा सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी 2018 की भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत व्यापार तथा सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने के उद्देश्य से तीन देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण के तहत सोमवार ▶▶|शेष पेज 7 पर

भारत-इंडोनेशिया में प्रमुख समझौते

- दोनों देशों ने वायुसेना की ताकत बढ़ाने के लिए एयर–टू–एयर मिसाइल सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर
- समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए पहले से चल रहे समझौता ज्ञापन को लागू करने के समझौते को आगे बढ़ाया
- सेल और पीटी क्राकाटाउ स्टील के बीच इंडोनेशिया में स्टेनलेस–स्टील स्लैब निर्माण इकाई स्थापित करने की मंजूरी
- भारत और इंडोनेशिया के बीच स्वास्थ्य कार्यबल सहयोग पर कार्यान्वयन समझौता

मोदी को इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिन्तांग आदिपूर्ण ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' प्रदान किया गया। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने मोदी को यह पदक प्रदान किया। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, आज सुबह, मुझे बहुत स्नेह के साथ इंडोनेशिया का सर्वोच्च सम्मान भी प्रदान किया गया है। यह सम्मान कोटि-कोटि भारतवासियों का है। इंडोनेशिया के लोगों की भावनाओं का है, भारत और इंडोनेशिया के ऐतिहासिक और आत्मीय संबंधों का है।

बद्रीनाथ में चढ़ावा चोरी का मामला

सबूत मिलने के बाद कमेटी अध्यक्ष के निजी सचिव सस्पेंड

एजेंसी ▶▶| देहरादून

बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने कमेटी अध्यक्ष के निजी सचिव और आरोपी प्रमोद नौटियाल को सस्पेंड कर दिया है। आरोपी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया है। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला गया। इस दौरान खुलासा हुआ कि प्रमोद नौटियाल ने थाली भेंट गणना स्थान पर सामान्य गिनती के अलावा कुछ चीजें अपने मोबाइल के साथ अपने पास रख ली थी।

चार सदस्यीय टीम पहुंची बद्रीनाथ

बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे में कथित गड़बड़ी के मामले की जांच अब तेज हो गई है। इस मामले की जांच के लिए चार सदस्यीय टीम बद्रीनाथ धाम पहुंच चुकी है। यह टीम 10 जुलाई तक मंदिर में रहकर पूरे मामले की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट तैयार करेगी।

थ्रीडी फैक्ट्री में विस्फोट, तीन मजदूरों की मौत

रायपुर। राजधानी के औद्योगिक क्षेत्र उरला में थ्रीडी फैक्ट्री में हुए विस्फोट से तीन मजदूरों की मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट की आवाज इतनी तेज थी कि दो किलोमीटर दूर तक सुनी गई। हादसा इतना भयानक था कि इसकी चपेट में आए मजदूरों के अंग तक अलग होकर दूर जा गिरे। पुलिस-प्रशासन, फायर ब्रिगेड की टीम रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई है। वहीं आशंका है कि विस्फोट के बाद हुए मलबे में कुछ लोग दबे हुए हैं, जिन्हें निकालने के लिए टीम मशक्कत कर रही है।समाचार लिखे जाने तक हादसे में प्रभावित हुए लोगों के स्पष्ट आंकड़े सामने नहीं आए हैं।

एसीबी ने वॉट्सएप चैट से पकड़ी चोरी

डीएसपी ने 27 साल में बनाई 300 करोड़ रुपए की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने पुलिस महकमे के डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अरेस्ट कर लिया। कोर्ट ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। एसीबी ने डीएसपी भीम रेड्डी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित 16 ठिकानों पर छापेमारी की थी और 300 करोड़ रुपए की संपत्ति का पता लगाया था। डीएसपी ने अकूत दौलत 27 साल की नौकरी में बनाई थी।

कॉन्स्टेबल से बने डीएसपी

भीम रेड्डी ने 1989 में बतौर कॉन्स्टेबल पुलिस विभाग में नौकरी शुरू की। 1995 में उन्हें सब-इंस्पेक्टर पद पर प्रमोट किया गया। 2010 में वह इंस्पेक्टर बने और 2017 में डीएसपी के पद पर प्रोन्नति हुई। 27 साल के कैरियर में संकीरेड्डी ने गोरखधंधा किया।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

वकीलों को सतर्कता बरतने की सूची में नहीं डाल सकते बैंक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि बैंक और भारतीय बैंक संघ केवल पेशेवर लापरवाही के आरोपों के आधार पर वकीलों को 'सतर्कता बरतने की सूची' में नहीं डाल सकते हैं। पीठ ने कहा कि अधिवक्ताओं को काली सूची में डालना बार काउंसिल के वैधानिक अनुशासनात्मक अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप के समान है। पीठ ने कहा, कानूनी पेशे की स्वतंत्रता न्यायपालिका की स्वतंत्रता जितनी ही महत्वपूर्ण है।

क्या है मामला

यह मामला केनरा बैंक द्वारा अधिवक्ता अजय विज को अपने पैनल से हटाने और उन्हें आईबीए की सतर्कता सूची में शामिल करने से जुड़ा है। बैंक का आरोप था कि वकील ने 2015 में दी गई कानूनी राय में लापरवाही बरती थी, जिससे उसे वित्तीय जोखिम का सामना करना पड़ा।

सिया-चेतन ने कुछ महीने पहले गुपचुप कर लिया था विवाह!

एजेंसी ▶▶| पुणे

पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की हत्या की जांच कर रही पुलिस को संदेह है कि मामले में आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने वारदात से कुछ महीने पहले गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। सिया (20) और चेतन (22) पर आरोप है कि उन्होंने अग्रवाल (25) को 18 जून को पुणे जिले के लोहगढ़ किले की पहाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या कर दी। अग्रवाल और गोयल की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ▶▶|शेष पेज 7 पर

व्हाट्सऐप चैट सबूत मिलने का दावा

आरोपियों के मोबाइल फोन की व्हाट्सऐप चैट खंगालने पर मिले सबूतों के आधार पर ये बड़ा दावा किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि केतन से सगाई के बाद ये सीक्रेट शादी हुई थी। इस मामले में 16 जुलाई को पुणे कोर्ट में आरोपियों को पेश किया जाएगा। तब पुलिस तमाम तबूतों को अदालत के सामने रखेगी।

इधर, छत से धक्का देकर भी नहीं मरा, तो टॉयलेट क्लीनर से मर्डर

तेलंगाना के निजामाबाद जिले से एक ऐसा सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया है। नर्स पत्नी ने पति को प्रेमी के साथ छत से धक्का दिया। बचने के बाद पति की टॉयलेट क्लीनर से जान ले ली। पुलिस का दावा है कि प्रशांत की पत्नी संध्या ने अपने प्रेमी और एक अन्य साथी के साथ मिलकर पति की हत्या की पूरी साजिश रची। 29 जून को वेंकट साई प्रशांत को शराब पिलाकर एक इमारत की छत पर ले गया। इसी दौरान संध्या से फोन पर बात करने के बाद उसने प्रशांत को छत से नीचे धक्का दे दिया। ▶▶|शेष पेज 7 पर

कभी-कभार जरूरत पड़ने पर लगाए जाते हैं आउटसोर्स कर्मचारी

आंधी-तूफान व फॉल्ट आने पर घंटों बंद रहती है बिजली

55 गांव, 213 किमी लंबी लाइन, 10 हजार बिजली उपभोक्ता और संभालने के लिए सिर्फ एक संविदा कर्मी

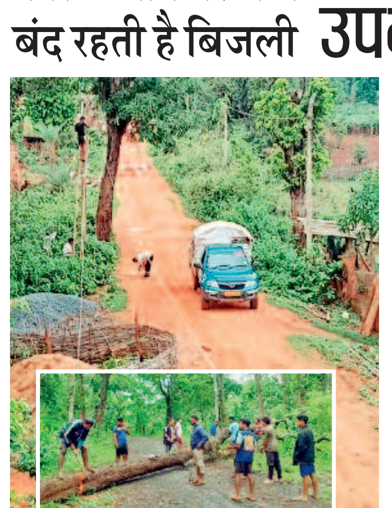

अलग खबर

महेन्द्र विश्वकर्मा ▶▶| जगदलपुर

बस्तर भले ही नक्सलवाद से मुक्त हो गया है, लेकिन यहां की व्यवस्था अभी पटरी पर नहीं आई है। यही वजह है कि अब भी मूलभूत सुविधाओं से लोग वंचित हैं। जिसकी बानगी बस्तर जिले के नानगुर विद्युत वितरण केंद्र की बदहाल व्यवस्था पेश करती है। इस विद्युत वितरण केंद्र (डीसी) के अंतर्गत आने वाले ▶▶|शेष पेज 7 पर

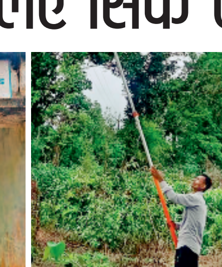

कार्यालय भवन जर्जर

नानगुर विद्युत वितरण केन्द्र (डीसी) कार्यालय भवन भी जर्जर होने है। बारिश का पानी कार्यालय के अंदर पहुंच रहा है। यहां पहुंचने वाले उपभोक्ताओं के बैठने तक के लिए जगह नहीं है। ग्रामीण उपभोक्ताओं ने विद्युत कंपनी के उच्चअधिकारियों से भवन की मरम्मत कराने की मांग की है।

यहां लाइनमैन नहीं

ग्रामीण इलाकों में बिजली से संबंधित तकनीकी समस्याओं को दूर करने के लिए लाइनमेन तैनात किए जाते हैं। लेकिन इन 55 गांवों में कोई लाइनमेन भी नहीं है। बता दें कि नानगुर विद्युत वितरण केन्द्र में नानगुर, साड़गुड़, बड़े कवाली, छोटे ▶▶|शेष पेज 7 पर

पदस्थ किए जाएंगे कर्मी

विद्युत कंपनी जगदलपुर वृत्त के अधीक्षण अभियंता केवी मैथ्यू ने बताया कि रिक्त पदों की जानकारी उच्च कार्यालय को भेजा जाता है। मुख्यालय की ओर से रिक्त पदों पर अधिकारी एवं कर्मचारियों को पदस्थ किया जाएगा।

चिंतन

ट्रंप का फीफा पर दबाव बनाना असामान्य कदम

पिछले करीब डेढ़ साल से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया में टैरिफ, अर्थव्यवस्था, व्यापार, शांति, भू-राजनीति, सैन्य हस्तक्षेप और रणनीतिक दबाव से उथल-पुथल मचा रखी है। हाल का मामला इन सबसे अलग है। अब ट्रंप ने खेल के मैदान में भी एंट्री मारकर दुनियाभर के खेल संघों को चौंका दिया है। उन्होंने फीफा पर दबाव डालकर अमेरिकी स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन पर लगा एक मैच का प्रतिबंध (निलंबन) रद्द करवा दिया। इसके लिए ट्रंप ने फीफा अध्यक्ष गियानी इन्फेंटिनो से व्यक्तिगत रूप से बात की। हालांकि अमेरिकी टीम को बेल्जियम ने 3-1 से करारी मात दी और वह क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई तक नहीं कर पाई। देखा जाए तो यह प्रकरण अपने आप में एक अजूबा है। सामान्यतः किसी भी देश के खिलाड़ी के लिए मैच में रेफरी का फैसला आने के बाद उसे चुनौती दी जाती है और फिर फीफा का निर्णायक मंडल पूरे मामले की समीक्षा कर अपना निर्णय देता है। स्थापित प्रक्रिया का यही उद्देश्य होता है कि खेल के नियम सभी टीमों और खिलाड़ियों पर समान रूप से लागू हों तथा किसी भी तरह के राजनीतिक या बाहरी दबाव का प्रभाव निर्णयों पर न पड़े। यदि किसी शक्तिशाली देश का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व सीधे हस्तक्षेप कर फैसले बदलवाने लगे तो खेलों की निष्पक्षता और विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। ऐसा पहली बार है जब किसी देश के राष्ट्रपति ने सार्वजनिक रूप से हस्तक्षेप कर अपने खिलाड़ी का निलंबन हटवाया है। फीफा ने भले ही इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताने का प्रयास किया हो, लेकिन दुनिया भर के खेल विशेषज्ञों और खेल संघों के बीच इस घटनाक्रम को लेकर असहजता दिखाई दी है। फीफा लंबे समय से यह दावा करता रहा है कि वह राजनीति से स्वतंत्र संस्था है। कई देशों के फुटबॉल महासंघों पर सरकारी हस्तक्षेप के आरोप में प्रतिबंध तक लगाए जा चुके हैं। ऐसे में यदि किसी महाशक्ति के राष्ट्रपति के हस्तक्षेप को अलग नजरिए से देखा जाता है तो दोहरे मानदंडों की बहस तेज होना स्वाभाविक है। मैदान पर खिलाड़ी की पहचान उसके प्रदर्शन से होती है, न कि उसके देश की राजनीतिक ताकत से। यदि किसी खिलाड़ी को यह संदेश मिले कि राजनीतिक प्रभाव से खेल संबंधी फैसले बदले जा सकते हैं, तो इससे खेल भावना को आघात पहुंचेगा। हालांकि घटनाक्रम का खेल परिणाम पर कोई असर नहीं पड़ा। अमेरिका बेल्जियम से हार गया और बालोगुन का मैदान पर उतरना भी टीम को आगे नहीं ले जा सका। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि किसी भी खेल में अंतिम फैसला खिलाड़ियों का प्रदर्शन ही करता है, न कि राजनीतिक दबाव। जीत और हार खेल का स्वाभाविक हिस्सा हैं और इन्हें स्वीकार करना ही खेल भावना की असली पहचान है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब आने वाले वर्षों में अमेरिका कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने जा रहा है। विशेष रूप से लॉस एंजिल्स ओलंपिक को लेकर दुनिया की निगाहें अमेरिका पर टिकी हैं। ऐसे में यदि राजनीतिक हस्तक्षेप की धारणा मजबूत होती है तो अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं की निष्पक्षता और मेजबान देश की भूमिका दोनों पर सवाल उठ सकते हैं। इसलिए बेहतर होगा कि सरकारें खेलों के विकास, खिलाड़ियों की सुविधाओं और खेल ढांचे को मजबूत करने तक अपनी भूमिका सीमित रखें तथा मैदान के फैसले खेल संस्थाओं और नियमों पर ही छोड़ दें। खेल तभी खेल बने रहेंगे, जब उन पर राजनीति की छाया हावी न हो।

मुद्दा
मनता कुशवाहा

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

खेल महाकुंभ की पर्यावरणीय चुनौती

फुटबॉल को दुनिया का सबसे लोकप्रिय खेल माना जाता है। यह केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की भावनाओं, सपनों और उत्साह का प्रतीक है। विश्व कप जैसे आयोजनों के दौरान पूरा विश्व एक साझा उत्सव में डूब जाता है, लेकिन खेलों की चमक-दमक और उत्साह के पीछे एक ऐसा पक्ष भी छिपा है, जिस पर लंबे समय तक पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। यह पक्ष है पर्यावरण पर पड़ने वाला उसका प्रभाव। हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इस साल का फीफा विश्व कप अब तक का सबसे अधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाला विश्व कप बन सकता है। यह चेतावनी केवल फुटबॉल तक सीमित नहीं है, बल्कि आधुनिक खेल आयोजनों और उनके पर्यावरणीय प्रभावों पर गंभीर प्रश्न भी खड़े करती है। वर्तमान समय में पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझ रही है। कहीं भीषण गर्मी का प्रकोप है, कहीं बाढ़ और चक्रवात तबाही मचा रहे हैं, तो कहीं जंगलों में आग लाखों हेक्टेयर भूमि को निगल रही है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि यदि कार्बन उत्सर्जन को नियंत्रित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का भविष्य और अधिक संकटग्रस्त हो जाएगा।

ऐसे समय में जब प्रत्येक क्षेत्र से पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने की अपेक्षा की जा रही है, तब खेल जगत भी इससे अछूता नहीं रह सकता। खेलों के विशाल आयोजन, जिनमें लाखों दर्शक और हजारों खिलाड़ी शामिल होते हैं, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से बड़ी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन करते हैं। वर्ष 2026 का फीफा विश्व कप अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में चल रहा है। यह पहली बार होगा जब विश्व कप में 48 टीमें भाग लेंगी। पहले की तुलना में अधिक टीमें, अधिक मैच और अधिक शहर इस आयोजन का हिस्सा बनेंगे। कुल 16 शहरों में 104 मैच खेले जाएंगे। स्वाभाविक रूप से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों, अधिकारियों, पत्रकारों और दर्शकों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक यात्रा करनी होगी। यही वह प्रमुख कारण है जिसके चलते कार्बन उत्सर्जन में भारी वृद्धि की आशंका व्यक्त की जा रही है।

कार्बन उत्सर्जन का सबसे बड़ा स्रोत हवाई यात्रा होती है। विश्व कप जैसे आयोजनों में लाखों लोग विमानों के माध्यम से हजारों किलोमीटर की यात्रा करते हैं। जब टीमें एक देश से दूसरे देश और एक शहर से दूसरे शहर जाती हैं, तब ईंधन की खपत और कार्बन उत्सर्जन तेजी से बढ़ता है। वर्ष 2026 के इस विश्व कप में तीन देशों के अनेक शहरों को मेजबानी दी गई है। इससे यात्राओं की दूरी और संख्या दोनों में वृद्धि होगी। यही कारण है कि शोधकर्ताओं का मानना है कि यह आयोजन पर्यावरणीय दृष्टि से अब तक का सबसे भारी विश्व कप साबित हो सकता है। दरअसल, खेल आयोजनों का पर्यावरणीय प्रभाव केवल यात्रा तक सीमित नहीं होता। स्टेडियमों के निर्माण और रखरखाव में भी बड़ी मात्रा में ऊर्जा और संसाधनों का उपयोग किया जाता है। विशाल स्टेडियमों को रोशन करने, वातानुकूलित रखने, सुरक्षा व्यवस्था संचालित करने और प्रसारण सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भारी बिजली की आवश्यकता होती है। यदि यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधनों से प्राप्त हो रही है, तो उसका सीधा संबंध कार्बन उत्सर्जन से जुड़ जाता है। आज खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं रह गया है। यह एक

विशाल वैश्विक उद्योग बन चुका है। अरबों डॉलर के निवेश, प्रायोजन और व्यावसायिक हित इसके साथ जुड़े हुए हैं। फुटबॉल क्लब, प्रसारण कंपनियां और बहुराष्ट्रीय कंपनियां खेल आयोजनों को एक बड़े आर्थिक अवसर के रूप में देखती हैं। जब आर्थिक लाभ पर्यावरणीय जिम्मेदारी पर हावी होने लगता है, तब समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। यही चिंता शोधकर्ताओं ने भी व्यक्त की है कि फुटबॉल का बढ़ता व्यावसायीकरण और आयोजनों का निरंतर विस्तार पर्यावरण पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। आज कल जलवायु परिवर्तन का प्रभाव खेलों पर भी पड़ रहा है। बढ़ता तापमान खिलाड़ियों के स्वास्थ्य और प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। कई देशों में अत्यधिक गर्मी के कारण मैचों का समय बदलना पड़ा है। कुछ स्थानों पर मौसम की अनिश्चितता के कारण प्रतियोगिताओं को स्थगित करना पड़ा। वर्षा, तूफान और गर्म हवाएं खेल आयोजनों के लिए नई चुनौतियां पैदा कर रही हैं। अर्थात जिस जलवायु संकट को खेल उद्योग अनजाने में बढ़ा रहा है, वही संकट अब खेलों के अस्तित्व के लिए भी खतरा बनता जा रहा है। वैज्ञानिक आंकड़े इस चिंता को और गंभीर बना देते हैं। वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्रांति से पहले यह स्तर लगभग 280 पीपीएम था, जबकि आज यह 430 पीपीएम से अधिक पहुंच चुका है। यह वृद्धि केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि पृथ्वी के बदलते पर्यावरण का संकेत है। बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड पृथ्वी के तापमान को बढ़ा रही है, जिससे ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्र का स्तर बढ़ रहा है और प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रता में वृद्धि हो रही है। ऐसे में प्रत्येक क्षेत्र को अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने की आवश्यकता है। फुटबॉल और अन्य खेल संगठनों ने हाल के वर्षों में पर्यावरणीय प्रतिबद्धताओं की घोषणाएं अवश्य की हैं। कई संगठनों ने कार्बन न्यूट्रल बनने, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग और अपशिष्ट प्रबंधन को बेहतर बनाने की योजनाएं प्रस्तुत की हैं। कुछ स्टेडियम सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। यदि आयोजन लगातार बड़े और अधिक विस्तृत होते जाएंगे, तो पर्यावरणीय लाभ सीमित रह जाएंगे। इस तरह भविष्य के खेल आयोजनों के लिए एक नई सोच की आवश्यकता है। आयोजकों को ऐसे मॉडल अपनाने होंगे जिनमें यात्रा की दूरी कम हो, स्थानीय संसाधनों का अधिक उपयोग हो और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जाए। दर्शकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। स्टेडियमों के निर्माण में पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का प्रयोग बढ़ाना होगा। साथ ही आयोजनों के आकार और विस्तार को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि खेल जगत अपनी लोकप्रियता का उपयोग पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने के लिए करे। फुटबॉल खिलाड़ियों और खेल सितारों का प्रभाव करोड़ों लोगों पर पड़ता है। यदि वे जलवायु संरक्षण का संदेश देंगे, तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद मिल सकती है। खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का शक्तिशाली साधन भी बन सकता है। फीफा विश्व कप 2026 को लेकर उठी कार्बन उत्सर्जन की चिंता हमें एक व्यापक सच्चाई की ओर संकेत करती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि खेलों की चमक के साथ पर्यावरणीय चेतना का प्रकाश भी उतना ही प्रखर हो, ताकि आने वाली पीढ़ियां एक स्वस्थ, संतुलित और सुरक्षित पृथ्वी पर अपने सपनों का खेल खेल सकें।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मंथन
सोनम लववंशी

मां की गोद से डे-केयर तक ... क्या सुरक्षित है बचपन

किसी भी समाज का भविष्य उसके संसद भवनों, शेयर बाज़ारों या कॉर्पोरेट टावरों में नहीं, उन नन्हें हाथों में पलता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यही कारण है कि किसी राष्ट्र की सभ्यता का सबसे बड़ा पैमाना यह नहीं होता कि उसकी अर्थव्यवस्था कितनी तेज़ी से बढ़ रही है, बल्कि यह होता है कि उसके सबसे मासूम नागरिक कितने सुरक्षित हैं। जब दो-तीन वर्ष का एक बच्चा, जो बोलकर अपना दर्द भी बता नहीं सकता, उसी स्थान पर प्रताड़ित होने लगे जहां उसे सुरक्षा और स्नेह मिलना चाहिए, तब ये सिर्फ एक आपराधिक घटना नहीं रहती, पूरे समाज के नैतिक ढांचे पर प्रश्नचिह्न बन जाती है। बेंगलुरु के एक कॉर्पोरेट परिसर स्थित डे-केयर सेंटर से सामने आए कथित दुर्व्यवहार के वीडियो ने पूरे देश को झकझोर दिया है। वीडियो में छोटे बच्चों के साथ अमानवीय व्यवहार के आरोप सामने आने के बाद पुलिस ने कर्मचारियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया। बाल अधिकार संस्थाओं ने हस्तक्षेप किया और संबंधित डे-केयर केंद्र को बंद करना पड़ा। यह कार्रवाई आवश्यक थी, लेकिन उससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि यदि यह वीडियो सामने नहीं आता, तो क्या उन बच्चों की पीड़ा कभी व्यवस्था तक पहुंच पाती? क्या हमारे संस्थागत तंत्र की संवेदनशीलता अब केवल वायरल वीडियो पर निर्भर हो गई है? भारत तेज़ी से बदल रहा है। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, महानगर फैल रहे हैं और लाखों महिलाएं कार्यक्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। ऐसे में डे-केयर अब सुविधा नहीं, सामाजिक आवश्यकता बन चुका है। सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने की बात करती है। कॉर्पोरेट जगत 'समावेशी कार्यस्थल' और 'वर्क-लाइफ बैलेंस' के दावे करता है। इस पूरे विमर्श में सबसे अहम सवाल अक्सर छूट जाता है कि जब माता-पिता कार्यस्थल पर होंगे, तब उनके छोटे बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017 के तहत 50 या उससे अधिक कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों में क्रेच सुविधा का प्रावधान किया गया।

दूसरी ओर केंद्र सरकार पालना योजना के माध्यम से आंगनवाड़ी-सह-क्रेच व्यवस्था का विस्तार कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशभर में 14,599 आंगनवाड़ी-सह-क्रेच स्वीकृत किए जा चुके हैं और 2,448 क्रेच संचालित हैं। उद्देश्य स्पष्ट है कामकाजी महिलाओं को सहयोग और छोटे बच्चों को सुरक्षित देखभाल उपलब्ध कराना। लेकिन यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास दिखाई देता है। यदि योजनाएं हैं, कानून हैं और संस्थाएँ भी हैं, तो फिर अभिभावकों का भरोसा बार-बार क्यों टूट रहा है? इसका उत्तर केवल किसी एक कर्मचारी की क्रूरता में नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कमजोरी में छिपा है जहां डे-केयर खोलना अपेक्षाकृत आसान है, पर उसकी गुणवत्ता, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, पुलिस सत्यापन और नियमित निरीक्षण की व्यवस्था अब भी बिखरी हुई है। बच्चों की सुरक्षा केवल भवन, खिलौनों और रंगीन दीवारों से सुनिश्चित नहीं होती; वह प्रशिक्षित और संवेदनशील मानव संसाधन से सुनिश्चित होती है। यूनिसेफ और प्रारंभिक बाल विकास से जुड़े वैश्विक अध्ययन बताते हैं कि जीवन के पहले पांच वर्ष बच्चे के मस्तिष्क और व्यक्तित्व के विकास के लिए सबसे निर्णायक होते हैं। इसी दौर में मिला प्रेम, सम्मान और सुरक्षा उसके पूरे जीवन की दिशा तय करते हैं। इसके विपरीत भय, अपमान और हिंसा उसके भावनात्मक विकास पर गहरा प्रभाव छोड़ सकते हैं। इसलिए डे-केयर केवल बच्चों को कुछ घंटों तक रखने की जगह नहीं होता यह भविष्य गढ़ने का स्थान है। यदि वही स्थान भय का पर्याय बन जाए, तो उसका नुकसान केवल एक परिवार नहीं, पूरा समाज उठाता है। बेंगलुरु की घटना को किसी एक शहर या एक कंपनी की समस्या मानकर भुला देना आसान होगा। कठिन काम यह स्वीकार करना है कि यह घटना हमारी नीतियों, हमारी निगरानी व्यवस्था और हमारी सामाजिक प्राथमिकताओं की कमियों को उजागर करती है। अंततः किसी भी राष्ट्र का भविष्य संसद की बहसों, आर्थिक सर्वेक्षणों या कॉर्पोरेट मुनाफ़ों में नहीं लिखा जाता। वह उन नन्हे कदमों में आकार लेता है जो अभी दुनिया पर भरोसा करना सीख रहे हैं। यदि हम उस भरोसे की रक्षा नहीं कर सके, तो इतिहास हमारी आर्थिक उपलब्धियों से अधिक हमारी नैतिक विफलताओं को याद रखेगा। क्योंकि किसी भी सभ्यता की सबसे बड़ी परीक्षा उसके बच्चों की मुस्कान होती है। यदि वही मुस्कान भय में बदल जाए, तो विकास की सबसे चमकदार इमारतें भी भीतर से खोखली साबित होती हैं।

(लेखिका शोधार्थी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राम सब घट मेरा साइयां

संकलित
दर्शन

पूरे संसार में राम का निवास है, सबमें भगवान हैं और हम उन्हें हाथ जोड़कर प्रणाम करते हैं। राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में है। कबीर ने कहा है-'राम सब घट मेरा साइयां'... राम ईश्वर के रूप में सबके हृदय में हैं। सदा सर्वदा सबके हृदय में रहेंगे, लेकिन हमारे स्वार्थ, हमारे हेतु, हमारी मानसिकताओं के कारण कभी-कभी हम राम को साधन बना बैठते हैं। इसलिए हम राम को सही रूप में नहीं समझ पाते। प्रत्येक व्यक्ति में यदि हमें सिया राम के दर्शन होने लगें तो तमाम भेदभाव समाप्त हो जाएंगे। जातीय आधार पर भेदभाव काफी हद तक कम हुआ है, लेकिन अब भी बहुत कुछ करने की जरूरत है। इसके लिए धर्माचार्यों को आगे आना होगा। धार्मिक क्षेत्र हो, राजनीतिक या फिर सामाजिक क्षेत्र, अंतिम व्यक्ति पूज्य होना चाहिए। अगर अंतिम व्यक्ति आप तक नहीं पहुंच पा रहा है तो यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप उस तक पहुंचें। भारतीय दर्शन में इहलोक और परलोक की बात आती है। इहलोक और परलोक का कल्याण करने की बात मेरी दृष्टि में इह यानी अपने संसार के साथ-साथ दूसरों का भी कल्याण हो, ऐसा प्रयास करना ही इहलोक और परलोक को सुधारना है। दूसरों के कल्याण की भावना का क्षेत्र बहुत व्यापक है। हम व्यापक व विराट की संतान हैं, इसलिए दूसरों के कल्याण का भारतीय सोच पूरे विश्व के कल्याण का सोच है। जब हम वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, तो दुनिया के सभी देशों के कल्याण की बात करते हैं।

मानवता भीतर के संस्कारों से पनपती है

संकलित
प्रेरणा

टी.एन. शेषन जब मुख्य चुनाव आयुक्त थे, तो परिवार के साथ छुट्टियां बिताने के लिए मसूरी जा रहे थे। परिवार के साथ उत्तर प्रदेश से निकलते हुऐ रास्ते में उन्होंने देखा कि पेड़ों पर गौरैया के कई सुन्दर घोंसले बने हुए हैं। यह देखते ही उनकी पत्नी ने अपने घर की दीवारों को सजाने के लिए गौरैया के दो घोंसले लेने की इच्छा व्यक्त की तो उनके साथ चल रहे पुलिसकर्मियों ने तुरंत एक छोटे से लड़के को बुलाया, जो वहां मवेशियों को चरा रहा था। उसे पेड़ों से तोड़ कर दो गौरैया के घोंसले लाने के लिए कहा। लड़के ने इंकार में सर हिला दिया। शेषन ने इसके लिए लड़के को 10 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के के इनकार करने पर शेषन ने बढ़ा कर 50 रुपए देने की पेशकश की। फिर भी लड़के ने हामी नहीं भरी। पुलिस ने तब लड़के को धमकी दी और उसे बताया कि साहब जज हैं और तुझे जेल में भी डलवा सकते हैं। गंभीर परिणाम भुगतने पढ़ेंगे। लड़का तब श्रीमती और शेषन के पास गया और कहा- साहब, मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन घोंसलों में गौरैया के छोटे बच्चे हैं अगर मैं आपको दो घोंसले दूं, तो जो गौरैया अपने बच्चों के लिए भोजन की तलाश में बाहर गई हुई है, जब वह वापस आएगी और बच्चों को नहीं देखेगी तो बहुत दुःखी होगी जिसका पाप मैं नहीं ले सकता। यह सुनकर टी.एन. शेषन दंग रह गए। शेषन ने अपनी आत्मकथा में लिखा है- मेरी स्थिति, शक्ति और आईएएस की डिग्री सिर्फ उस छोटे, अनपढ़, मवेशी चराने वाले लड़के द्वारा बोले गए शब्दों के सामने पिघल गई।

अंतर्मन

आज की पाती

डिजिटल तकनीक का करें सही उपयोग

आज बच्चों के सामने सबसे बड़ा खतरा केवल इंटरनेट का बढ़ता उपयोग नहीं, बल्कि उसका अनियंत्रित और असुरक्षित उपयोग है। डिजिटल तकनीक ने शिक्षा, ज्ञान और संवाद के नए द्वार खोले हैं, लेकिन इसके साथ ही बच्चों का बचपन साइबर खतरों की गिरफ्त में आता जा रहा है। मोबाइल स्क्रीन पर बीतने वाला बढ़ता समय उनके शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। डिजिटल युग से बच्चों को दूर रखना समाधान नहीं है, बल्कि उन्हें सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना सबसे बड़ी आवश्यकता है। सरकार, तकनीकी कंपनियां, विद्यालय, अभिभावक और समाज यदि मिलकर प्रयास करें, तो ऐसी व्यवस्था बनाई जा सकती है जहां बच्चे इंटरनेट के उपभोक्ता नहीं, बल्कि सुरक्षित, जागरूक, सम्मानित और सशक्त नागरिक बनकर देश के भविष्य को नई दिशा दें।

– विजय देशमुख, दुर्ग

ट्रेंड

सर्वोच्च नागरिक सम्मान

पीएम मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जाना गर्व की बात है। यह भारत और इंडोनेशिया के बीच गहरी दोस्ती और दुनिया में भारत के बढ़ते सम्मान का एक और प्रमाण है।
-अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय बाल विकास मंत्री

जनता को विकल्प दें

मोदी जी कृपया जनता को विकल्प दें। देश के हर पेट्रोल पंप पर ई10, ई20 और ई0 उपलब्ध होने चाहिए। यह फैसला जनता का होना चाहिए कि वे अपनी गाड़ी में कौन सा पेट्रोल डलवाना चाहते हैं, सरकार का नहीं।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

जवाबदेही तय नहीं

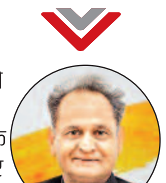

राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी का मुद्दा देशभर के गांवों तक पहुंच गया है और इसे लेकर सभी लोगों में व्यापक आक्रोश है। भाजपा-आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद के लोगों ने मिलकर एकतरफा तरीके से मंदिर ट्रस्ट का गठन किया, लेकिन किसी की भी जवाबदेही तय नहीं की गई।
- अशोक गहलौत, पूर्व सीएम, राजस्थान

तेल कंपनियों को लाभ

दुनिया भर में कच्चे तेल के दाम गिरने से पेट्रोल-डीजल के दामों में भारी कमी आई है और दूसरे देशों की जनता को तेल के घटे दामों के रूप में लाभ मिला है लेकिन इसके विपरीत भारत में भाजपा सरकार दाम नहीं घटा रही है और सरकार कंपनियों को लगातार फायदा पहुंचाने में लगी है।
- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

ईंधन भंडार घटने से पूरे क्यूबा में बिजली आपूर्ति हुई ठप

ईंधन भंडार में लगातार कमी और जर्जर होती बिजली वितरण व्यवस्था के बीच सोमवार को पूरे क्यूबा में बिजली गुल हो गई। करीब एक करोड़ की आबादी वाले इस द्वीपीय देश में बिजली अपूर्ति ठप होने की जानकारी सरकारी बिजली कंपनी 'इलेक्ट्रिक यूनियन' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दी। कंपनी ने कहा कि बिजली बाधित होने के कारणों की जांच की जा रही है। वहीं, ऊर्जा एवं खनन मंत्रालय ने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। क्यूबा में इस वर्ष जनवरी से ही ईंधन का गंभीर संकट बना हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा क्यूबा को तेल बेचने वाले या उसकी आपूर्ति करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की चेतावनी दिए जाने के बाद से देश का आर्थिक और वित्तीय संकट और गहरा गया है। ईंधन संकट के कारण सार्वजनिक परिवहन लगभग ठप हो गया है, वहीं अस्पतालों में हजारों निर्धारित सर्जरी भी रद्द करनी पड़ी हैं। ऊर्जा मंत्री विसेंटे दे ला ओ लेवी ने बताया कि बिजली गुल होने के कुछ ही घंटों बाद देशभर में छोटे-छोटे विद्युत तंत्र (माइक्रोसिस्टम) चालू कर दिए गए थे। उन्होंने कहा, 'हम जटिल स्थिति का सामना कर रहे हैं, जो हमारे ऊपर लगाए गए ऊर्जा प्रतिबंधों के कारण और गंभीर हो गई है।

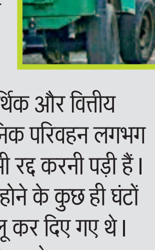

ऑफ बीट

आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे

क्षुद्रग्रह हमारे सौर मंडल के निर्माण के बाद बचे चट्टानों के टुकड़े हैं। चार मीटर से अधिक व्यास वाले लगभग आधा अरब क्षुद्रग्रह सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं, जो हमारे सौर मंडल से लगभग 30 किलोमीटर प्रति सेकंड की गति से गुजरते हैं – लगभग पृथ्वी के समान गति से। ज्यादातर मामलों में, सबसे छोटे क्षुद्रग्रह पृथ्वी के वायुमंडल से टकराने पर काफी हद तक टूट जाते हैं, और सतह तक भी नहीं आ पाते हैं। जब एक छोटा क्षुद्रग्रह (या उल्कापिंड, क्षुद्रग्रह से छोटी वस्तु) पृथ्वी के वायुमंडल से टकराता है, तो यह एक चमकीला 'आग का गोला' बन जाता है – एक शूटिंग स्टार या उल्का का एक बहुत लंबे समय तक चलने वाला और उजला संस्करण। यदि वस्तु का कोई बचा हुआ टुकड़ा जमीन से टकराता है, तो उसे उल्कापिंड कहा जाता है। अधिकांश वस्तु वायुमंडल में जल जाती है। प्रति वर्ष एक बार, औसतन, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह से टकराता है। यदि आपने उस सतह क्षेत्र को दोगुना कर दिया, तो आपको प्रति वर्ष दो मिलेंगे। पृथ्वी की त्रिज्या 6,400 किमी है। दोगुने सतह क्षेत्रफल वाले एक गोले की त्रिज्या 9,000 किमी है। तो, प्रति वर्ष लगभग एक बार, चार मीटर का क्षुद्रग्रह पृथ्वी की सतह के 2,600 किमी के भीतर आएगा – 9,000 किमी और 6,400 किमी के बीच का अंतर।

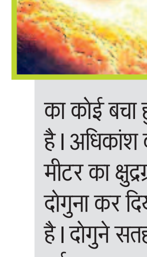

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

नए सितारों से सजी 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर जारी...

मुंबई। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का ट्रेलर सामने आ चुका है। इसमें सस्पेंस है, थ्रिल है और एक्शन भी है। मर्डर मिस्ट्री और लव ट्रायएंगल सहित इस फिल्म में कई दिलचस्प ट्विस्ट हैं। इस फिल्म में आर्य कुमार, नीता शेट्टी और पीहू बिस्वास जैसे नए कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म 'रहूं मैं तेरे रूबरू' का निर्देशन इंद्र दास ने किया है। इसे एसएस एंटरटेनमेंट वर्ल्ड के बैनर तले सुमन सौरभ ने प्रोड्यूस किया है। रहूं मैं तेरे रूबरू' 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मंगलवार को रिलीज हुए इस फिल्म के ट्रेलर में आज की तकनीक और इंटरनेट की दुनिया के जीवन पर हो रहे

नकारात्मक असर को दिखाने की भी कोशिश की गई है। जब भी कोई अपराध होता है, वहां पाए गए सुराग से हम अपराधी तक पहुंचते हैं। मगर, यहां जितनी भी सीरियल किलिंग्स हुईं, मर्डर का पैटर्न एक तरह का ही था। इसके बाद सवाल किया जाता है, 'क्या आप सीरियल किलर को अपना अगला शिकार करने से रोक सकते हैं'? जवाब मिलता है, 'उसका काउंटडाउन शुरू हो गया'।

रफी ने गाया था यह दर्द भरा गीत, कल्ट क्लासिक है 56 साल पुराना गाना

नई दिल्ली। सिनेमा जगत के महान गायक के तौर पर आज भी मोहम्मद रफी को जाना जाता है। अपने सुनहरे सिंगिंग करियर के दौरान उन्होंने हर किस्म के गीतों को आवाज दी थी और उन्हें अमर किया था। लेकिन, सैड सॉन्ग के मामले में रफी साहब एक अलग दर्जे के सिंगर के तौर पर पहचाने जाते थे। इसी आधार पर आज हम आपको मोहम्मद रफी द्वारा गाया एक ऐसे कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सबसे सर्द भरे गीत के तौर भी जाना जाता है।

किसने तैयार किया गाना

बात की जाए फिल्म हीर रांझा के ये दुनिया ये महफिल की मेकिंग की तो मोहम्मद रफी की गायिकी के अलावा इसकी धुनों को मशहूर संगीतकार मदन मोहन अपने धुनों पर तैयार किया था, जबकि इसके लिरिक्स को कैफी आजमी गीतकार ने लिखा था। इस तरह से ये कल्ट क्लासिक सैड सॉन्ग रेडी हुआ था।

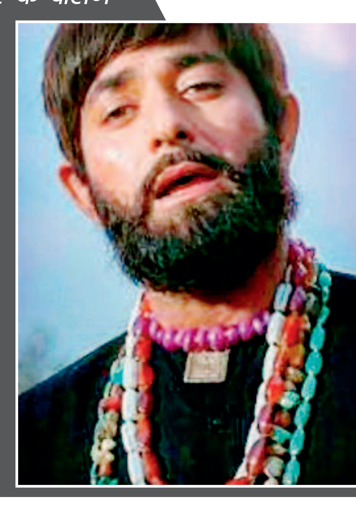

1970 में रिलीज हुई थी हीर रांझा

जब मोहम्मद रफी सैड सॉन्ग गाते थे, तो मानों ऐसा लगता कि उन्होंने सच में अपने दिल का दर्द आवाज में उतार के रख दिया है। उनकी आवाज से गाने की खूबसूरती और बढ़ जाती थी, जिसे सुनने के बाद दिल और आंखें भरा आती थी। ऐसा ही करिश्मा रफी साहब ने साल 1970 में रिलीज होने वाली फिल्म हीर रांझा के एक गीत के लिए किया था।

राज कुमार पर फिल्माया गया गाना

जब उन्होंने ये दुनिया ये महफिल... गीत गाया था। अभिनेता राज कुमार पर फिल्माया गया मोहम्मद रफी का ये गाना आज भी बॉलीवुड के बेस्ट एवर सैड सॉन्ग के तौर पर जाना जाता है। इस गाने को सुनने के बाद यकीनन तौर पर आपकी भी आंखें भर आएंगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो पुरुष समाज का दर्द दिल बयां करने के लिए रफी साहब के ये दुनिया ये महफिल को जाना जाता है। इस वजह से ये हर किसी का फेवरेट भी माना जाता है। अगर आप भी मोहम्मद रफी के गानों को सुनना पसंद करते हैं तो यकीनन तौर पर आपकी प्लेलिस्ट में ये दर्द भरा गीत जरूर शामिल होगा।

मैंने करवा लिए एग्ज फ्रीज

एक्टर कृति सेनन ने बताया है कि उन्होंने अपनी फिल्म 'मिमी' की तैयारी के दौरान अपने एग्स फ्रीज करवाने का फैसला किया था। उन्होंने इसे अपने लिए लिए गए 'सबसे समझदारी भरे' फैसलों में से एक बताया है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हाल ही में हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि यह फैसला फिल्म के लिए उनके फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन (शारीरिक बदलाव) के समय के साथ मेल खाता था, इसलिए यह प्रोसेस करवाने का यह सबसे सही मौका था। 35 साल की एक्ट्रेस ने बताया कि एग फ्रीजिंग से अक्सर ब्लोटिंग (पेट फूलना) और हार्मोनल बदलाव होते हैं। चूंकि उन्हें 'मिमी' फिल्म में अपने रोल के लिए वजन बढ़ाना था, इसलिए उन्हें लगा कि यही सही समय है जब वे यह प्रोसेस करवा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने एक व्यक्ति से बात की थी, जिन्होंने मुझे बताया कि अगर आप कर सकती हैं, तो यह आपके लिए सबसे अच्छी चीज है। यह सबसे अच्छा तोहफा है जो आप खुद को दे सकती हैं। यह बात मेरे दिमाग में रही। फिर, जब मुझे वजन बढ़ाने के लिए कहा गया, तो मुझे लगा कि यही सही समय है'। एक्ट्रेस ने इस प्रोसेस के इमोशनल और फिजिकल असर के बारे में भी बात की।

शिवांगी को रोता देख आग-बबूला हुए हर्षद

नई दिल्ली। शो 'लॉकअप 2' इन दिनों झगड़ा, विवादों की वजह से चर्चा में है। इस रियलिटी शो में हाल ही में एक बड़ा हंगामा हुआ। इंफ्लुएंसर श्रेया कालरा की वजह से एक्ट्रेस शिवांगी जोशी फूट-फूटकर रोईं। शिवांगी को ऐसे देखकर उनके दोस्त और पुराने को-एक्टर हर्षद चोपड़ा का पारा चढ़ गया। हर्षद श्रेया से लड़ने के लिए शो में दौड़ पड़े थे। 'लॉकअप 2' के वायरल वीडियो में हर्षद चोपड़ा के सामने शिवांगी रो रही हैं। वह बताती हैं कि उन्होंने श्रेया से सच में पूछा कि क्या उनकी तबियत खराब है। इस पर श्रेया ने शिवांगी के साथ बदतमीजी से बात की। इससे वह दुखी हो गईं और हर्षद चोपड़ा और आकांक्षा चमोला के सामने रोने लगीं। यह देखकर हर्षद गुस्से में श्रेया को तलाशने के लिए दौड़ पड़े। ऐसे में शिवांगी और आकांक्षा ने हर्षद को किसी तरह से रोका।

गौ सेवा गतिविधि

बैंक हाउस कॉलोनी, सिविल कोर्ट कंपाउंड खंदारी, 7, आगरा, उत्तर प्रदेश-282002

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि गौ सेवा गतिविधि में वर्तमान समय में किसी भी प्रकार की मीडिया सेल, मीडिया प्रभारी, मीडिया समन्वयक अथवा मीडिया से संबंधित कोई भी पद स्वीकृत अथवा संचालित नहीं है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि गौ सेवा गतिविधि में गौ संरक्षण, गौ संवर्धन एवं प्राकृतिक खेती के विषय पर कार्य करती है। संस्थान में मीडिया संबंधी किसी भी प्रकार का कोई प्रभार निर्धारित नहीं किया गया है तथा किसी भी व्यक्ति की मीडिया प्रभारी, मीडिया प्रतिनिधि, मीडिया समन्वयक अथवा मीडिया सेल के किसी पद पर कोई नियुक्ति नहीं की गई है।
अतः यदि कोई व्यक्ति स्वयं को गौ सेवा गतिविधि (क्षेत्र पश्चिमी उत्तर प्रदेश) का मीडिया प्रभारी, मीडिया प्रतिनिधि, मीडिया सेल का सदस्य अथवा अधिकृत मीडिया कर्मी बताता है, तो उसका ऐसा दावा पूर्णतः असत्य, भ्रामक एवं अनधिकृत माना जाएगा। ऐसे किसी भी व्यक्ति का गौ सेवा गतिविधि से इस संबंध में कोई अधिकृत संबंध नहीं है। यदि कोई व्यक्ति गौ सेवा गतिविधि के नाम, पद अथवा अधिकार का दुरुपयोग करते हुए स्वयं को अधिकृत मीडिया प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करता है, तो उसके विरुद्ध प्रचलित विधिक प्रावधानों के अंतर्गत आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी। ऐसे व्यक्तियों को फर्जी एवं अनधिकृत मानते हुए संबंधित सक्षम अधिकारियों को सूचित किया जाएगा। अतः सभी संबंधित व्यक्तियों, संस्थाओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि गौ सेवा गतिविधि से संबंधित किसी भी सूचना या अधिकृत जानकारी के लिए केवल संस्थान के अधिकृत प्रशासनिक कार्यालय से ही संपर्क करें।

हरीशंकर शर्मा, क्षेत्र संयोजक पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र, गौ सेवा गतिविधि, मो. 9359909574

इंसानों व कुत्तों के बीच रिश्ते की कहानी

मुंबई। अमित राय अपनी अगली फिल्म 'ओह माय डॉग' लेकर आ रहे हैं। इससे पहले उन्होंने 'ओह माय गॉड 2' का निर्देशन किया था। उनकी नई फिल्म का टीजर रिलीज हो गया है। टीजर में इंसानों और कुत्तों के बीच बिना शर्त प्यार और वफादारी की एक कहानी की झलक दिखती है। टीजर की शुरुआत अमिताभ बच्चन के मशहूर गाने 'मेरे पास आओ मेरे दोस्तों, एक किस्सा सुनो' से होती है, जो तुरंत पुरानी यादें ताजा कर देता है। साथ ही कहानी

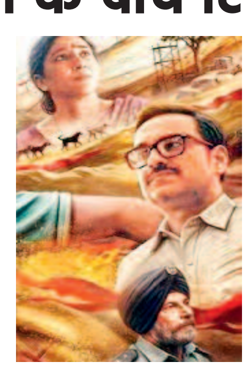

की मासूमियत, अपनापन और इमोशनल गहराई को खूबसूरती से दिखाता है। यह फिल्म 31 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'ओह माय डॉग' में माही राय, पंकज त्रिपाठी, गीता अग्रवाल शर्मा, राजेश कुमार, पवन मल्होत्रा, सुलक्षणा बरुआ और विजय मिश्रा नजर आएंगे। इस फिल्म में 250 से ज्यादा कुत्ते हैं। यह फिल्म एक छोटे बच्चे और कुत्ते के बीच के खूबसूरत रिश्ते की दिल को छू लेने वाली कहानी बताती है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
महेंद्रगढ़ (हरियाणा) - 123031

NAAC A

सीयूईटी 2026 के अंतर्गत स्नातक (यूजी) कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण आरंभ

शैक्षणिक सत्र: 2026-27

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ निम्नलिखित कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित सीयूईटी (यूजी) -2026 परीक्षा में उपस्थित होने वाले उम्मीदवारों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण फॉर्म आमंत्रित करता है:

स्नातक (यूजी) कार्यक्रम			
बी.वॉक.	• रिटेल एंड लोजिस्टिक्स मैनेजमेंट • बायोमेडिकल साइंसेज • इंडस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट	इंटीग्रेटेड कार्यक्रम	• बी.एससी. एम.एससी. इन केमेस्ट्री • बी.एससी.एम.एससी. इन मैथमेटिक्स • बी.एससी. एम.एससी. इन फिजिक्स
• बी.एससी. (ऑनर्स) इन साइकोलॉजी			

महत्त्वपूर्ण तिथि

ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	17 जुलाई, 2026
पंजीकरण लिंक	https://cuhcuet.samarth.edu.in/

विस्तृत विवरण के लिए www.cuh.ac.in देखें। कुलसचिव

टीवी मसाला

पति के 10 अफेयर हों तो भी उन्हें कभी नहीं छोड़ूंगी : सुनीता

नई दिल्ली। मशहूर बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा इन दिनों रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' में नजर आ रही हैं और साथ ही अपने बयानों से जमकर सुर्खियां भी बटोर रही हैं। इसी शो के दौरान सुनीता ने अपने पति गोविंदा को लेकर एक ऐसी बात कही है, जिसे सुनकर इस शो के होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख भी दंग रह गए। उन्होंने कहा है कि चाहे उनके पति गोविंदा के दस महिलाओं के साथ संबंध ही क्यों न हों, वह उन्हें कभी नहीं छोड़ेंगी। सुनीता ने यह बात नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप सच या सजा' में कही, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट कर रहे हैं। इस शो में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर आईं अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने सुनीता के उन पुराने बयानों पर बात की। इस पर सुनीता भड़क गईं और उन्होंने शिल्पा से कहा कि लोगों को पहले उनकी जगह रहकर देखना चाहिए, उसके बाद ही कोई राय बनानी चाहिए। सुनीता ने कहा, 'जब यह सब आपके साथ होगा, तब आपको समझ आएगा कि मैं किस दौर से गुजरी हूं। यह मेरी जिंदगी है और मैं जो चाहूंगी, वही करूंगी।' उन्होंने आगे कहा, 'गोविंदा मेरा पति है, अगर वह 10 जगह भी अफेयर करेंगे, तो भी मैं उसे नहीं छोड़ूंगी। मैं अपनी आखिरी सांस तक उससे प्यार करूंगी।' बाद में सुनीता ने शो के दूसरे कंटेस्टेंट राम कपूर से भी शिल्पा शिंदे की शिकायत की। उन्होंने गुस्से में कहा, 'शिल्पा मुझे उकसा रही है।

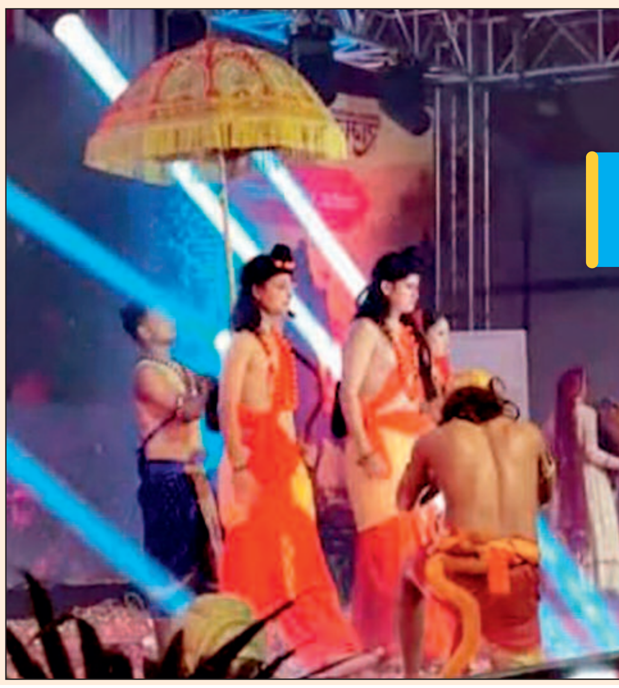

लोक नाट्य
डा. प्रमिला काले

प्रयोगवादी नाटकों के लेखक डा. शंकर शेष

छत्तीसगढ़ी और हिन्दी में नाट्य लेखन के लिए डा. शंकर शेष का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। प्रसाद युग के पश्चात नाटकों की संक्रमणकालीन स्थिति में एक लम्बा अंतराल आता है, जिसमें नाटक का विकास अवरुद्ध हो जाता है। इस जड़ता और सन्नाटे को डा. शंकर शेष ने प्रयोग के नाम पर कथ्य, शिल्प, भाषा, चरित्र मंच आदि सभी में परिवर्तन किए। भाषा प्रयोग के साथ डा. शेष के नाटक मंच सज्जा, नाटक के दृश्य को उभारकर जहां पर्यावरण की पृष्ठभूमि को प्रदर्शित करती है, वहीं प्रतीकों के माध्यम से कथानक और घटनाओं को उद्दीप्त भी करती है। डा. शेष के प्रारंभिक नाटक प्रसाद प्रभावित हैं, इसलिए उसमें भाषा की प्रांजलता निहित है। इसके विपरीत उनके नाटकों में क्रमशः जैसे जैसे रंगमंचीय आशक्ति बढ़ती गई वैसे वैसे उनकी नाटकों की भाषा जनमन रंजनकारी कहावतों, मुहावरों से युक्त सांकेतिक पात्रों और भावनाओं के अनुकूल एवं हरकत के साथ जुड़कर संम्प्रेषनीयता से महिमामंडित हुई।

गांव की कहानी
डा. देवधर महंत

पिण्डारियों के नाम पर बना पेंड्रा

न्यायधानी बिलासपुर से उत्तर की ओर 100 कि मी दूरी पर पेंड्रा स्थित है। बिलासपुर से कटनी रेल मार्ग में पेंड्रा रोड स्टेशन है, जो दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के अंतर्गत आता है और देश के प्रमुख नगरों से जुड़ा हुआ है। गौरेला (पेंड्रा रोड) पेंड्रा ट्विनसिटी है। जिन 36 गढ़ो के कारण छत्तीसगढ़ नामकरण हुआ, उनमें पेंड्रागढ़ भी एक है। मराठा काल में पेंड्रा पिण्डारियों का केंद्र था। इसी कारण इस क्षेत्र को पिंडारा कहा जाता था, जो कालांतर में पेंड्रा हो गया। यह स्थान पुण्य सलिला नर्मदा नदी के उदगम स्थल अमरकंटक का प्रवेश द्वार था, जहां से इनकी दूरी 45 कि मी है। पेंड्रा सिवनी मार्ग पर 23 कि मी दूरी पर ग्राम धनपुर स्थित है, जो पांडवों की नगरी कहलाता है। यहां की पहाड़ी पर पांडव गुफा विद्यमान है। जनश्रुति है कि अपने अज्ञातकाल के दौरान पांडव यहां रुके थे।

लोक साहित्य
डा. आभा तिवारी

छत्तीसगढ़ी कथा साहित्य में युग चेतना

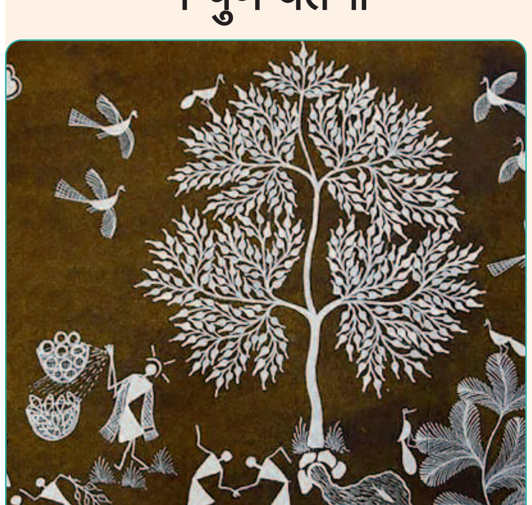

छत्तीसगढ़ की भूमि जहां लव कुश की जन्मभूमि है वहां साहित्य जगत को विशेषतः छायावाद को प्रथम कवि और लेखक देने का गौरव प्राप्त है। हिन्दी की पहली कहानी ' एक टोकरी भर मिट्टी ' माधवराव सप्रे की 1909 में छत्तीसगढ़ मित्र में प्रकाशित का जन्म भी इसी भूमि में हुआ है। इसी तरह शिवशंकर शुक्ल का उपन्यास मोंगरा, कपिलनाथ कश्यप की कहानी इष्ट के कांटा, लखनलाल गुप्त की कहानी भईगे नई तो, केयूर भूषण की कहानी गांव गे हे नवा बहुरिया, अशोक सिंह ठाकुर का उपन्यास दिन बहुरिस ने यहां के जनजीवन को प्रभावित करने वाले समस्याओं को रेखांकित किया है। इस तरह अनेक कथाकार उन तमाम रूढ़ियों का विरोध करता दिखाई देता है जो समाज के साथ विकास में बाधक है। भूखे मजदूर, किसान, खंडित प्यार, शोषण, अत्याचार, बिखरते असंतुष्ट परिवार, तथा आदर्श हीन होता सामाजिक व्यवस्था आज कथा के लिए विषय के रूप में हमारे सामने है इसका समाधान भी उतना ही उतना ही जरुरी है। उपरोक्त इन कथाकारों ने विभिन्न समस्याओं के चित्रण के साथ समाधान भी प्रस्तुत करने का प्रयास किया है जो निश्चित ही स्तुत्य है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

गायन के लिए उपयोग में आता है चेहरे पाटा

कला जगत
स्वाति आनंद

बस्तर की संस्कृति में पाटा का अर्थ गीत या गायन से होता है। उमरिया मारिया सभ्यता में मंडप के नीचे मनोरंजन में गाया जाने वाला यह लोकप्रिय गीत होता है। इसी के साथ हंसी मजाक और एक दूसरे के साथ छेड़छाड़ करने वाले इस गीत को पासके पाटा भी कहा जाता है इस नृत्य में वृद्ध से लेकर बच्चों तक सभी सम्मिलित हो सकते हैं। इस नृत्य में पुरुष नर्तक के कंधे पर एक चेहरा लकड़ी का बना होता है, इसमें एक तीन या पांच तक की लकड़ी जिनमें चिड़िया बनी होती है। इसका संबंध धागे से रहता है जो एक बांस के पटरी से बंधा होता है।

इस पटरी को डंडे से रगड़ने पर चिड़िया के पंख ऊपर नीचे होता है और चट चट की ध्वनि निकलती है। स्त्री नर्तक चिटकुल यानी मंजीरा के साथ नृत्य करने में सम्मिलित होती है कभी कभी चेहेरे नृत्य को माओ पाटा या कोला पाटा नृत्य के साथ भी सम्मिलित कर दिया जाता है। इसी तरह चेर तांग पाटा पूस महीने में डंडार गीतों के समय गया जाता है। यहां पर गीत गाते समय अपने हाथों से पकड़े हुए डंडे को जमीन पर मारा जाता है इसमें लकड़ी फटी होने के कारण धरती से टकराने पर यह कंपन से एक अलग प्रकार की ध्वनि उत्पन्न करती है जिसमें एक उसका निकलती है। चेरतांग के लिए प्रत्येक गांव के लड़के लड़की लगभग 6 से 7 दिनों तक अपने गांव से निकल पड़ते हैं उनके हाथ पर डंडे और सर पर श्रृंगार से बंधे हुए अलग-अलग पक्षियों के पंख होते हैं श्रृंगार में कई प्रकार की चिड़ियों के पंख को वह अपने सिर पर कलगी के रूप में धारण करते हैं। गांव में घरों के सामने दरवाजे पर जाकर डेरा डालकर यह गीत उत्सव के रूप में गाया जाता है।

संस्कृतिः बद्री प्रसाद पारकर

शीतलता खातिर मनाय जाथे जुड़वास

छत्तीसगढ़ के संस्कृति में जुड़वास तिहार मनाय के जुन्ना परंपरा हे। जुड़वास यानि ठण्डकता अउ शीतला यानि शांत स्वभाव इही दुनों के प्रभाव आए जुड़वास। गांव मे एकरे सेती माता शीतला मंदिर देखे जाथे। पहिली गर्मी के निकलती अउ बरसात के शुरुआत म आलस माता, छोटे माता अउ बड़े माता के प्रकोप ह महामारी के रूप लेवत रिहिस। माता के विकराल रूप के प्रभाव चेचक या माता के रूप म पीड़ति व्यक्ति म दिखे। इही प्रभाव ल रोके खातिर माता शीतला मंदिर में बैगा के माध्यम ले तेल संग हरदी चढ़ा के पूजा अर्चना करे जाथे। पहिली ले चलत आत ए प्रथा के चलन गांव देहात म आजो देखे ल मिल जाथे। ए बात अलग हे कि जागरूकता के सेती चेचक के टीका लगे ले अब ए बीमारी लोगन म नहीं के बराबर देखे ल मिलथे। इही कारण आए आजकल जुड़वास तिहार के महत्ता अब कम होवत हे। पहिली के तुलना में आजकल ए तिहार के सरूप म घलो बदलाव देखे जात हे।

सुरता
चिंताराम सिन्हा ' पुजारी

मूर्ति और चित्रकार के रूप में छाप छोड़ गए चक्रधारी

धमतरी जिले के महानदी के तट पर एक छोटे से ग्राम डाभा में 1935 को छबिलाल चक्रधारी का जन्म हुआ। आपको चित्रकला और मूर्तिकला के प्रति लगाव विरासत में मिली। कागजों में महीन चित्रकारी करने के लिए विशेष रूप से जाने जाते थे। इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ से चित्रकला में डिग्री हासिल की। आपने बालोद, दुर्ग, धमतरी, राजनांदगांव और महासमुंद के साथ ही छत्तीसगढ़ के कोने कोने से रामलीला मंडली के पर्दे पर आकर्षक चित्रकारी कराने आपके पास आते थे। मिट्टी, पत्थर, काष्ठ, प्लास्टर ऑफ पेरिस, फाइबर तथा ग्लास में जीवंत स्वरुप निर्माण करते थे। मुंबई, भोपाल, रायपुर, राजस्थान और दिल्ली के साथ ही देश के कई हिस्सों में आपकी कला की प्रदर्शनी लग चुकी है। आपके कला कृति की मांग हमेशा बनी रहती थी। आप छत्तीसगढ़ शासन के अलावा अनेक संस्थाओं से सम्मानित हुए थे। अपने क्षेत्र मगरलोड में साहड़ा देव मूर्ति को मूर्त रूप दे रहे थे तभी ह्रदयाघात से 2003 में आपकी मृत्यु हो गई।

शैलचित्रः डा. आशीषधर दीवान

प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्र बसनाझर में

प्रागैतिहासिक यायावर आदिम शैलचित्र बसनाझर रायगढ़ जिले के सिंघनपुर से आठ कि मी दूरी पर दक्षिण की ओर अर्धचंद्राकार आकृति में फैली बम्हनीन पहाड़ी पर दो हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां शैलाश्रय में देवोपासना के दृश्य अंकित हैं। शैलाश्रय में शिकार के दृश्य की जगह मांसल पशुओं का विस्तार है। एक वाइसन का सुन्दर और आकर्षक चित्र है, चित्र के साथ एक मानवाकृति को उसकी पृष्ठभूमि पर चित्रित किया गया है। इसके साथ ही हिरण, वराह, गोह, हाथी, रीछ और बंदरनुमा आकृति भी चित्रित है। यहां सर्वाधिक ध्यान खींचने वाला चित्र देवोपासना का है। इसमें प्रारंभिक कृषक और पशुपालन के अनेक जीवंत चित्र भी दर्शनीय हैं। पशु पक्षियों के अंकन में गतिशीलता झलकती है। मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं का चित्रण यहां इतिहास के पन्नों को उजागर करते दिखाई दे रहे हैं।

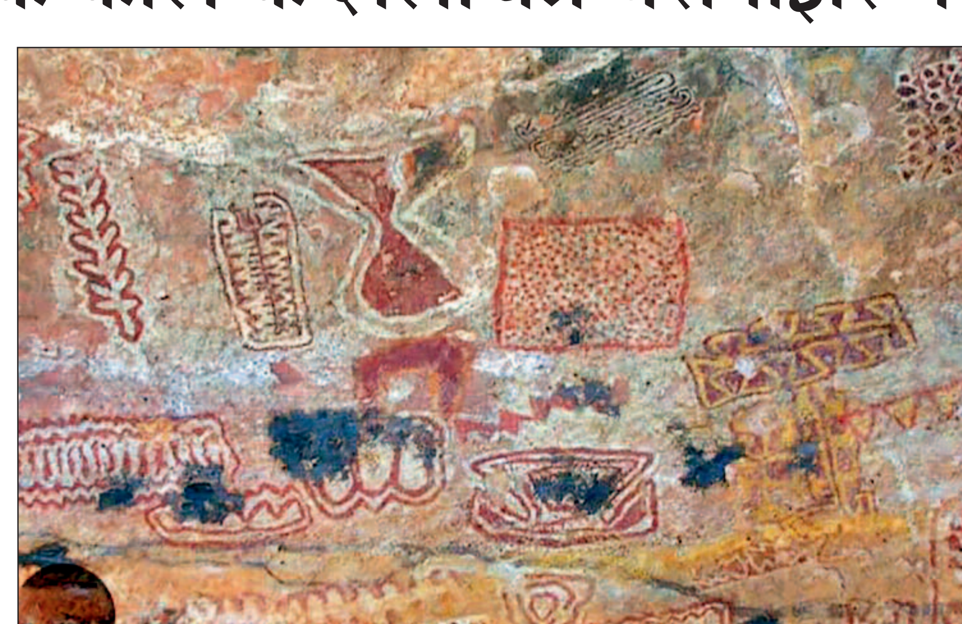

बुरहान की बरसी पर आतंक के आकाओं का जमावड़ा

भारत के खिलाफ साजिश के लिए कराची में की बैठक, घाटी में 'सुरक्षा' के पुख्ता इंतजाम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी रहे बुरहान वानी की 10वीं बरसी पर कराची में आतंकियों के बड़े-बड़े आकाओं की एक गुप्त बैठक हुई। यह बैठक 5 जुलाई को लश्कर-ए-ताइबा के राजनीतिक संगठन पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) के मुख्यालय में हुई। बैठक में जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी गुटों से संबंधित 14 बड़े आतंकियों और आईएसआई से ताल्लुक रखने वालों ने शिरकत की। बैठक में बुरहान वानी की बरसी पर भारत विरोधी साजिश रची गई। इसमें कश्मीर घाटी के हिस्सों में बड़ी वारदातों को अंजाम देने के लिए युवाओं को हथियार पहुंचाने का टास्क सौंपा गया।

बैठक में शामिल आतंकी

नापाक हरकत नहीं होने देंगे : बुरहान वानी के नाम पर घाटी में माहौल बिगाड़े जाने की साजिश का खुफिया इनपुट केंद्र सरकार से साझा किया जा चुका है। इसके साथ कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों को भी इसकी जानकारी साझा की गई है। इसके मद्देनजर समूची कश्मीर घाटी में सुरक्षा के इंतजाम चाकचौबंद हैं। सुरक्षा एजेंसी से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि किसी तरीके की कोई भी नापाक हरकत पाकिस्तान की ओर से नहीं होने दी जाएगी।

मैहर-रीवा हाईवे पर ट्रक में घुसी कार

पूर्व विधायक के परिवार के पांच लोगों की मौत हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैहर

मैहर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर सोमवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया। नादन थाना क्षेत्र के ग्राम रीघरा के पास रात करीब एक बजे हुए इस दर्दनाक हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। तेज रफ्तार से चल रही एक्सयूवी कार सामने चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। उसमें सवार लोग कार के अंदर ही फंस गए। ये सभी लोग किसी रिश्तेदार के यहां से जन्मदिन मनाकर मैहर लौट रहे थे। सभी मृतक पूर्व विधायक स्वर्गीय लालजी पटेल के परिवार से जुड़े बताए जा रहे हैं।

खाड़ी देशों के दौरे के दौरान बहरीन पहुंच विदेश मंत्री जयशंकर

राजा खलीफा और क्राउन प्रिंस से की मुलाकात द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर दिया जोर

एजेंसी ▶▶ मनामा

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा से मुलाकात कर भारत-बहरीन द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री सलमान बिन हमद अल खलीफा से भी भेंट की और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तथा पीएम नरेंद्र मोदी की शुभकामनाएं पहुंचाईं।

जयशंकर ने बहरीन में भारतीय समुदाय की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए राजा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारत-बहरीन संबंधों को आगे बढ़ाने में राजा का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

आपसी हितों के मुद्दों पर की चर्चा

राजा हमद खलीफा के साथ जयशंकर

इससे पहले विदेश मंत्री ने बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल्लातिफ बिन राशिद अल जायदानी से मुलाकात कर द्विपक्षीय सहयोग, क्षेत्रीय घटनाक्रम और आपसी हितों के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने बहरीन में भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से भी संवाद किया और उन्हें दोनों देशों के बीच जीवंत सेतु बताया। बता दें, डॉ. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान की यात्रा पर हैं। यात्रा के दूसरे चरण में कतर से बहरीन पहुंचे। इस दौरान वह क्षेत्रीय नेताओं से मुलाकात कर ऊर्जा, व्यापार, निवेश, सुरक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

करणी सेना नेता की हत्या की जांच सीबीआई से कराई जाए : भाजपा

रांची। भारतीय जनता पार्टी की झारखंड इकाई के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर जमशेदपुर में करणी सेना के नेता हिमांशु सिंह की हत्या से जुड़े मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो से कराने का आदेश देने का आग्रह किया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें 27 जून को हिमांशु की हत्या की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की गई। जमशेदपुर के बिष्टुपुर इलाके में एक बार में छेड़छाड़ की कथित घटना को लेकर हुए झगड़े के बाद हिमांशु और प्रत्युष सिंह को पुलिस के गश्ती वाहन से बाहर खींचकर उन पर हमला किया गया। पुलिस ने मामले के सिलसिले में अब तक पांच लोगों को पकड़ा है, जिनमें दो नाबालिग शामिल हैं।

कॉमनवेल्थ गेम में खिलाड़ी पहनेंगे जूट परिधान मेक इन इंडिया को मिलेगी वैश्विक पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारत के जूट उद्योग और 'मेक इन इंडिया' अभियान के लिए एक ऐतिहासिक पहल करते हुए वस्त्र मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जूट बोर्ड ने जूट-विस्कोस मिश्रित विशेष परिधान तैयार किए हैं।

इन्हें 23 जुलाई से 2 अगस्त तक स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भाग लेने वाला भारतीय दल पहनेगा। यह पहला अवसर होगा जब किसी अंतरराष्ट्रीय बहु-खेल प्रतियोगिता में भारतीय खिलाड़ी जूट आधारित परिधानों में नजर आएंगे। मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 किट अनावरण एवं विदाई समारोह में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पी. टी. उषा तथा आईओए की कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद रहे।

124 सदस्यीय भारतीय दल करेगा प्रतिनिधित्व

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 72 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। भारत की ओर से 124 सदस्यीय दल भाग लेगा, जिसमें 78 पुरुष और 46 महिला खिलाड़ी शामिल हैं।

100 प्रतिशत बायोडिग्रेडेबल है कपड़ा

राष्ट्रीय जूट बोर्ड द्वारा विकसित जूट-विस्कोस मिश्रित कपड़ा पूरी तरह 100 प्रतिशत जैव-अवक्रमणीय है। यह प्राकृतिक रेशों पर आधारित एक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल वस्त्र समाधान है, जो वैश्विक स्तर पर भारत की नवाचार क्षमता को प्रदर्शित करेगा।

ग्लॉस्टर जूट मिल्स व निफ्ट का रहा योगदान

इस विशेष कपड़े के विकास में ग्लॉस्टर जूट मिल्स, कोलकाता ने राष्ट्रीय जूट बोर्ड का सहयोग किया। वहीं परिधानों की डिजाइन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली ने तैयार की है। इन परिधानों की पहली झलक 1 अप्रैल को पटना में आयोजित राष्ट्रीय जूट बोर्ड के स्थापना दिवस समारोह में दिखाई गई थी।

जूट उद्योग और किसानों को मिलेगा लाभ

राष्ट्रीय जूट बोर्ड का मानना है कि इस पहल से भारत के जूट उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी। साथ ही भारतीय निर्माताओं की उत्कृष्ट कारीगरी और देश के लाखों जूट किसानों के योगदान को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा।

दुष्कर्म पीड़िता के मामले में मप्र हाई कोर्ट का बड़ा सवाल

जब कानून ने डॉक्टरों को अधिकार दिया है, तो अदालत के चक्कर क्यों?

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक दुष्कर्म पीड़िता के गर्भसमापन की अनुमति देते हुए प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा कि जब मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) एक्ट, 1971 डॉक्टरों को 24 सप्ताह तक के गर्भ के मामले में खुद निर्णय लेने का अधिकार देता है, तो फिर हर केस में जिला अदालत या

मंडला जिले की एक 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता से जुड़ा मामला

हाई कोर्ट से अनुमति लेने की परिपाटी क्यों चल रही है? अदालत ने इस व्यवस्था को संवेदनशील मामलों में अनावश्यक देरी का बड़ा कारण माना। अदालत ने साफ किया कि ऐसे संवेदनशील मामलों में चिकित्सीय स्तर पर ही त्वरित निर्णय लिए जाने चाहिए, ताकि पीड़िताओं को मानसिक और शारीरिक राहत के लिए अदालतों के चक्कर न काटने पड़ें। यह मामला मंडला जिले की एक 17 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता से जुड़ा है, जो 10 सप्ताह की गर्भवती थी। मेडिकल बोर्ड ने अपनी रिपोर्ट में गर्भसमापन को सुरक्षित और संभव बताया था, लेकिन पीड़िता की कम उम्र और स्वास्थ्य जोखिम को देखते हुए इसे विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख में कराने की सिफारिश की थी।

महाराष्ट्र की राजनीति में फिर हलचल बढ़ी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज है। अटकलें हैं कि शरद पवार की एनसीपी (शरद पवार) नया राजनीतिक रास्ता तलाश रही है। चर्चा है कि कांग्रेस में विलय की संभावना कमजोर पड़ने के बाद पार्टी अब सत्ता पक्ष(एनडीए) के साथ जाने के विकल्प पर मंथन कर रही है। हालांकि पार्टी दावों को सिरे से खारिज कर रही है। भाजपा भी नकार रही है।

सपा ने दुबे को मानहानि का नोटिस भेजा

लखनऊ। सपा ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे को मानहानि का कानूनी नोटिस भेजा है। यह कार्रवाई अयोध्या के कथित चढ़ावा गड़बड़ी मामले के आरोपी टिन्नू यादव को लेकर सोशल मीडिया पर किए गए दावों और पोस्ट के बाद की गई है। इअध्यक्ष अखिलेश यादव ने दुबे को पोस्ट हटाने के लिए चेतावनी दी थी। एक्स पर लिखा था सांसदों को समान अधिकार प्राप्त हैं।

इस्कॉन की रथ यात्रा रोकने सरकार को पत्र

नई दिल्ली। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष और गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। उन्होंने उनसे आग्रह किया कि इस्कॉन की ओर से दुनियाभर में भगवान जगन्नाथ की समय से पहले निकाली जा रही 'स्नान यात्रा' और 'रथ यात्रा' को रोकने के लिए हस्तक्षेप करें। नियमों का पालन नहीं हो रहा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायगढ़ (छ.ग.)

क्रमांक 1604 / न.पा.नि. / 2026 रायगढ़ दिनाँक 07/07/26

।। ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा आमंत्रण सूचना ।।

नगर पालिक निगम, रायगढ़ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	सि.नि. क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत राशि रू. (लाख में)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि
1	194901	LAYING OF 200 MM DIA DI PIPELINE NEAR SECL ROAD MARINE DRIVE KAYAGHAT AT W.N. 28, 29 (3rd Call)	10.33	20.07.2026
2	194938	CONSTRUCTION OF TOILET BLOCK TYPE-1 (10-Seater) ASPIRATIONAL TOILET AT OLD SARANGARH BUS STAND AS PER ENCLOSED SPECIFICATION AND DRAWINGS INCLUDING DEFECT LIABILITY PERIOD OF 36 MONTHS FROM THE DATE OF COMPLETION. (BALANCE WORK) (2nd Call)	14.48	23.07.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेन्ट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, न.पा.नि., रायगढ़

CGHB छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,
विद्युत संभाग- रायपुर, सेक्टर-19, पर्यावास भवन नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञापन क्र. 395

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, विद्युत संभाग-रायपुर अंतर्गत निगम मुख्यालय आबकारी भवन रायपुर के मरम्मत कार्य/विद्युत वायरिंग, फिटिंग एवं संधारण कार्य हेतु निविदा एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदार से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना http://eproc.cgstate.gov.in तथा मण्डल वेबसाईट http://cghb.gov.in में उपलब्ध है। अन्य जानकारी हेतु कार्यपालन अभियंता (वि.), छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, विद्युत संभाग-रायपुर के मो.न. 94255-52266 पर संपर्क कर सकते हैं

S-48376/1 कार्यपालन अभियंता (वि.)

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (Second Call)

NIT NO: 07/AM/RMC/2026 RAIPUR DATED: 06.07.2026

Online bids are invited for the following works of works up to **22.07.2026** at 17:30 hours.

Sr. No	System Tender No.	Name of work	Probable Amount of Contract	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor/ firm	Time allowed for Completion
1	194932	RFP for Selection of Consulting firms for preparation of DPR's and to function as PMC for infrastructure component of Urban Flood Risk Management Project for Raipur Municipal Corporation (RMC), Chhattisgarh	184 Cr	3000/-	1,84,000	Open to all Subject to qualifying criteria	As Per RFP

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in in from **07.07.2026, 17:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal., 2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

3. For More Details please download NIT details.
4. Mobile number - SE - 7011421397, EE- 9098120004, S/E- 8878161768

Dream City, Clean City, Green City

SUPERINTENDING ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

झारखण्ड सरकार
वित्त विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

वित्त विभाग द्वारा राज्य सरकार का सम्पूर्ण वित्तीय प्रबंधन एवं विभिन्न विभागों को वित्तीय बिन्दुओं पर परामर्श दिया जाता है। राज्य के वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मुख्यतः निम्न कार्य वित्त विभाग के द्वारा किये जाते है :-

- राज्य सरकार के कर्मियों के पेंशन / भविष्य निधि संबंधी कार्य।
- वेतन संबंधी मामलों पर नीतिगत निर्णय एवं सभी विभागों को परामर्श।
- राज्य के आय-व्यय एवं बजट निर्माण ।
- लेखा एवं अंकेक्षण का कार्य।
- कोषागार के माध्यम से वित्तीय अनुश्रवण।
- विभिन्न वित्तीय संस्थानों से ऋण संबधी कार्य।
- RBI एवं अन्य बैंको तथा महालेखाकार कार्यालय से समन्वय स्थापित करना।
- DBT/SNB से संबधी कार्य।
- विभिन्न विभागों से प्राप्त MoU/MoA की Vetting का कार्य।
- विभिन्न विभागों से प्राप्त वित्त सन्निहित प्रस्तावों पर परामर्श / सहमति ।

2. वित्त विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्यों को बेहतर तरीके से सम्पादित करने के निमित्त संविदा के आधार पर विशेष कार्य पदाधिकारी (विशेष सचिव के समकक्ष) के पद पर नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। उक्त पद पर अर्हताधारी इच्छुक आवेदक, जैप आई०टी० के Online Recruitment Portal (http://recruitment.jharkhand. gov.in) पर Online आवेदन करेंगे। साथ ही पद के अनुरूप मांगे गए सभी Documents को भी आवेदन के साथ Scan कर उपर्युक्त वर्णित Online Recruitment Portal पर समर्पित करेंगे। अन्य माध्यमों से आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

2. संविदा आधारित नियुक्ति हेतु पद की विवरणी :-

क्रम सं0	विभाग / कार्यालय	पद का नाम	आरक्षण कोटि	पदों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	वित्त विभाग, झारखण्ड, रांची	विशेष कार्य पदाधिकारी	अनुसूचित जनजाति (ST)	01
			कुल	01

3. उपर्युक्त पद पर संविदा के आधार पर नियुक्ति से संबंधित विस्तृत सूचना वित्त विभाग के website (www.Jharkhand.gov.in के अन्तर्गत Department of Finance) तथा JAPIT के recruitment portal (http://recruitment.jharkhand.gov.in) पर उपलब्ध है।
4. आवेदन शुल्क के रूप में रु0 100/- मात्र देय होगा, जिसका भुगतान JAPIT के recruitment portal पर उपलब्ध Payment gateway के माध्यम से online किया जायेगा।

आवेदन समर्पित करने की **अंतिम तिथि 31.07..2026** है।

ह0/-
(सुधीर कुमार)
सरकार के अवर सचिव,
वित्त विभाग, झारखण्ड, राँची

PR 384202 Finance(26-27).D

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग, कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

(प्रथम आमंत्रण निरस्तीकरण)

सिस्टम निविदा क्र. 190525 / निविदा सूचना क्र. 10/व.ले.लि./ 2026-27 दि. 13.05.2026

कार्य का नाम - **सुकमा जिले में सुकमा नगर पंचायत के वॉर्ड क्रमांक 05 में रिर्टनिंग वाल निर्माण कार्य आर. डी. 0 मी. से आर.डी. 400 मी.**

अनुमानित लागत - **रू. 259.24 लाख (जी.एस.टी. छोड़कर)**

उल्लेखित कार्य का निविदा आमंत्रण दिनांक 13.05.2026 को **G-262700696** के माध्यम से समाचार पत्रों में प्रकाशित किया गया है। अतः उक्त निविदा को निरस्त किया जाता है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, सुकमा
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, छ.ग.

G-262701950/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग बेमेतरा
शीतला मंदिर के पास सिंघौरी, जिला बेमेतरा (छ.ग.)
E-mail Id- eeres.bemetara@gmail.com

क्र. 1543/ का. अभि / वलेलि / ग्रा.या. सेवा / 2026-27
बेमेतरा, दिनांक 06.07.2026

:: संक्षिप्त ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 5 ::

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न दर्शित सिविल कार्य हेतु मुख्य अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विकास आयुक्त कार्यालय रायपुर द्वारा निर्माण एवं संधारण कार्य हेतु दर अनुसूची जो **दिनांक 01.11.2021** में प्रचलित एवं अद्यतन संशोधित दरों पर **शासकीय महाविद्यालय अंतर्गत मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य ग्राम कुरा, वि.ख. नवागढ़** अनुमानित लागत **67.77 लाख रूपये** का ई- निविदा आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त निविदा की समस्त शर्ते व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है तथा विभागीय वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 07.07.2028 से देखी / डाउनलोड की जा सकती है एवं ऑनलाइन निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि 21.07.2026 तथा निविदा दिनांक 27.07.2026 को अपरान्ह 12:00 बजे खोली जावेगी ।

(महाजन बांधडे)
कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग-बेमेतरा
जिला - बेमेतरा (छ. ग.)

G-262701940/6

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग
धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार धमतरी का ई-ऑक्शन का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत धमतरी काष्ठागार में संग्रहित इमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का ई-ऑक्शन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे ई-ऑक्शन में भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार धमतरी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक:- 13 जुलाई 2026
नीलाम समय:- प्रातः 9.00 बजे से

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रीत वनोपज		योग वनोपज	
	(लट्ठा घ.मी.)	(बल्ली/ खूंटा नग में)	(लट्ठा घ.मी.)	(बल्ली/ खूंटा नग में)	(लट्ठा घ.मी.)	(बल्ली/ खूंटा नग में)
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	2.218	9	153.932	7683	156.150	7692
साल	8.967	4	189.326	-	198.293	4
बीजा	3.561	-	102.228	-	105.789	-
शीशम	0.207	13	1.247	-	1.454	13
तिन्सा	-	-	2.802	-	2.802	-
खम्हार	0.503	-	-	-	0.503	-
हल्दू/मुण्डी	-	-	26.908	-	26.908	-
साजा	8.040	35	55.658	92	63.698	127
धावड़ा	-	-	21.470	-	21.470	-
पापड़ा	0.253	-	2.188	-	2.441	-
नीलगिरी	7.723	2	-	-	7.723	2
अन्य	161.699	325	214.149	94	375.848	419
योग-	193.171	388	769.908	7869	963.079	8257

जलाऊ	
प्रजाति	काष्ठागार धमतरी
	नया
अन्य	69 चट्टा
योग-	69 चट्टा

टीपः- (1) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य हैं। (2) क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लॉटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है। (3) लॉट की थप्पी सूची एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स पोर्टल में अपने आईडी से लॉगइन करके देख सकते है। (4) ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकंड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।

फ़ोन — 07722-238371,
फैक्स — 07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

G-262701932/8

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19,
Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur- 492002, Chhattisgarh.
Tel No: + 91 771 2512000, Email: ceo.nranvp@cg.gov.in
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:

NIT No.: 27/SRCS/EEC-III/CE/NRANVP/2026-27, Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated: 07.07.2026

Name of Work: "Strengthening and Renewal Work of City & Sector Level Roads at Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (C.G.)" (1st) Call)

Estimated cost: INR **73.89** Crs., EMD: INR **74.00** Lakhs, Period of Completion: **15** Months

Last Time & Date of Online Submission:- **15:00hrs** on **28.07.2026**

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Chief Engineer,
NRANVP

S-48370/2

State Urban Development Agency, Chhattisgarh
4th Floor, D Block, Indrawati Bhavan (HOD Building),
Nava Raipur Atal Nagar, Chhattisgarh, 492002
Phone 0771-2222401 Fax 0771/2222409 Email: osd.suda@yahoo.com

RFP Notice

Nava Raipur Atal Nagar, Dated 03/07/2026

RFP NO.: PROJ-204/201/2026-SUDA (T M P F) SECTION / 407826-1

The State Urban Development Agency (SUDA), Chhattisgarh hereby invites proposals in conformity with the RFP document from registered and authorized agencies having experience and expertise in the similar field of work as per the criteria mentioned in the RFP document as below:

System Tender No.	Name of the Work	EMD	RFP Document Fee	Last date to download the RFP
194731	Request for Proposal (RFP) for Development, Operation and Maintenance of Regional Sanitary Landfill Facilities for Bilaspur Division of Chhattisgarh on DBOT mode, Package I	INR 5,00,000/-	INR 10,000/-	24.07.2026

The details regarding conditions stipulated in the RFP, EMD, Key dates for submission, detailed RFP, RFP document and all the information related to the RFP can be viewed and downloaded from e-procurement portal https://eproc.cgstate.gov.in or departmental website https://uad.cg.gov.in.

SD/-
Chief Executive Officer
State Urban Development Agency,
Nava Raipur Atal Nagar

S-48368/1

कार्यालय अधीक्षण अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर मण्डल क्रमांक 2 (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना दिनांक 06.07.2026
(द्वितीय आमंत्रण)

निम्नांकित कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा "डी" एवं अधिक श्रेणी के ठेकेदारों के लिये आमंत्रित की जाती है। निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि दिनांक 20.07.2026 तक है।

एन.आई.टी क्र / निविदा क्रं.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3
NIT NO. 147 Tender No. 194907	भाटापारा अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न मार्गो का डब्ल्यू. एम. एम. पेच (ईमल्शन सहित) रिपेयर कार्य ।	रू. 17.00 लाख
NIT NO. 148 Tender No. 194908	कसडोल अनुविभाग अंतर्गत विभिन्न 04 मार्ग लंबाई 114.60 कि. मी. का डब्ल्यू. एम. एम. पेच रिपेयर कार्य ।	रू. 15.99 लाख
NIT NO. 149 Tender No. 194909	जिला महासमुंद के उपसंभाग पिथौरा अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का लघुमूल गौण कार्य।	रू.15.00 लाख
NIT NO. 150 Tender No. 194910	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का लघुमूल गौण कार्य ।	रू. 20.00 लाख
NIT NO. 151 Tender No. 194911	जिला महासमुंद के उपसंभाग क्र.1 महासमुंद अंतर्गत ग्राम सोरिद में शासकीय हाईस्कूल भवन का निर्माण कार्य ।	रू. 67.44 लाख
NIT NO. 152 Tender No. 194912	जिला गरियाबंद के उपसंभाग क्र. 2 देवभोग अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम. पेच (ईमल्शन सहित) मरम्मत कार्य ।	रू.15.00 लाख
NIT NO. 153 Tender No. 194913	जिला गरियाबंद के उपसंभाग क्र. 1 अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम. पेच (इमल्शन सहित) मरम्मत कार्य ।	रू.15.00 लाख
NIT NO. 154 Tender No. 194914	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, ग्रामीण मार्गो में ईमल्शन सहित डब्ल्यू.एम. एम. पेच मरम्मत कार्य ।	रू.15.00 लाख
NIT NO. 155 Tender No. 194915	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत शासकीय आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का विशेष मरम्मत कार्य ।	रू. 40.00 लाख
NIT NO. 156 Tender No. 194916	जिला महासमुंद के उपसंभाग सरायपाली अंतर्गत राज्य मार्ग, मुख्य जिला मार्ग, ग्रामीण मार्गों एवं पुल-पुलियों का विशेष मरम्मत कार्य ।	रू.50.00 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in अथवा विभागीय वेबसाइट https://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है। (राशि रू. 100.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम्प पर निर्धारित प्रपत्र में शपथ पत्र एवं न्यूनतम राशि रू. 10.00 के नान ज्यूडिशियल स्टाम पर एनेक्जर-3 का शपथ पत्र बिड केपेसीटी उपलब्धता बाबत जानकारी एवं अन्य जानकारी एनआईटी के 2.10 में संलग्न संशोधित प्रपत्रानुसार प्रस्तुत करें।)

निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेग, एवं निविदाकारो द्वारा प्रेषित मूल अभिलेख का लिफाफा में निविदाकारो का मोबाईल न. एवं इमेल आई.डी. का उल्लेख अनिवार्य रूप से करें।

Credible Chhattisgarh विश्वसनीय छत्तीसगढ़ आपकी थी चाह, हमने बनाई राह

अधीक्षण अभियंता,
लो.नि.वि. रायपुर मण्डल क्र. 2 (छ.ग.)

G-262701944/7

खबर संक्षेप

बजाड़ी से दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू

मैनपुर। वन परिक्षेत्र इंदागांव (देवभोग) के वन अमले ने रात्रि गश्त के दौरान ग्राम बजाड़ी में एक दुर्लभ वन्यजीव पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार 06 जुलाई 2026 की रात ग्राम बजाड़ी के जनपद सदस्य सुभाष यादव ने गांव में पैंगोलिन दिखाई देने की सूचना वन विभाग को दी। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी अश्वनी दास मुरचूलिया के नेतृत्व में वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम ने सावधानीपूर्वक पैंगोलिन का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे संरक्षण में ले लिया इस रेस्क्यू अभियान में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी दिनेश चन्द्र पात्र, वन रक्षक लम्बोदर सोरी, पुरुषोत्तम धुर्वा, कौशल ध्रुव, सुरक्षा श्रमिक लुद्रास नागेश तथा वाहन चालक महेन्द्र सिंह चन्द्राकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

एनीकट से एक किमी दूर मिला युवक का शव

महासमुंद। मछली पकड़ने निकले 21 वर्षीय युवक की लाश मंगलवार को गोपालपुर एनीकट से 1 किमी दूर नाले की बहाव की ओर बरामद कर लिया गया है। सोमवार को युवक घर से निकलकर हाईवे 53 स्थित बालिका छात्रावास के पीछे मछली पकड़ रहा था, तेज बहाव में युवक बह गया था जिसे दूसरे दिन आज मंगलवार सुबह नगर सेना की रेस्क्यू टीम ने जलस्तर कम होने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाकर युवक का शव घटनास्थल से करीब एक किलोमीटर दूर बरामद किया। गोपालपुरा निवासी रामेश्वर निषाद पिता दसरू निषाद (21) सोमवार दोपहर लगभग दो बजे घर से मछली पकड़ने के लिए निकला था।

उफनते नाले में गिरी बिजली विभाग की गाड़ी, तीन ने तैरकर बचाई जान, एक लापता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बलौदाबाजार

विद्युत विभाग का काम करने जा रहे ठेकेदार के कर्मचारियों की पिकअप गाड़ी उफनते खोरसी नाले में गिर गई। हादसे में तीन कर्मचारियों ने तैरकर अपनी जान बचा ली, जबकि एक कर्मचारी लापता हो गया। उसकी तलाश के लिए एसडीआरएफ, पुलिस और ग्रामीणों की टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। जानकारी के अनुसार, बलौदा बाजार विद्युत मंडल में देर रात ग्राम पंचायत अचानकपुर में विद्युत अवरोध की सूचना मिलने पर ठेकेदार के चार कर्मचारी पिकअप से मौके पर जा रहे थे। रास्ते में खोरसी नाले पर बने एनीकट को पार करते समय तेज बहाव के कारण वाहन अनियंत्रित होकर नाले में गिर गया। वाहन में सवार तीन कर्मचारी किसी तरह तैरकर बाहर निकल आए, लेकिन कार्तिक धुव तेज बहाव में लापता हो गया। विद्युत विभाग के डीई आदित्य ठाकुर ने बताया कि रात करीब दो बजे अचानकपुर से बिजली बाधित होने की सूचना मिली थी। विद्युत व्यवस्था सुधारने के लिए ठेकेदार के चार कर्मचारी भेजे गए थे। रास्ते में एनीकट पर वाहन पलट गया।

आधी रात अचानकपुर में बिजली ठीक करने जा रहे थे कर्मचारी

पूर्व विधायक प्रमोद भी खोजबीन में जुटे रहे

पूर्व विधायक प्रमोद शर्मा स्वयं ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंचे और लापता कर्मचारी कार्तिक ध्रुव की तलाश में जुटे रहे। उन्होंने ग्रामीणों का हौसला बढ़ाते हुए एसडीआरएफ टीम के साथ पिकअप वाहन को बाहर निकालने में भी सहयोग किया। साथ ही एसडीएम के साथ मोटरबोट से नाले में तलाश अभियान चलाया।

लापता युवक की सूचना देने गांवों में करायी गई मुनादी

एसपी ओ.पी. शर्मा के निर्देश पर कोतवाली पुलिस की टीम भी लापता कर्मचारी कार्तिक ध्रुव की तलाश में जुटी हुई है। नाले के किनारे बसे गांवों में मुनादी कराकर ग्रामीणों से किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करने की अपील की गई है।

मामला शिक्षा मंत्री तक पहुंचा, कई अव्यवस्थाएं अब भी बरकरार

लापरवाही के आरोप में पोटा केबिन अधीक्षक को हटाया गया, नाम सुधारने की कवायद शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

पोटा केबिन में पदस्थ अधीक्षक की गैर जिम्मेदराना हरकत से जुड़ी खबर प्रकाशन के बाद जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। पोटा केबिन बुड़दी के अधीक्षक को हटाते हुए पटल पर अंकित शिक्षा मंत्री सहित अन्य अधिकारियों के नाम सुधारने की कवायद शुरू हो गई है।

खबर का असर

पोटा केबिन बुड़दी की अव्यवस्थाओं और जिम्मेदारों की लापरवाही को लेकर हरिभूमि में प्रकाशित खबर का असर दिखाई देने लगा है। खबर प्रकाशित होने के बाद विभाग ने अधीक्षक को हटा दिया है। मामला शिक्षा मंत्री तक पहुंचने के बाद विभागीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है। पोटा केबिन की कई मूलभूत समस्याएं अब भी जस की तस हैं। परिसर में सुरक्षा के लिए बाउंड्री वॉल का अभाव है। वहीं रात्रि में अधीक्षक के नहीं रहने की शिकायतें भी लगातार सामने आ रही हैं जिससे विद्यार्थियों की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

आज भी प्रेमसिंह टेकाम शिक्षा मंत्री, अभिनेत्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सुकमा

दीवार पर वरिष्ठ अधिकारियों के नाम में गंभीर त्रुटियां, निरीक्षण व्यवस्था पर उठे सवाल

दंतेवाड़ा व नारायणपुर कलेक्टर के नाम

कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति हो सुनिश्चित

हरिभूमि द्वारा लगातार उठाए जा रहे मुद्दों के बाद विभाग ने पहली कार्रवाई करते हुए अधीक्षक को हटाया और सूचना पटल में सुधार कराया है। अब सवाल यह है कि क्या पोटा केबिन से दूर रहकर कार्य कर रहे अनुदेशकों पर भी कार्रवाई होगी और क्या वर्षों से लंबित बुनियादी सुविधाएं भी समय पर उपलब्ध कराई जाएंगी। स्थानीय लोगों और पालकों की नजर अब शिक्षा विभाग की अगली कार्रवाई पर टिकी है। उनका कहना है कि केवल जिम्मेदार बदलने से व्यवस्था नहीं सुधरेगी, बल्कि सभी कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने से ही पोटा केबिन की वास्तविक तस्वीर बदलेगी।

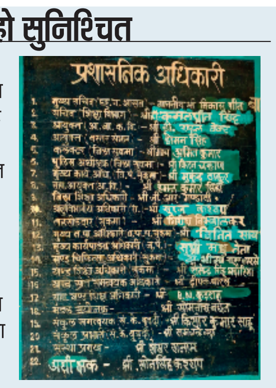

एक पलंग में दो बच्चे

350 छात्रों के लिए संचालित पोटा केबिन में आदिवासी बच्चों के सोने के लिए पर्याप्त पलंग व चादर की व्यवस्था नही है। संस्था के एक छात्र ने बताया कि रात्री में एक ही पलंग में दो लोगों को एक साथ सोना पड़ता है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में ओढ़ने के लिए चादर व बैड़सीट भी नही है।

पानी लाने 200 मीटर दूर जाते हैं बच्चे

पोटा केबिन में पीने के पानी के लिए भी संस्था से दूर 200 मीटर जाना पड़ता है। वही पोटा केबिन में वैसे टॉयलेट व नहाने के उपयोग के लिए वाटर टैंक के लिए वर्षो पूर्व टॉवर तो बना दिया गया था लेकिन पानी की टंकी चढ़ाना विभाग भुल गया और नतीजन बच्चों को नित्यक्रम हेतु बाहर से पानी लाना पड़ता है।

वेतन बुड़दी का, कार्य सुकमा में

गंभीर मामला यहां पदस्थ पांच अनुदेशकों का है। जानकारी के अनुसार इनकी पदस्थापना पोटा केबिन बुड़दी में है, लेकिन वे नियमित रूप से बुड़दी में रहने के बजाय संस्था से करीब 25 किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय सुकमा में कार्य कर रहे हैं। ऐसे में पोटा केबिन के विद्यार्थियों को जिस शैक्षणिक सहयोग के लिए इनकी नियुक्ति की गई थी, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है।

दोपहर बाद स्कूल बंद, कैसे पढ़ेगा, कैसे बढ़ेगा इंडिया?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बोड़ला

सरकारें भले ही पढ़ेगा इंडिया, तो बढ़ेगा इंडिया का नारा बुलंद करते न थकती हों, लेकिन कबीरधाम जिले के वनांचल और अंतिम छोर के गांवों में यह नारा दोपहर होते-होते दम तोड़ देता है। विकासखंड बोड़ला के सुदूर ग्राम धनवाही और सुखझर के प्राथमिक विद्यालयों में मंगलवार को जो नजारा दिखा, उसने शिक्षा विभाग के दावों की पोल खोलकर रख दी। यहां दोपहर के अभी ठीक से 2.00 भी नहीं बजे थे कि स्कूलों के मुख्य द्वारों पर बड़े-बड़े ताले लटकते पाए गए। बच्चे पढ़ाई करने की उम्र में स्कूल के बाहर खड़े होकर सिस्टम की बेरुखी का तमाशा देखते नजर आए। जब इस समय पूर्व तालाबंदी का राज जानने की कोशिश की गई, तो जो जवाब मिला वह शिक्षा विभाग की लचर और संवेदनहीन नीतियों पर सबसे बड़ा तंज है। ग्राम धनवाही प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक से जब पूछा गया कि देश के भविष्य को दोपहर 2 बजे ही क्यों घर भेज दिया गया? तो उन्होंने लाचारी भरा अजीबोगरीब तर्क दिया। प्रधानपाठक ने कहा मैं स्कूल में अकेला शिक्षक हूँ। दलदली में संकुल स्तरीय बैठक थी, वहां जाना भी जरूरी था। अब बताइए, मैं स्कूल संभालु या बैठक । इस पूरे मामले में सबसे दिलचस्प और हैरान करने वाला मोड़ तब आया, जब विकासखंड शिक्षा अधिकारी भानु प्रताप चंद्राकर से इस विषय पर चर्चा की गई। बीईओ श्री चंद्राकर ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, हमारे तरफ से साफ तौर पर निर्देशित किया गया है कि किसी भी शिक्षक को स्कूल बंद करके किसी भी बैठक में नहीं जाना है।

ग्रामीणों में भारी आक्रोश, वैकल्पिक व्यवस्था की मांग

स्कूलों में समय से पहले ताला लटके देख स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का गुस्सा फूट पड़ा। ग्रामीणों ने कड़े शब्दों में शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि अधिकारियों को बैठकें ही लेनी हैं, तो वे इसके लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं करते? ग्रामीणों ने जिला शिक्षा अधिकारी से मामले की सुध लेने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि बीईओ भानु प्रताप चंद्राकर की इस जानकारी और जांच के बाद व्यवस्था में कोई सुधार होता है, या उच्च अधिकारियों के आदेश इसी तरह फीके पड़ते रहेंगे और वनांचल के इन मासूमों का भविष्य साहबों की बैठकों की भेंट चढ़ता रहेगा।

तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से देवर-भाभी की मौके पर मौत

जगदलपुर। सुकमा जिले के जगरगुण्डा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार एजेक्स कंक्रीट मशीन की भीषण टक्कर से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और उनके देवर की मौके पर ही मौत हो गई।

- आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए गर्म भोजन लेकर जा रहे थे तभी कोंडासावली के करीब हुआ हादसा

जानकारी के मुताबिक सुकमा जिले के जगरगुंडा थाना क्षेत्र स्थित ग्राम पंचायत कोंडासांवली के कमरगुड़ा पारा के करीब सोमवार दोपहर 12 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसे में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला मांडवी और उनके देवर बुधरा मांडवी की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उर्मिला मांडवी और देवर बुधरा मांडवी आंगनबाड़ी केंद्र के लिए गर्म भोजन लेने जगरगुंडा जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार एजेक्स कंक्रीट मशीन ने उनकी दोपहिया वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी आक्रोश है वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि एजेक्स चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि हादसे के बाद चालक ने मृतकों की तस्वीर ली और सीधे जगरगुंडा थाने पहुंचकर आत्मसमर्पण कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। मामले में वाहन जब्त कर पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

बाइक से गिरकर महिला की मौत

धमतरी। अपने बेटे की बाइक में पीछे बैठकर शादी कार्यक्रम में जा रही महिला अचानक नीचे गिर गई। इस घटना में महिला की मौत हो गई। अस्पताल पुलिस चौकी के अनुसार पुरूर थाना क्षेत्र के ग्राम मुजालगोंदी निवासी रानी कुम्हार पति राजू उम्र 43 वर्ष घरेलू काम करती थी। सोमवार को महिला अपने बेटे ओमप्रकाश कुम्हार के साथ बाइक में पीछे बैठकर शादी कार्यक्रम में शामिल होने रिश्तेदार के घर अभनपुर जा रही थी। बाइक पुत्र ओमप्रकाश चला रहा था। धमतरी पार कर बाइक नेशनल हाईवे से होते हुए ग्राम संबलपुर से गुजर रही थी। इसी दौरान पीछे बैठी महिला चलती बाइक से अचानक सड़क पर गिर गई। घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई । उपचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। महिला की गंभीर हालत को देख डॉक्टर ने उसे रायपुर रिफर कर दिया। घायल महिला को एम्बुलेंस के माध्यम से रायपुर ले जा रहे थे। इसी दौरान अभनपुर के पास घायल की स्थिति ठीक नहीं लगने पर वहां के एक निजी अस्पताल में ले गए जहां डॉक्टर ने चेकअप कर महिला को मृत होना बताया।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking : Raipur- 6263818152 79871-19756

Appointment आवश्यकता

ऑफिस/फील्ड स्टाफ

आवश्यकता है- रायपुर मोवा दुबे कॉलोनी रोड मौर्य भारत गैस एजेंसी में ऑफिस स्टाफ , फील्ड स्टाफ और डिलीवरी बॉय की जरुरत है। वेतन योग्यता अनुसार। संपर्क करेः-8370002700 , 9827152610.(RO-823)

टीचर

Requirement- science-chemistry and biology& commerce teacher contact Vardhman The School Nahar Road Krishna Nagar Santoshi Nagar Raipur. 9109329528. (RO-13)

मैनेजर/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- हार्मनी वेलनेस को अपने नए ब्रांच के लिए रिसेप्शनिस्ट, मैनेजर, एवं बैक ऑफिस टेलीकॉलर की आवश्यकता है, वेतन. 8000 से 15000 तक, संपर्क - हार्मनी वेलनेस स्पा एंड सैलून, साईं मंदिर के पास, महावीर नगर रायपुर छत्तीसगढ़ मो.91113-36222, 62625-57788.(RO-4753)

आवश्यकता

आवश्यकता है- दो शिफ्ट में नाश्ता सेंटर सँभालने हेतु संपर्क करें कालिबाड़ी चौक ! एवं पार्ट फुल टाइम कार्य करने हेतु संपर्क करें! 9009674222 / 7000596044.(RO-279)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एसेसरीज की दुकान मे काम करने के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क करे , भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, रायपुर मोब. 8818933330, 8871997200. (RO-042)

आवश्यकता है- ऑटो एसेसरीज होलसेल शॉप में कार्य हेतु लड़कियों की आवश्यकता है शुरुआती वेतन 8000/- महीना संपर्क श्रीराम ऑटो एसेसरीज एम.जी. रोड रायपुर मोबाइल 9300627327.(RO-881)

आवश्यकता है- किताब दुकान में कार्य हेतु परमानेंट पार्ट/ फूल टाइम युवक युवतियों, लड़कों (8वीं, 12वीं, स्नातक) की आवश्यकता है। वेतन पांच अंको में योग्यतानुसार। जैन बुक डिपो, सदर बाजार, रायपुर। 8109535868.(RO-395)

घरेलु नौकर

आवश्यकता है- रायपुर (सिविल लाइन्स) स्थित एक प्रतिष्ठित परिवार के लिए 12 घंटे एवं 24 घंटे कार्य हेतु अनुभवी, ईमानदार और जिम्मेदार घरेलू नौकर की तत्काल आवश्यकता है। अनुभवः कम से कम 5 वर्ष शिक्षा न्यूनतम 10वीं पास वेतन 20,000/- प्रतिमाह सुविधाएं रहने की व्यवस्था स्थानः सिविल लाइन्स, रायपुर संपर्कः- 9109972720, 9109125252.(RO-044)

आवश्यकता है- सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बूढ़ापारा में घरेलू कार्य हेतु काम वाली बाई की आवश्यकता है संपर्क करें- 7000949168.(RO-398)

होटलकर्मी

आवश्यकता है- जयस्तंभ चौक स्थित रेस्टोरेंट में कार्य करने हेतु किचन हेल्पर, वेटर (मेल/फीमेल), कैप्टन, किचन सुपरवाइजर, स्टोर कीपर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन. दोपहर 12 से शाम 5 के मध्य संपर्क करें:- गिरनार रेस्टोरेंट, जयस्तंभ चौक, रायपुर मोबाइल- 7089034776.(RO-16575)

आवश्यकता है- होटल कार्य (महिला/ पुरुष) पोस्ट - कुक/ शेफ, किचन स्टाफ, सुपरवाइजर, मैनेजर , रिसेप्शनिस्ट, सफाई कर्मचारी, वेटर, कप्तान जानकार को प्राथमिकता। संपर्क -होटल अपना केशरी ,होटल शिव-प्रभा , पावर हाऊस भिलाई, मो.-98932-15251, 89669-81590 (आरो नं.-311)

अकाउंटेंट/डिजाइनर

आवश्यकता है- वेडिंग प्लानर कंपनी को अकाउंटेंट (अनुभवी या फ्रेशर दोनों), ग्राफिक डिजाइनर/पीपीटी एक्सपर्ट, टेलीकॉलर, साइट मैनेजर और सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है। कॉल करें: 8480670000, 7828073173.(RO-0134)

ड्रायवर

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955. (RO-63586)

आवश्यकता है- घरेलु गाड़ी व एम्बुलेंस चलाने 2 ड्राइवर की आवश्यकता है, रहने की सुविधा संपर्कः बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 07712425009.(RO-907)

ऑफिस बॉय/चपरासी

आवश्यकता है- जेल रोड रायपुर में ऑफिस कार्यों के लिए ऑफिस बॉय चपरासी की आवश्यकता है बीड़ी सिगरेट व शराब गुटका आदि का सेवन न करने वाले ही संपर्क करें 8839812454.(RO-104)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- पूनम स्वीट्स, प्रतिष्ठित मिठाई दुकान में सेल्समैन, सेल्सगर्ल, मिठाई कारीगर एवं भेल, सैंडविच, शेक कारीगर की आवश्यकता है. आकर्षक वेतन कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं. रहने की सुविधा उपलब्ध। संपर्कः पूनम स्वीट्स, जयस्तंभ चौक, रायपुर. मोबाइलः 9893397633.(RO-16576)

मैनेजर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- (1) ट्रान्सपोर्ट मैनेजर (जो सभी गाड़ियों का पूर्ण मैनेजमेंट करे) (2) मेन्टेन्स सुपरवाइजर (जो ट्रकों के पूर्ण रखरखाव का अनुभवी हो) (3) ट्रक ड्राइवर (जो ट्रेलर 14 चक्का गाड़ियां चलाने का कम से कम 5वर्ष का अनुभव हो) सम्पर्क करें- विशाल मोटर्स 7000470116, 7974174906.(RO-41360)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सेंट जेवियर स्कूल (अवंती विहार, रायपुर) में सिक्योरिटी गार्ड की आवश्यकता है. 12- घंटे ड्यूटी, वेतन योग्यतानुसार। संपर्क- मोबाइलः 7828090392, 8319204585.(RO-16577)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी 12वीं पास छात्रों के लिए जो कानपुर में रह कर काम कर सके वेतन 12000 + कमीशन +बोनस +प्रमोशन + रेल ट्रेनिंग के बाद कमाए 15 से 20 हजार महीना 8770508791, 8982834337. (RO-529)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी रुचि व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावे की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

बाबा बर्फानी समय से पहले हुए अंतर्ध्यान, 5 दिन में पूरी तरह पिघला हिम शिवलिंग

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के महज पांच दिन बाद ही बाबा बर्फानी का प्राकृतिक हिमलिंग पूरी तरह पिघल गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब तक एक लाख से ज्यादा श्रद्धालु गुफा में दर्शन कर चुके हैं। हिमलिंग के इतनी जल्दी पिघलने के बाद अमरनाथ श्राइन बोर्ड की व्यवस्थाओं और पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अमरनाथ यात्रा इस बार 3 जुलाई से शुरू हुई थी और 7 जुलाई को बाबा बर्फानी पूरी तरह से अंतर्ध्यान हो गए। हर वर्ष 57 दिन तक चलने वाली बाबा अमरनाथ यात्रा का 28 अगस्त रक्षाबंधन के दिन यानी सावन पूर्णिमा पर समापन होता है।

श्राइन बोर्ड ने कहा- पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि हिमलिंग का बनना और पिघलना पूरी तरह प्राकृतिक प्रक्रिया है। उन्होंने इसे मौसम और प्राकृतिक परिस्थितियों से जुड़ी सामान्य घटना बताया है। कश्मीर के पर्यावरणविदों का मानना है कि क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति देना इसका सबसे बड़ा कारण है।

भक्तों की गर्म सांसों से पिघल रहा है हिमलिंग!

पर्यावरणविदों का मानना है कि गुफा में क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने से हिमलिंग को नुकसान पहुंच रहा है क्योंकि लाखों भक्तों की गर्म सांसों को हिमलिंग सहन नहीं कर पा रहा है। हालांकि, इस दावे पर सभी विशेषज्ञों की एक जैसी राय नहीं है और हिमलिंग के जल्दी पिघलने के पीछे मौसम और जलवायु भी अहम कारण माने जाते हैं।

पहले भी जल्दी पिघल चुका है हिमलिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 मई को हिमलिंग की ऊंचाई करीब 7 फीट थी। 29 जून तक यह घटकर करीब 5 फीट रह गई और अब इसके पूरी तरह पिघलने की जानकारी सामने आई है। यह पहली बार नहीं है जब हिमलिंग यात्रा के दौरान जल्दी पिघला हो। वर्ष 2016 में यात्रा शुरू होने के करीब 10 दिन बाद ही हिमलिंग पिघल गया था। वहीं, 2013 में भी यात्रा समाप्त होने से पहले ही हिमलिंग अंतर्ध्यान हो गया था।

मौसम और तापमान का भी असर

विशेषज्ञों के अनुसार, अमरनाथ गुफा में बनने वाला प्राकृतिक हिम शिवलिंग हर साल तापमान, बर्फबारी और मौसम की स्थिति के अनुसार आकार लेता है। ऊंचाई वाले इलाकों में बढ़ता तापमान, कम बर्फबारी और जलवायु परिवर्तन जैसी स्थितियां इसके बनने और पिघलने की प्रक्रिया को प्रभावित करती हैं।

28 अगस्त तक चलेगी अमरनाथ यात्रा

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। हर साल लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए इस पवित्र गुफा तक पहुंचते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, अमरनाथ गुफा वही स्थान है जहां भगवान शिव ने माता पार्वती को अमरत्व का रहस्य सुनाया था। इसी वजह से यह हिंदू धर्म की सबसे पवित्र तीर्थयात्राओं में से एक मानी जाती है।

जैकेट के शेष

चौंकाने वाले खुलासे, 70 ....

पर छिपाकर बाहर ले जाते थे। कई मौकों पर दूसरे कर्मियों द्वारा उन्हें आड़ देकर सहयोग करने के भी सीसीटीवी साक्ष्य मिले हैं।

अधिकारियों की लापरवाही से बढ़ी हिम्मत : जांच में पाया गया कि अधिकारियों की घोर लापरवाही और मिलीभगत के कारण इन अनिवार्य सुरक्षा उपायों को पूरी तरह शिथिल कर दिया गया। कर्मियों को मोबाइल रखने की छूट थी, तलाशी नहीं ली जा रही थी और वे सामान्य कपड़ों में ही नोटों की गड्डियों के ठीक पास बैठ रहे थे। इसी सुरक्षा चूक का फायदा उठाकर आरोपियों ने इस दुस्साहस को अंजाम दिया।

ताऊ की सिफारिश पर हुई थी एंट्री : इस पूरे मामले में एक बड़ा प्रशासनिक और रसूख का खेल भी उजागर हुआ है। आरोपियों में शामिल मनीष कुमार यादव की नियुक्ति 'सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज' के माध्यम से बैंक कर्मी के रूप में कराई गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि मनीष की यह एंट्री उसके ताऊ रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू की रसूखदार सिफारिश पर हुई थी। हैरानी की बात यह है कि रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू के पास बिना किसी औपचारिक या लिखित प्राधिकार के मंदिर परिसर की दानपत्रों की चाबियां रहती थीं। यानी बिना किसी आधिकारिक जिम्मेदारी के वे चाबियों की अभिरक्षा संभाल रहे थे, जिससे अनधिकृत पहुंच का गंभीर जोखिम पैदा हुआ। उन्होंने ही अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर मनीष यादव को 15 अप्रैल 2026 को काउंटिंग ड्यूटी पर लगवाया, जिसने 11 मई से ही लगातार चोरी करना शुरू कर दिया था।

चेतावनियों को किया ...

इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया और बैकअप क्षमता को बेहद सीमित (मात्र 45 दिन) रखा। यही वजह है कि 27 अप्रैल 2026 से पूर्व की अवधियों में हुई चोरियों का सटीक आकलन सीसीटीवी के जरिए नहीं किया जा सका, हालांकि आरोपियों के बैंक खाते इशारा करते हैं कि गबन का यह खेल बहुत पहले से चल रहा था।

जांच और चार्जशीट ...

और चार्जशीट को निरस्त कर दिया है। बिलासपुर के सिरगिट्टी निवासी याचिकाकर्ता कैलाश यादव निजी चैनल में वीडियो जर्नलिस्ट का काम करता है। साल 2018 में पुलिसकर्मियों का आंदोलन चल रहा था। इस दौरान 20 जून 2018 को पुलिस अफसरों ने आंदोलनकारी पुलिसकर्मियों की पत्नी को महिला थाने में बैठा लिया था। उन्हें बिना वजह हिरासत में रखे जाने की खबर मिलने पर अपनी टीम के साथ पड़ताल करने के लिए देर रात महिला थाना पहुंचा था। आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस से इस मामले में जानकारी मांगी, तो पुलिसकर्मियों ने सहयोग करने के बजाय उनके साथ मिसबिहेव किया। बाद में पुलिस ने उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने (धारा 186, 353), मारपीट (धारा 323) और मिलीभगत (धारा 34) के तहत झूठा केस दर्ज कर दिया था।

बयानों में काफी ....

बाद फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि केस डायरी और चार्जशीट देखने से साफ है कि पूरा मामला सिर्फ पुलिसकर्मियों और उनके जुड़े हुए गवाहों के बयानों पर टिका है, मौके पर कोई भी स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था। बयानों में काफी विरोध है और याचिकाकर्ता के खिलाफ किसी भी अपराध का कोई सीधा सबूत नहीं मिला है। ऐसे में मामले को आगे बढ़ाना कानून का गलत इस्तेमाल माना जाएगा

गौरीशंकर केश शिल्पी ...

अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष पद पर रामलाल चौहान, उपाध्यक्ष वेदराम मनहरे और सौरभ सिंह जागृत , दुर्गा महेश्वर और दयावंत बांधे को सदस्य नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड में आनंद निषाद को अध्यक्ष और नेतराम निषाद को सदस्य नियुक्त किया गया है।

संस्कृत विद्या मंडल के अध्यक्ष राजेश राजपूत : छत्तीसगढ़ संस्कृत विद्या मंडल रायपुर में अध्यक्ष राजेश कुमार राजपूत, सदस्य सुमन मुथा बनाई गई हैं। शाकंम्बरी बोर्ड में राजेंद्र कुमार नायक को अध्यक्ष, बसंत पटेल, प्रेमलाल पटेल, संतोष पटेल, प्रेम पटेल को सदस्य नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग अध्यक्ष सुधीर गौतम, राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य मनमथ नाथ शर्मा, छत्तीसगढ़ फिल्म विकास निगम सदस्य प्रसन्ना अवस्थी, रायपुर विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष जेपी शर्मा, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल उपाध्यक्ष किशोर महानंद, गौ सेवा आयोग उपाध्यक्ष आनंद कुमार तिवारी, छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग उपाध्यक्ष मंगल दास ठाकुर को नियुक्त किया गया है।

देशभर में बंद ....

हुए हैं। हरियाणा, ओडिशा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में भी 1-1 कॉलेज बंद किया गया है। इस सूची में छत्तीसगढ़ से एक भी इंजीनियरिंग महाविद्यालय नहीं है। एआईसीटीई का कहना है कि कई कॉलेजों में काफी समय से छात्रों की संख्या लगातार कम हो रही थी। कई जगह योग्य शिक्षक नहीं थे और कुछ संस्थान जरूरी सुविधाओं व तय नियमों को भी पूरा नहीं कर पा रहे थे। बार-बार मौका देने के बाद भी सुधार नहीं हुआ, इसलिए इन कॉलेजों को बंद करने का फैसला लिया गया। एआईसीटीई ने स्पष्ट किया है कि पहले से पढ़ रहे छात्रों की पढ़ाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। ये कॉलेज सिर्फ नए छात्रों का एडमिशन नहीं लेंगे. पुराने छात्र अपनी पढ़ाई पूरी करेंगे और उन्हें तय समय पर डिग्री भी मिलेगी।

'मुख्यमंत्री को क्या करना चाहिए, ये भी कोर्ट तय करेगा... ?' डीएमके को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

- सीएम विजय के खिलाफ याचिका सुनवाई के बाद खारिज
- सीएम विजय के करूर भगदड़ पीड़ितों से मिलने पर सवाल उठाए गए
- कोर्ट ने कार्यपालिका के प्रमुख के दौरे पर पाबंदी से इनकार किया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के खिलाफ दायर याचिका पर अहम टिप्पणी करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कड़गम को कड़ी फटकार लगाई। इतना ही नहीं सर्वोच्च न्यायलय ने डीएमके की उस याचिका को खारिज भी कर दिया, जिसमें सीएम विजय के करूर भगदड़ पीड़ितों के परिवारों से मिलने के कार्यक्रम पर सवाल उठाए गए थे। इसके साथ ही कोर्ट ने राज्य सरकार के मंत्रियों द्वारा इस मामले के गवाहों को प्रभावित करने के डीएमके के आरोपों पर सुनवाई करने से भी पूरी तरह से इनकार कर दिया।

कोर्ट ने पूछा- सीएम के दौरे पर पाबंदी कैसे लगा सकते हैं? : याचिका पर सवाल खड़े करते हुए न्यायाधीश जस्टिस केवी विश्वनाथन और न्यायाधीष आलोक अराधे की बेंच ने डीएमके के वरिष्ठ वकील रंजित कुमार से तीखे सवाल पूछे। कोर्ट ने कहा कि न्यायपालिका भला कार्यपालिका के प्रमुख मुख्यमंत्री के दौरों को कैसे तय या नियंत्रित कर सकती है? इसके साथ ही बेंच ने हैरान होते हुए पूछा कि किसी हादसे के पीड़ितों और उनके परिवारों से मिलना गवाहों को प्रभावित करना कैसे हो गया?

डीएमके ने इस कारण दायर की थी याचिका

बता दें कि डीएमके सचिव आरएस भारती ने कोर्ट में याचिका दायर कर मांग की थी कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय, राज्य के मंत्री आधव अर्जुना और मामले के अन्य आरोपियों को इस केस पर सार्वजनिक बयान देने से रोका जाए। उनकी मांग थी कि सीबीआई जांच पूरी होने तक पीड़ितों के परिवारों के साथ उनकी बातचीत पर नजर रखी जाए या उसे नियंत्रित किया जाए। इसके अलावा याचिका में उन खबरों का हवाला दिया गया था कि मुख्यमंत्री 10 जुलाई को करूर का दौरा करने वाले हैं, जहां वे मृतकों के परिवारों और घायलों को सरकारी आदेश, अनुकंपा नियुक्तियां और अन्य सहायता लाभ बांटेंगे।

एक नजर पूरे मामले में

गौरतलब है कि पिछले साल 13 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने करूर में हुई इस भयानक भगदड़ की जांच देश की सबसे बड़ी जांच एजेंसी सीबीआई को सौंपी थी। इस दर्दनाक हादसे में 41 लोगों की जान चली गई थी। तब देश की शीर्ष अदालत ने कहा था कि इस घटना ने पूरे देश की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया है, इसलिए इसकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होना बेहद जरूरी है।

पेज एक के शेष

केरल में तबाही, लैंड ....

करोड़ है। दो साल पहले भी वायनाड में एक के बाद एक तीन भूस्खलन हुए थे, जिसमें 400 से ज्यादा जानें चली गई थीं।

गौरतलब है कि पिछले 24 घंटों में इस इलाके में 265 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। यह बारिश ऐसी नहीं थी जिसका पहले से अंदाजा न लगाया जा सकता था। मौसम विभाग ने पहले ही येलो अलर्ट जारी कर दिया था।

सीएम सतीशन बोले-दुर्भाग्यपूर्ण घटना : केरल के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने कहा कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री पी. के. बशीर और जिलाधिकारी ने ठेकेदारों को इस क्षेत्र में बड़ी मात्रा में जमा मिट्टी के मलबे को हटाने के निर्देश काफी पहले ही दे दिए थे। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के कार्यालय में अधिकारियों के साथ स्थिति की समीक्षा करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हालांकि, ठेकेदारों ने इन निर्देशों का पालन नहीं किया। उन्होंने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। बचाव प्रयास जारी हैं। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहा कि मौसम संबंधी उचित चेतावनी जारी नहीं होना भूस्खलन का कारण नहीं था, बल्कि अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार समय पर मिट्टी नहीं हटाए जाने की वजह से यह घटना हुई। कृषि मंत्री टी सिद्दीकी ने पत्रकारों से कहा, यह प्राकृतिक भूस्खलन नहीं है। यह एक मानव निर्मित भूस्खलन है, जो खुदाई के बाद निकाली गई मिट्टी को अवैज्ञानिक तरीके से इकट्ठा करने के कारण हुई है।

कश्मीर में बादल फटा : जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। बादल फटने के बाद मलबा रिहायशी इलाकों में आ गया। इसकी चपेट में आने से कई गाड़ियों को नुकसान पहुंचा।

कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका : केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की मानें तो लगता है कि और भी लोग अभी फंसे हुए हैं। एक चर्च, एक चाय की दुकान और एक बस स्टॉप कीचड़ के नीचे दब गए हैं। लैंड स्लाइड मीनाक्षी ब्रिज के पास हुआ। यहां प्रस्तावित वायनाड-मलप्पुरम टनल रोड प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य चल रहा था। फायर एंड रेस्क्यू सर्विस के कर्मचारी, पुलिस और नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स की टीमें मौके पर पहुंचीं हैं। यहां रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। महाराष्ट्र में भूस्खलन की चपेट में आए पांच घर - महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बड़ा भूस्खलन हुआ है। इस हादसे में पांच मकान मलबे में दब गए और कुछ लोग उसके नीचे फंस गए हैं। यह घटना सोमवार रात खेड़ तहसील के दहिवली इलाके में हुई। हादसे के बाद 75 वर्षीय कल्पना शेलार को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

इंडोनेशिया भी ब्रह्मोस ....

को जकार्ता पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। ऐसा समझा जाता है कि दोनों देशों के रक्षा संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में इंडोनेशिया ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इस हथियार की सफलता के बाद हवा से हवा में प्रहार करने वाली 'अस्त्र' मिसाइलों का भारत से आयात करने का फैसला किया है। महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने के लिए, भारत ने इंडोनेशिया में इस्पात, गिलट और दुलर्भ स्थायी चुंबकों के निर्माण में निवेश करने का फैसला किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, आज के युग में, प्रौद्योगिकी की आपूर्ति श्रृंखला का लचीलापन बहुत मायने रखता है। महत्वपूर्ण खनिजों और इस्पात के क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला को अधिक मजबूती देने के लिए भी अहम समझौता हुआ है। उन्होंने कहा, हमारी कंपनियों के बीच स्टेनलैस स्टील और दुलर्भ चुंबक को लेकर साझेदारी की नयी शुरुआत हो रही है। भारत और इंडोनेशिया ने सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सबांग बंदरगाह का संयुक्त रूप से विकास करने पर भी सहमति जताई। यह बंदरगाह मलक्का जलडमरूमध्य के निकट स्थित है और भारत की ग्रेट निकोबार बंदरगाह परियोजना से लगभग 100 मील (160 किलोमीटर) की दूरी पर है।

सिया-चेतन ने कुछ ....

कहा, सिया और चेतन के बीच हुई बातचीत के विश्लेषण से पता चलता है कि उन्होंने गुपचुप तरीके से शादी कर ली थी। उनकी शादी के बारे में कुछ अपुष्ट खबरें भी आई हैं। हम इस दावे का सत्यापन कर रहे हैं और यह भी जांच कर रहे हैं कि क्या शादी का कानूनी रूप से पंजीकरण कराया गया था।

जांचकर्ता अग्रवाल हत्याकांड की कथित साजिश की जांच के तहत आरोपियों से बरामद डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रहे हैं। इनमें मोबाइल फोन का डेटा और चैट रिकॉर्ड भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सिया गोयल और चेतन चौधरी ने कथित तौर पर अग्रवाल को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी, क्योंकि वह उनके रिश्ते में बाधा बन रहा था। जांचकर्ताओं का दावा है कि दोनों ने हत्या की साजिश बेहद सावधानीपूर्वक रची थी और कथित तौर पर वारदात को अंजाम देने से पहले इसका अभ्यास भी किया था। दोनों आरोपी फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

इधर, छत से धक्का ....

गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। फिर घर लाकर इलाज जारी रखा गया। इसी दौरान, नर्स के तौर पर काम करने वाली संध्या ने कैनुला के जरिये प्रशांत के शरीर में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया की दवा इंजेक्ट कर दी। इससे प्रशांत की मौत हो गई।

55 गांव, 213 किम...

55 गांवों की 213 किलोमीटर विद्युत व्यवस्था महज एक संविदा कर्मी और जरूरत पड़ने पर कभी-कभार बुलाए जाने वाले आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के कंधों पर टिकी हुई है। जबकि इन गांवों में करीब 10 हजार उपभोक्ता हैं। तकनीकी कर्मचारियों की भारी कमी के कारण आपातकालीन फॉल्ट सुधारने और रख-रखाव में भारी समस्या आ रही है। इन दिनों आंधी-तूफान के चलते अक्सर लाइन में फॉल्ट आने से घंटों बिजली गुल रहने की समस्या आम है। आउटसोर्स और संविदा कर्मी को अक्सर बिना पर्याप्त उपकरणों और सुरक्षा के जान जोखिम में डालकर काम करना पड़ता है। ट्रांसफार्मर खराब होने या तार आदि टूटने पर तो घंटों क्या एक-दो दिन से ज्यादा भी बिजली आने का इंतजार करने पड़ता है। बता दें कि साढ़े तीन साल पूर्व ही विद्युत कंपनी ने नानगुर को विद्युत वितरण केन्द्र बनाया, पर अब तक कनिष्ठ अभियंता एवं कर्मचारियों को तैनात नहीं किया गया है। क्षेत्र में बारिश के दौरान रोज लगभग 70-80 फ्यूल कॉल दर्ज हो रहे हैं, जिनका निराकरण समय पर नहीं हो पा रहा है।

यहां लाइनमैन नहीं...

कवाली, मांझीगुड़ा, अलनार, बड़े बोदल, पराली, चिलकुटी, बिरनपाल, पुसपाल, जामावाड़ा, धनियालूर, बड़े मुरमा, नवागुड़ा, आमाडोंगरी, सुरंदवाड़ा, भैंसबांधा, हाटपदमुर, कावापाल, नागलसर, कोलेंग, मिलकुलवाड़ा, नेतानार, गुड़यि, चांदामेटा, मरियमपारा, मावलीपदर, वोरिकपाल, कांदानार, मुंडागढ़, खंगार डेरा, छिन्दगुर, पुलचा, बामनारास सहित 55 गांव आते हैं।

कोच्चि में आज से शुरू होगी दो दिवसीय ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

महिला नेतृत्व और आर्थिक सशक्तिकरण पर होगा मंथन

भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स देशों की दो दिवसीय महिला मंत्रिस्तरीय बैठक आज बुधवार से केरल के कोच्चि में शुरू होगी। इस बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों की महिला मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधि महिला सशक्तिकरण, नेतृत्व, आर्थिक अवसरों तथा डिजिटल एवं वित्तीय समावेशन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे।

इस मंत्रिस्तरीय बैठक से पहले 6 और 7 जुलाई को ब्रिक्स महिला कार्य समूह की बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों ने ब्रिक्स महिला एजेंडा के प्रमुख विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया था। कार्यक्रम में एक पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) के अलावा कई विषयगत पैनल चर्चाएं आयोजित होंगी, जिनमें विशेषज्ञ, नीति निर्माता और विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर भाग लेंगे। इन चर्चाओं के माध्यम से सदस्य देश महिला सशक्तिकरण से जुड़े अपने अनुभव साझा करेंगे, नवाचार आधारित उपायों पर चर्चा करेंगे और आपसी सहयोग को नई दिशा देंगे।

बैठक महिला संवाद का महत्वपूर्ण मंच

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का कहना है कि यह बैठक महिला नेतृत्व को बढ़ावा देने, महिलाओं के लिए आर्थिक अवसरों का विस्तार करने तथा डिजिटल और वित्तीय समावेशन को मजबूत बनाने के लिए उच्च स्तरीय संवाद का महत्वपूर्ण मंच साबित होगी।

देह व्यापार गिरोह से 18 महिलाएं मुक्त कराई गईं

हिसार। हरियाणा पुलिस ने हिसार शहर में देह व्यापार और अन्य अनैतिक गतिविधियों में संलिप्त एक गिरोह का भंडाफोड़ कर 18 महिलाओं को मुक्त कराया है। इस अभियान के हिस्से के रूप में, अर्बन एस्टेट थाना क्षेत्र में स्थित दो होटलों पर छापेमारी के बाद अनैतिक तस्करी से जुड़ा एक मामला दर्ज किया गया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पुलिस की एक टीम ने सोमवार को दोनों होटलों पर योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी कर इस गिरोह का भंडाफोड़ किया।

आम जनता

सर्वसाधारण/आम जनता को सूचित किया जाता है मेरे पक्षकार सौरभ राठी आ. सोहन लाल राठी धमतरी का निवासी है जिसे अपने व्यवसाय के लिए रकम की आवश्यकता होने पर रूपेश झंवर से रकम की मांग किया क्योंकि वे व्यवसायिक लोगो को ब्याज में रकम दिया करते थे जिस संबंध में रूपेश झंवर ने रकम की सुरक्षा हेतु किसी संपत्ति का अवास्तविक विक्रय पत्र निष्पादित करना होगा कहां और इसी संबंध में सौरभ राठी की ग्राम व तह. गुण्डरदेही जिला बालोद स्थित भूमि ख.न. 860/2 का टुकड़ा 0.56 हे. व 860/3 का टुकड़ा 0. 22 हे. भूमि को रूपेश झंवर निवासी धमतरी के द्वारा अपने ड्राइवर अर्जुन देवांगन के नाम पर दिनांक 05.10.2021 को अवास्तविक विक्रय पत्र तैयार करवा लिया था जिसे पंजीयन कराने का प्रयास किये जाने पर उसे अवैध शून्य व अवैध घोषित कराये जाने हेतु जिला न्यायालय बालोद के समक्ष दावा पेश किया गया जो वर्तमान मे लंबित है। तथा प्रकरण के लंबन अवस्था मे उक्त भूमि का अर्जुन देवांगन के नाम पर रजिस्ट्री पंजीयन करा लिया गया है और उक्त भूमि अर्जुन देवांगन के नाम पर भूमि ख. न. 860/2 रकबा 0.56 हे. ख.न. 860/3 रकबा 0.22 हे. के रूप मे दर्ज कर दिया गया है। ऐसी स्थिति में उक्त भूमि को अर्जुन देवांगन व रूपेश झंवर द्वारा विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि उक्त भूमि विवादित है जिस संबंध मे माननीय जिला न्यायालय बालोद के समक्ष मामला लंबित व विचाराधीन है। ऐसे स्थिति मे उक्त भूमि को किसी भी व्यक्ति द्वारा अर्जुन देवांगन व रूपेश झंवर द्वारा विक्रय किया जाता है तो उसे न खरीदे और न ही रजिस्ट्री बैनामा कराये। उसके बाद भी यदि उक्त भूमि को किसी भी व्यक्ति द्वारा खरीदा जाता है तो वह अवैध व शून्य माना जावेगा और कथित खरीददार को किसी भी प्रकार से स्वत्व प्राप्त नहीं होगा। अतः वाद के लंबन अवस्था में किया गया अंतरण अवैध व शून्य माना जावेगा।

दिनांक-05/07/2026

भवदीय
यू. एल. गजेन्द्र (अधिवक्ता)
जिला एवं सत्र न्यायालय बालोद जिला बालोद
मो. न. - 9993754763

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.14-4/न.पा.नि./जोन क्रं.07/2026-27 — दिनांक 06/07/2026

नगर पालिक निगम बिलासपुर के जोन क्र.07 अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :-

सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	एसओआर	निविदा डाउनलोड/सबमिट करने की अंतिम तिथि
194709	वार्ड क्र. 51 राजकिशोर नगर उर्जा पार्क के पास राहत शिविर भवन निर्माण कार्य।	150.00	PWD Building SOR 01/01/2015. Upto Amenedment	26/ 07 / 2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 06/07/2026 से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.07
न.पा.नि., बिलासपुर (छ.ग.)

सम्पत्तिकर दुकान किराया एवं पानी बिल का भुगतान ऑनलाईन nigambilaspur.com/ptis पर किया जाता है

कार्यालय नगर पालिका परिषद पंडरिया, जिला - कबीरधाम (छ.ग.)

क्र./ 727/न.पा.प./ लो.नि.वि. / 2026-27 — **मैन्यूअल निविदा आमंत्रण सूचना** — पंडरिया दिनांक 06/07/2026

एतद् द्वारा माननीय सांसद एवं विधायक निधि अंतर्गत अनुशंसित विकास कार्यो हेतु नगर पालिका परिषद पंडरिया में एकीकृत प्रणाली के तहत पंजीकृत ठेकेदार से लोक निर्माण विभाग में प्रचलित पी.डब्ल्यू. डी. एस. ओ. आर (भवन / सड़क) 2026 ई.एण्ड एम. 2026 (इलेक्ट्रीक), एस. ओ. आर तथा नॉन एस. ओर. आर. के तहत निविदा तीन लिफाफा पद्धति से रिजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम से प्रतिशत दर पर फार्म "ए" एवं "बी" में निम्नानुसर निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1 निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 28.07.2026 (शाम 5.30 बजे तक)
2 निविदा खोलने की तिथि - 28.07.2026 (शाम 5.35 बजे)

क्र.	कार्य का विवरण	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि FDR में	निविदा प्रपत्र शुल्क	समयावधि
1	अतिरिक्त कक्ष निर्माण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्य. विद्यालय पंडरिया	5.00	5000.00	750.00	03 माह
2	अतिरिक्त कक्ष निर्माण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्य. विद्यालय पंडरिया	3.25	3250.00	750.00	02 माह
3	सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, वार्ड क्र. 08 विप्र भवन के पास पंडरिया	10.00	7500.00	750.00	04 माह
	चौक निर्माण कार्य सरदार वल्लभ भाई पटेल शक्कर कारखाना से मुख्य मुख्य मार्ग की ओर पंडरिया	4.59	4600.00	750.00	03 माह

टीप :- उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in पर तथा विभागीय वेबसाइट https://www.uad.cg.gov.in पर डाउनलोड की जा सकती है। किसी भी प्रकार की संशोधन सूचना विभाग की वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी । पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पण्डरिया

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता के सानिध्य मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृष — व्यर्थ के क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। किसी मित्र से वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। वाणी में मधुरता रहेगी। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती है। परिश्रम भी अधिक रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। तरक्की भी हो सकती है। आय बढ़ेगी।

सिंह — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परन्तु धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यस्थल पर व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें।

तुला — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के अवसर मिलेंगे। आय में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

धनु — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। परन्तु अति उत्साही होने से बचें। संयत रहें। माता का साथ मिलेगा। आय भी बढ़ेगी। संतान को स्वास्थ्य विकार हो सकते हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के साधन बन सकते हैं। तरक्की के योग बन रहे हैं।

कुंभ — अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। भाइयों का सहयोग रहेगा।

मीन — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। तरक्की का मार्ग प्रशस्त होगा।

शब्द पहेली - 6280

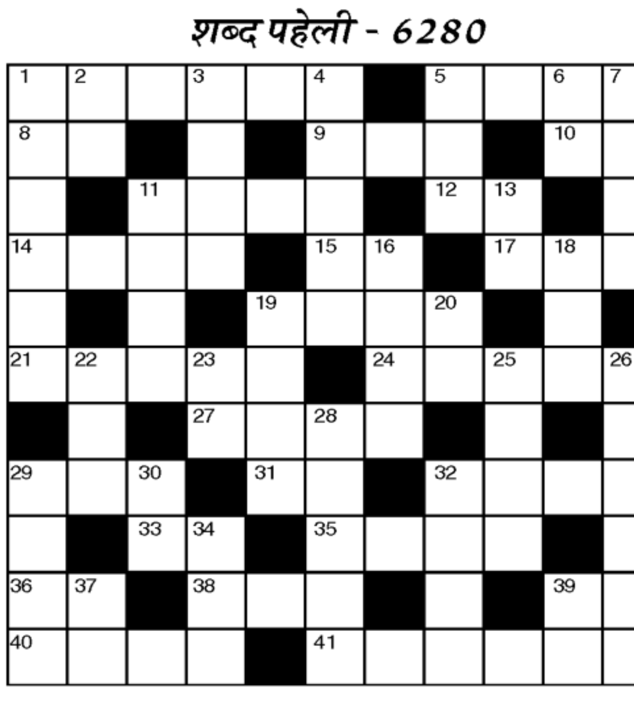

बाएँ से दाएँ
1.उपासना करना-6
5.अलमस्त, उत्साही-4
8. हरे रंग का-2
9.चाह,इच्छा-3
10.अधिकार,आरोप-2
11.निर्दय, हिंसक-4
12.आंदोलन-2
14.सज्जन,सभ्य-4
15.स्मृति,अविस्मरण-2
17.रूखा, रसहीन-3
19.गुप्तचर-4
21.संकट मोचक,नाविक-5
24.चुगली करना-5
27.नेता पथ प्रदर्शक-4
29.प्रेम,चाहत-3
31.एक ग्रह-2
32.अनर्गल प्रलाप-4
33.नौकर,सेवक-2
35.उद्विग्न,आतुर-4
36.श्रवणेंद्रिय-2
38.दीपक,दिया-3
39.बोलने के लिये कहना-2
40.एक मुस्लिम महीना-4
41.सहायता करना-3,3

ऊपर से नीचे
1.सहिष्णुता,उदारता-6
2.थोड़ा,कम-2
3.कपड़ों के टुकड़े-4
4.असफल-5
5.राजी करना-3
6.वजन,वायदा-2
7.अनाथ,बेवारिस-4
11.वैधव्य-4
13.राजा की पत्नी-2
16.टूटना-4
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.खबरी,खबर देने वाला-4
20.हमारा पड़ोसी देश-2
22.घूमना-3
23.पराजय-2
25.खतरनाक, खौफनाक-4
26.पसंद नहीं होना, अस्वीकृत-4,2
28.अशोक कुमार, मीना कुमारी, प्रदीप कुमार की फिल्म-5
29.हमले का जवाब देना,प्रतिशोध-4
30.कभी-2
32.जब्त,प्राप्त होना-4
34.मास्टर ब्लास्टर-3
37.भीगा हुआ-2
39.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली- 6279 का हल

सूडोकू नवताल - 6290

✱✱✱✱✱ कठिनतम

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6289 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

खबर संक्षेप

मर्सिडीज-बेंज ने पहली छमाही में रिकॉर्ड 9,768 वाहन बेचे

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी मर्सिडीज-बेंज ने भारत में कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में अब तक की सबसे अधिक 9,768 वाहनों की बिक्री दर्ज की है। यह पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले नौ प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी की इकाई मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने अप्रैल-जून, 2026 की तिमाही में 4,637 वाहन बेचने के साथ ही रिकॉर्ड प्रदर्शन किया, जो इससे पिछले साल समान अवधि में बेची गईं 4,238 कार की बिक्री से 10 प्रतिशत अधिक है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने शुरू की ईपीएफओ भुगतान सेवाएं

IDFC FIRST Bank

नई दिल्ली। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के तहत कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ एकीकरण के माध्यम से भविष्य निधि (पीएफ) भुगतान सेवाएं शुरू की हैं। निजी क्षेत्र के इस बैंक ने मंगलवार को बयान में कहा कि इस एकीकरण के तहत अब प्रतिष्ठान ईपीएफओ मंच के माध्यम से सीधे पीएफ भुगतान शुरू कर सकेंगे और आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के खुदरा तथा कॉरपोरेट इंटरनेट बैंकिंग मंचों के जरिये लेनदेन पूरा कर सकेंगे।

प्रीमियर एनर्जीज को 3,011 करोड़ रुपए के ठेके मिले

नई दिल्ली। सौर विनिर्माण क्षेत्र की कंपनी प्रीमियर एनर्जीज को वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान सौर सेल और मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए कुल 3,011 करोड़ रुपये के आर्डर प्राप्त हुए हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रीमियर एनर्जीज ने बयान में कहा कि यह आर्डर उत्पादकों और मॉड्यूल विनिर्माताओं की ओर से दिए गए हैं। बयान के अनुसार, इन ऑर्डर के तहत कुल 1,846 मेगावाट क्षमता के सौर सेल और मॉड्यूल की आपूर्ति की जाएगी।

कई शहरों में खाली होने लगे एटीएम, कैश की किल्लत पर आरबीआई सख्त

कई शहरों में लोगों को 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आज के समय में बैंक से जुड़े कई काम पहले के मुकाबले अब बहुत ही आसानी से हो जाते हैं, जहां पहले लंबी-लंबी लाइनों में लगकर लोग बैंक से पैसे निकाल पाते थे तो अब वहीं घर के आसपास मौजूद एटीएम से आसानी से कैश निकाला जा सकता है।

लेकिन अभी कुछ समय से देश के कई शहरों के एटीएम खाली मिलने की शिकायत सामने आ रही हैं। कई शहरों में लोगों को पिछले लगभग 2 से 3 महीनों से एटीएम से कैश नहीं मिल रहा है, जिसकी लगातार शिकायत भी की जा रही है। बढ़ती शिकायतों के बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। दूसरी ओर, बैंकर्स का कहना है कि शाखाओं में बनाए रखे जाने वाले कैश इन्वेंट्री के आंकड़े भ्रामक हो सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि इन आंकड़ों में मैले, कटे-फटे और अनुपयुक्त नोट भी शामिल होते हैं, जिन्हें तुरंत एटीएम में लोड नहीं किया जा सकता। ऐसे में एटीएम के लिए उपलब्ध उपयुक्त करेंसी का वास्तविक स्टॉक, कुल दिखने वाले आंकड़ों से काफी कम हो सकता है। उद्योग जगत के अधिकारियों ने एटीएम बिजनेस में संरचनात्मक चुनौतियों की ओर भी इशारा किया। बैंकरों के अनुसार, एटीएम का संचालन तेजी से एक खर्चीला व्यवसाय बनता जा रहा है, जबकि एटीएम नेटवर्क को बनाए रखने और उसका विस्तार करने के लिए मिलने वाले प्रोत्साहन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं।

आरबीआई ने बैंकों से मांगा डेटा

सूत्रों ने बताया कि एटीएम में कैश की कमी को लेकर आरबीआई ने सभी बैंकों से टियर-2 और उससे छोटे शहरों में उपलब्ध कैश का पूरा ब्योरा मांगा है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि किस वजह के चलते जगहों-जगहों पर एटीएम में नकदी नहीं मिल रही है। इसके अलावा आरबीआई यह भी पता करने की कोशिश कर रहा है कि कहीं कुछ बैंकों ने कस्बों और छोटे शहरों में ज्यादा ही कम नकदी तो नहीं डाल दी है या फिर एटीएम में कैश समय पर रीलोड न किया गया हो, जिसकी वजह से यह दिक्कत हो रही हो। आरबीआई ने साफ किया है कि अगर ऐसा कुछ भी पाया जाता है तो कार्रवाई की जाएगी।

कैश मैनेजमेंट कंपनियों को भी नुकसान

एटीएम खाली रहने की इस समस्या का असर कैश मैनेजमेंट कंपनियों पर भी पड़ा है। बैंकों द्वारा एटीएम में डालने के लिए पर्याप्त नकदी की आपूर्ति न किए जाने के कारण इन कंपनियों को बिजनेस लॉस उठाना पड़ा है।

विशेषज्ञों की एक समिति ने मंत्रालय से की थी सिफारिश

सेवा उत्पादन सूचकांक को 60 दिन के अंतराल पर जारी करने की सिफारिश

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विशेषज्ञों की एक समिति ने क्षेत्रवार सूचकांक हर महीने तैयार करने और सेवा उत्पादन सूचकांक को संदर्भ महीने के 60 दिन के भीतर जारी करने की सिफारिश की है। सांख्यिकी मंत्रालय ने मई, 2025 में नीति आयोग की विशिष्ट फेलो देबजानी घोष की अध्यक्षता में सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति बनाई थी।

■ पिछले एक साल में समिति ने विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की

शिक्षा और उद्योग संगठन के प्रतिनिधियों के अलावा, उत्पादन सूचकांक पर तकनीकी परामर्श में सेवा क्षेत्र से संबंधित मंत्रालयों/विभागों के सदस्य भी शामिल हैं। पिछले एक साल में, समिति ने आईएसपी तैयार करने की धारणा, तौर-तरीकों और परिचालन पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की।

रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया

सलाह-मशविरे की प्रक्रिया के तहत, 27 अप्रैल 2026 को आईएसपी तैयार करने के तरीके पर एक दृष्टिकोण पत्र सार्वजनिक किया गया था, जिसमें संबंधित पक्षों से राय और सुझाव मांगे गए थे। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि लंबी चर्चा और बातचीत के बाद सेवा उत्पादन सूचकांक (आईएसपी) पर एक तकनीकी परामर्श समिति (टीएसी-आईएसपी) की रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया गया है।

सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का तेजी से बढ़ने वाला क्षेत्र

रिपोर्ट में कहा गया कि इसका मकसद उपयोगकर्ताओं को 14 जुलाई, 2026 को (परीक्षण) आईएसपी श्रृंखला जारी होने से पहले प्रस्तावित आईएसपी रूपरेखा को बेहतर ढंग से समझने और अपनाने में मदद करना है। सेवा क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का सबसे तेजी से बढ़ने वाला और गतिशील हिस्सा है।

संगठित क्षेत्र के लिए आईपीएस की रूपरेखा प्रदान करती है

यह रिपोर्ट अर्थव्यवस्था के संगठित क्षेत्र के लिए मासिक आईएसपी तैयार करने को लेकर एक व्यापक रूपरेखा प्रदान करती है। मंगलवार को जारी रिपोर्ट आईएसपी तैयार करने के विभिन्न अवधारणा और तौर-तरीकों पर तकनीकी परामर्श समिति की चर्चाओं और सुझावों को पेश करती है। इसमें क्षेत्र का दायरा, सही आंकड़ा स्रोत की पहचान, कीमत 'डिफ्लेटर' का चयन, सूचकांक तैयार करने का तौर-तरीका और जानकारी जारी करने की रूपरेखा शामिल है।

सूचकांक क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाता है

रिपोर्ट में एक सार्वभौमिक रुख अपनाने के पीछे की वजह भी बताई गई है, जो इस क्षेत्र की गतिशीलता को दर्शाती है। समिति ने समय पर जानकारी देने के लिए, क्षेत्रवार सूचकांक को हर महीने तैयार करने और जिस महीने का आंकड़ा है, उसके 60 दिन के अंदर आईएसपी जारी करने का सुझाव दिया। साथ ही, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में कम समय के बदलावों पर नजर रखने के लिए एक मजबूत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलना करने लायक रूपरेखा भी देने की बात कही गयी है।

सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने में मदद मिलेगी

यह भारत के सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) में लगभग 53 प्रतिशत का योगदान देता है, बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करता है और आर्थिक वृद्धि, निवेश और निर्यात का मुख्य चालक बनकर उभरा है। प्रस्तावित आईएसपी देश की सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करने और सेवा क्षेत्र की माप में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोचीन शिपयार्ड के लिए निवेशकों की 2,900 करोड़ रुपए की बोली

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार कोचीन शिपयार्ड में सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए 2,900 करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां लगाईं। इससे उनके लिए आरक्षित हिस्से को उम्मीद से कहीं अधिक अभिदान मिला। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, गैर-खुदरा खरीदारों ने उनके लिए आरक्षित लगभग 59.66 लाख शेयरों के मुकाबले 2.10 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं।

■ संस्थागत निवेशकों ने सरकार की हिस्सेदारी बिक्री के लिए लगाई

निवेश एवं लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव अरुणीश चावला ने ट्विटर पर लिखा, ''कोचीन शिपयार्ड लि. (सीएसएल) में बिक्री पेशकश (ओएफएस) को निवेशकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली और पहले ही दिन इसे 3.52 गुना अभिदान मिला। सरकार ने अतिरिक्त बोली आने पर उसे रखने के विकल्प के उपयोग का फैसला किया है। खुदरा निवेशक आठ जुलाई को बिक्री पेशकश के लिए बोली लगा सकते हैं।सांकेतिक मूल्य 1,414.97 रुपये पर, बोलियों की कुल मूल्य लगभग 2,900 करोड़ रुपये है। दो दिन की बिक्री पेशकश (ओएफएस) के जरिये, सरकार पोत निर्माण कंपनी सीएसएल में 1.32 करोड़ से अधिक शेयर यानी 5.04 प्रतिशत तक हिस्सेदारी बेच रही है।

सीएसएल का शेयर टूटकर 1,448 पर हुआ बंद

सीएसएल का शेयर मंगलवार 3.75 प्रतिशत टूटकर 1,448.30 रुपये पर बंद हुआ।सरकार के पास अभी सीएसएल में 67.91 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चालू वित्त वर्ष 2026-27 में सरकार अब तक सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, कोल इंडिया, एनएचपीसी, एनएलसी इंडिया, जीआईसी और आईआरएफसी में ओएफएस के जरिये हिस्सेदारी बेचकर कुल 18,561 करोड़ रुपये जुटा चुकी है। सरकार ने पूरे वित्त वर्ष के लिएविनिवेश और परिसंपत्तियों को बाजार पर चढ़ाकर 80,000 करोड़ रुपये जुटाने का बजटीय लक्ष्य रखा है।

बाजार की चार दिन से जारी तेजी थमी, सेंसेक्स 104 अंक फिसला

एजेंसी ▶▶| मुंबई

■ आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार का नुकसान सीमित रहा

एशियाई बाजारों में कमजोरी और चार दिन की तेजी के बाद मुनाफावसूली हावी होने से स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 104 अंक टूट गया जबकि निफ्टी में 32 अंक का नुकसान रहा। विश्लेषकों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में खरीदारी से बाजार का नुकसान सीमित रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स बिकवाली के दबाव में 104.35 अंक गिरकर 78,180.72 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 379.85 अंक चढ़कर 78,664.92 अंक तक चला गया था। वहीं निफ्टी भी 31.65 अंक फिसलकर 24,398.70 अंक पर बंद हुआ। इसके साथ ही चार दिन से जारी तेजी का दौर थम गया। सेंसेक्स और निफ्टी पिछले चार सत्रों में दो प्रतिशत से अधिक चढ़कर सोमवार को दो महीने से ज्यादा के उच्च स्तर पर पहुंच गए थे।

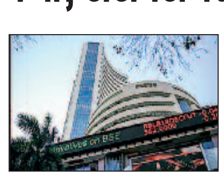

इंडियन होटल्स ने 20 नए होटल के लिए करार किए

नई दिल्ली। आतिथ्य क्षेत्र की इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 20 नए होटल के लिए करार किए और वर्ष 2030 तक 700 होटल का पोर्टफोलियो हासिल करने की दिशा में अग्रसर है। टाटा समूह की कंपनी के पास फिलहाल 263 होटल परियोजनाओं की श्रृंखला है। अप्रैल-जून तिमाही में आईएचसीएल ने अपने विभिन्न ब्रांड के तहत 11 नए होटल भी खोले। आईएचसीएल में कार्यकारी उपाध्यक्ष (रियल एस्टेट एवं विकास) सुमा वेंकटेश ने कहा, इस तिमाही के दौरान 20 में से 17 समझौते गेटवे, जिंजर और ट्री ऑफ लाइफ ब्रांड के तहत हुए। इनमें भरतपुर, तिरुचिरापल्ली (त्रिची), सिंधुदुर्ग, जवई और वायनाड जैसे उभरते बाजारों के साथ मुंबई, गोवा, आगरा और कोलकाता जैसे स्थापित बाजारों में भी विस्तार शामिल है।

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

सोना 1,400 रुपए टूटा, चांदी भी कमजोर

सोना टूटकर 1.49 लाख रुपए प्रति दस ग्राम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने का दाम 1,400 रुपये टूटकर 1.49 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया जबकि चांदी 200 रुपये फिसल गई। रुपये में मजबूती और कमजोर वैश्विक रुख के चलते कीमती धातुओं पर दबाव पड़ा। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,400 रुपये गिरकर 1,49,250 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर समेत) रह गई। सोमवार को इसका भाव 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम था। चांदी का दाम भी 200 रुपये टूटकर 2,39,800 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर समेत) रह गया, जो पिछले सत्र में 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही क्योंकि फेडरल रिजर्व की जून बैठक के ब्यौरे और अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के दूसरे दौर के जारी होने से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया। इन दोनों से सोने की कीमतों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।''

■ चांदी 200 रुपए फिसलकर 2,39.800 रुपए किलो

इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री जून में 63 प्रतिशत बढ़ी : फाडा

नई दिल्ली। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की खुदरा बिक्री जून महीने के दौरान 63 प्रतिशत बढ़कर 3,06,220 इकाई के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही ईवी की वाहन बिक्री में हिस्सेदारी पहली बार 12 प्रतिशत से अधिक हो गई। उद्योग संगठन फाडा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वाहन डीलर संघों के महासंघ (फाडा) ने एक बयान में कहा कि ईवी बिक्री में वृद्धि का नेतृत्व दोपहिया खंड ने किया जिसकी खुदरा बिक्री जून में 1,93,735 इकाई रही। यह पिछले साल के इसी महीने के 1,10,719 इकाई के मुकाबले 74.98 प्रतिशत अधिक है। यात्री वाहन खंड में इलेक्ट्रिक कारों की खुदरा बिक्री दोगुना से अधिक होकर 31,823 इकाई हो गई, जो जून, 2025 में 15,318 इकाई थी। तिपहिया ईवी खंड की खुदरा बिक्री 27.38 प्रतिशत बढ़कर 77,448 इकाई रही, जो एक साल पहले के समान महीने में 60,802 इकाई थी। वाणिज्यिक वाहन (सीवी) खंड में इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री 3,214 इकाई रही, जो जून, 2025 के 1,219 इकाई के मुकाबले 163.7 प्रतिशत अधिक है। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने कहा, जून, 2026 भारत में इलेक्ट्रिक परिवहन के लिहाज से महत्वपूर्ण महीना रहा।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
सुविधाएं : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी
स्पेशलिस्ट : खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • हाइड्रोफेशियल • कार्बन फेशियल • केमिकल पीलिंग • रेडियोफ्रिक्वेंसी • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330 मो. 0771-4347172

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

स्पेन की अभेद्य दीवार सिमोन, 6 'क्लीन शीट', बना वर्ल्ड रिकॉर्ड

गोलकीपर उनाई ने 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने रिकॉर्ड को किया मजबूत

आर्लिंगटन। स्पेन ने फीफा विश्व कप में रक्षात्मक मजबूती का नया इतिहास रचते हुए लगातार 6 मैचों में 'क्लीन शीट (बिना गोल खाए मुकाबला समाप्त करना)' का विश्व रिकॉर्ड बना दिया। प्री-क्वार्टर फाइनल में पुर्तगाल पर 1-0 की जीत के साथ स्पेन ने यह उपलब्धि हासिल की। वहीं गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने के अपने विश्व कप रिकॉर्ड को और मजबूत कर लिया। स्पेन ने इस उपलब्धि के साथ 1990 में इटली और 2006-10 के दौरान स्विट्जरलैंड के लगातार पांच क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। स्पेन का यह सिलसिला 2022 विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में मोरक्को के खिलाफ 0-0 के ड्रॉ से शुरू हुआ था।

स्पेन ने स्विट्जरलैंड के 5 क्लीन शीट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा

सिमोन ने बनाया नया रिकॉर्ड

मौजूदा विश्व कप में स्पेन ने ग्रुप चरण के पहले मैच में केप वर्डे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेला। इसके बाद टीम ने लगातार चार मुकाबलों में विपक्षी टीम को गोल करने का मौका नहीं दिया और क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्पेन के गोलकीपर उनाई सिमोन ने लगातार 609 मिनट तक गोल नहीं खाने का नया रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने नॉकआउट चरण के पहले मुकाबले में ही ऑस्ट्रिया पर 3-0 की जीत के दौरान 517 मिनट के पुराने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड इटली के महान गोलकीपर वाल्टर जेंगा के नाम था, जिन्होंने 1990 विश्व कप में लगातार पांच क्लीन शीट के साथ 517 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल नहीं करने दिया था।

तालियों के बीच विदाई
अधूरा रह गया रोनाल्डो का सपना

अर्लिंग्टन। विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर अपना आखिरी मैच खेलने के बाद पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो जब मैदान से बाहर जा रहे थे तो दर्शकों ने तालियां बजाई, जिसका उन्होंने हाथ हिला कर आभार भी व्यक्त किया लेकिन उनके चेहरे पर निराशा साफ झलक रही थी। अपना छठा और आखिरी विश्व कप खेल रहे 41 वर्षीय सुपरस्टार रोनाल्डो का विश्व कप जीतने का सपना राउंड ऑफ 16 के मैच में पड़ोसी प्रतिद्वंद्वी स्पेन से 1-0 की हार के साथ टूट गया। उन्हें मैच के पहले हाफ में गोल करने का एकमात्र मौका मिला था लेकिन सर्वाधिक लंबे समय तक गोल नहीं खाने का रिकॉर्ड बनाने वाले गोलकीपर उनाई साइमन ने शानदार छलांग लगाकर उनके प्रयास को नाकाम कर दिया। रोनाल्डो लगातार छह विश्व कप में गोल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे ज्यादा गोल (146) और सर्वाधिक मैच खेलने वाले (233) खिलाड़ी रोनाल्डो का फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर करियर यहीं पर समाप्त हो गया। अपने करियर में कई खिताब जीतने वाले रोनाल्डो इस तरह से कभी विश्व कप विजेता नहीं बन पाए।

16 साल बाद क्वार्टर फाइनल में स्पेन, पुर्तगाल को 1-0 से हराया

अर्लिंगटन। मिकेल मेरिनो ने दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पहले मिनट में गोल किया, जिससे स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मेरिनो को गिराने पर रेफरी ने फाउल का फैसला सुनाया। पुर्तगाल के बर्नार्डो सिल्वा बहस करने लगे, तभी मेरिनो ने गेंद वापस ली, उसे अपने साथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ाया और आखिर फेरान टोरेस से पास लेकर गोलकीपर डियोगो कोस्टा को आसानी से छकाकर गोल दाग दिया।स्पेन ने 2010 में अपना एकमात्र विश्व कप खिताब जीतने के बाद पहली बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका मुकाबला शुक्रवार

को कैलिफोर्निया के इंगलवुड में बेल्जियम से होगा। अपना छठा विश्व कप खेल रहे मेरिनो 85वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने जल्द ही अपना वह जलवा दिखा दिया, जिसकी बदौलत आर्सेनल ने इस साल 20 से अधिक वर्षों में अपना पहला प्रीमियर लीग खिताब जीता था।

मेजबान अमेरिका का सफर खत्म, बेल्जियम ने दी मात

सिएटल। चार्ल्स डी केटेलेरे ने दो गोल किए और एक गोल करने में मदद की, जिससे बेल्जियम ने अमेरिका को 4-1 से हराकर विश्व कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई और मेजबान टीम की अपनी घरेलू धरती पर अंतिम आठ में पहुंचने की उम्मीद को खत्म कर दिया। इस मैच में अमेरिका की रक्षापंक्ति की कमजोरी भी उजागर हो गई, जिसका बेल्जियम ने पूरा फायदा उठाया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्तक्षेप के कारण पिछले मैच में लाल कार्ड मिलने के बावजूद इस मैच में खेलने वाले अमेरिका के स्टार फॉरवर्ड फोलारिन बालोगुन की मौजूदगी से उसकी टीम को मजबूती मिली थी लेकिन वह कोई कमाल नहीं दिखा पाए। केटेलेरे ने पहले हाफ में अपने दोनों गोल (नौवें और 33वें मिनट) रक्षापंक्ति की गलतियों का फायदा उठाकर किए। इस बीच मलिक टिलमैन ने 31वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके अमेरिका को बराबरी दिलाई थी लेकिन बेल्जियम ने जवाबी हमला करते हुए 61 सेकंड बाद ही फिर से बढ़त हासिल कर ली। बेल्जियम की तरफ से यह गोल हैंस वानाकेन ने 57वें मिनट में किया। रोमेलु लुकाकू ने स्टॉपेज टाइम के तीसरे मिनट में बेल्जियम का अंतिम गोल दागा।

विंबलडन : सिनर का शानदार सफर जारी, सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▸▸ लंदन

मौजूदा चैंपियन यानिक सिनर ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ के खिलाफ 7-5, 7-6(4), 6-3 से जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। शुक्रवार को सेमीफाइनल मुकाबले में सिनर के सामने सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच या तीसरी वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे से होंगे। लंदन के ऑल-इंग्लैंड लॉन टेनिस क्लब में स्ट्रफ ने अपनी आक्रामकता और बढ़ा दी।

उन्होंने सिनर को परेशान करने के लिए अपने जबरदस्त फोरहैंड और सही समय पर नेट की ओर बढ़ने की रणनीति का इस्तेमाल किया। सिनर ने अहम पलों में अपना संयम बनाए रखा। टॉप सीड खिलाड़ी ने अपनी शानदार सर्विस के साथ-साथ बेसलाइन पर लगातार अच्छा खेल दिखाया। उन्होंने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में जबरदस्त खेल दिखाया और फिर 2 घंटे 35 मिनट तक चले इस मैच को अपने नाम किया।

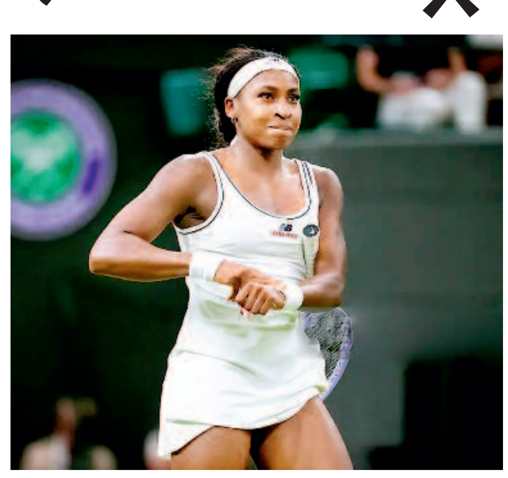

गॉफ पहली बार सेमीफाइनल में

लंदन। कोको गॉफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जेसिका पेगुला को हराकर पहली बार विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस ऑल अमेरिकन क्वार्टर फाइनल मैच में गॉफ ने अपनी हमवतन पेगुला को 4-6, 6-3, 6-3 से हराया। जब पेगुला ने पहले मैच प्वाइंट पर कमजोर बैकहैंड शॉट को नेट में खेला तो दो बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन गॉफ ने खुशी से अपने हाथ हवा में उठाए। बाइस साल की गॉफ इस जीत के साथ मारिया शारापोवा के बाद चारों ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गईं। शारापोवा ने 2007 फ्रेंच ओपन में यह उपलब्धि हासिल की थी। ऑल इंग्लैंड क्लब में गॉफ इससे पहले छह बार खेल चुकी थीं लेकिन कभी चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थीं। शनिवार को होने वाले फाइनल में जगह बनाने के लिए गॉफ का मुकाबला नाओमी ओसाका और कैरोलिना मुचोवा के बीच होने वाले मैच की विजेता से होगा।

टीम इंडिया 76 रन पर ढेर, 125 रन से जीता इंग्लैंड

एजेंसी ▸▸ नॉटिंघम

इंग्लैंड और भारत के बीच तीसरा टी20 मैच में टीम इंडिया को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम 201 का लक्ष्य चेज नहीं कर पाई और मात्र 11.4 ओवर में 76 रन ही बना पाई। टीम इंडिया के विकेट इंग्लिश बॉलरों के सामने टिक नहीं पाए और एक के बाद एक गिरते रहे। इंग्लैंड ने यह मैच 125 से जीता और सीरीज में 2-0 की बढ़त कायम कर ली। नॉटिंघम में टॉस

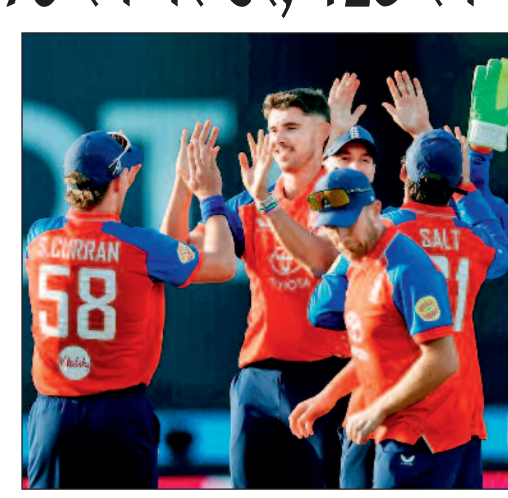

गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 7 विकेट खोकर 201 रन बनाए। इंग्लैंड की टीम 111 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो चुकी थी। यहां से साल्ट ने सैम करन के साथ पांचवें विकेट के लिए 47 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। फिलिप साल्ट 44 गेंदों में 3 छक्कों और 7 चौकों के साथ 70 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सैम करन ने 24 गेंदों में 4 चौकों के साथ 41 रन की नाबाद पारी खेली।

विमेंस हंड्रेड में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी फातिमा सना

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना को 'विमेंस हंड्रेड टूर्नामेंट' खेलने की अनुमति दी है। फातिमा सना 'विमेंस हंड्रेड' में बर्मिंघम

फीनिक्स का हिस्सा हैं। 21 जुलाई से शुरू होने वाले हंड्रेड के शुरुआती दो मुकाबलों में सना उपलब्ध नहीं रहेंगी। श्रीलंका के खिलाफ 28 जुलाई को वनडे सीरीज समाप्त होने के बाद वह हंबनटोटा से सीधे इंग्लैंड रवाना होंगी और टूर्नामेंट के बाकी मैचों में बर्मिंघम फीनिक्स के लिए खेलेंगी। 24 वर्षीय फातिमा सना हाल ही में हंड्रेड में चुनी जाने वाली पाकिस्तान की पहली महिला क्रिकेटर बनी थीं। बर्मिंघम फीनिक्स ने उन्हें वाइल्डकार्ड ड्राफ्ट के जरिए ऑस्ट्रेलिया की लूसी हैमिल्टन के स्थान पर न्यूनतम 15,000 पाउंड के अनुबंध पर अपनी टीम में शामिल किया था। सना ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए 38 गेंदों में नाबाद 55 रन बनाए और 16 रन देकर तीन विकेट भी लिए।

महिला क्रिकेट

टी20 रैंकिंग में पांचवीं बार टॉप पर पहुंची बेथ मूनी

एजेंसी ▸▸ दुबई

विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 47.60 की औसत के साथ 238 रन बनाने वालीं बेथ मूनी महिला बल्लेबाजों की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

मूनी इस संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ियों की सूची में दूसरे पायदान पर रहीं, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड सीतवीं बार खिताब जिताने में अहम योगदान दिया। ऐसा पांचवीं बार है, जब मूनी टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में टॉप पर पहुंची हैं। उनसे ज्यादा समय तक दुनिया की नंबर 1 बल्लेबाज रहने का रिकॉर्ड सिर्फ कैरन रॉल्टन के नाम है।

मूनी ने हमवतन वोल को पछाड़ा

मूनी (785 रेटिंग) ने एक पायदान की छलांग लगाकर ऑस्ट्रेलिया की हमवतन जॉर्जिया वोल (779 रेटिंग) को पछाड़ दिया है, जो अब दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। साउथ अफ्रीका की लौरा वोल्वार्ड्ट (771 रेटिंग) को भी एक पायदान का नुकसान हुआ है, जो अब तीसरे स्थान पर खिसक गई हैं, उनके बाद चौथे स्थान पर हेली मैथ्यूज (754) और पांचवें पायदान पर भारत की स्मृति मंधाना (746) हैं।

तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर पहुंची ताजमिन ब्रित्ज

ताजा रैंकिंग में सबसे ज्यादा सुधार करने वालों में साउथ अफ्रीका की ताजमिन ब्रित्ज शामिल हैं, जो तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें नंबर पर आ गई हैं। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट शानदार वर्ल्ड कप अभियान के बाद पांच स्थान ऊपर चढ़कर 16वें नंबर पर पहुंच गई हैं। साइवर-ब्रंट की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में नाबाद 58 रन और साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 75 रनों की पारी ने रैंकिंग सुधारने में अहम भूमिका निभाई।

इंडिया आने की बना रहा हूं योजना : जोकोविच

नई दिल्ली। मौजूदा समय में क्रिकेट और टेनिस दुनिया की सर्वाधिक खेलों में शुमार है। क्रिकेट के दिग्गज विराट कोहली और टेनिस के

दिग्गज सर्बिया के नोवाक जोकोविच अच्छे दोस्त हैं। फिलहाल विंबलडन में हिस्सा ले रहे जोकोविच जल्द भारत आने और विराट कोहली के साथ क्रिकेट खेलने की बात कही है। जोकोविच ने कहा, मैं विराट कोहली के साथ कुछ क्रिकेट और टेनिस खेलना पसंद करूंगा। मैं जल्द ही इंडिया आने की योजना बना रहा हूं।

कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा टी20 एमएलसी का चौथा सत्र

फुटबॉल के बीच अमेरिका में क्रिकेट की दस्तक

एजेंसी ▸▸ वाशिंगटन

फुटबॉल विश्व कप के कारण इन दिनों अमेरिका में फुटबॉल का जुनून सिर चढ़कर बोल रहा है, लेकिन इसके साथ ही क्रिकेट भी तेजी से अपनी जगह बना रहा है और इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

देश की पहली पेशेवर टी20 प्रतियोगिता मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) का चौथा सत्र इन दिनों कैलिफोर्निया और टेक्सास में खेला जा रहा है। माना जा रहा है कि 2028 के लॉस एंजिलिस ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी और एमएलसी के विस्तार से अमेरिका में इस खेल को नई पहचान मिलेगी।

एमएलसी में खेल रहे बड़े क्रिकेटर

एमएलसी में दुनिया के कई बड़े क्रिकेटर खेल रहे हैं। इनमें रविचंद्रन अश्विन, फाफ डु प्लेसिस, केशव महाराज, सुनील नारायण, मार्कस स्टोइनिस, कुसल परेरा, रचिन रवींद्र, हारिस रऊफ, उन्मुक्त चंद और जेसन होल्डर जैसे नाम शामिल हैं।

पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से हुआ विकास

भारत को 2012 में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले पूर्व कप्तान उन्मुक्त चंद अपने क्रिकेट करियर को आगे बढ़ने के लिए 2021 में अमेरिका चले गए थे। एलए नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले उन्मुक्त चंद ने कहा, '2021 में यहां आने के बाद पिछले पांच वर्षों में क्रिकेट का तेजी से विकास हुआ है। हर साल कुछ नया देखने को मिल रहा है। इस वर्ष हमें लॉस एंजिलिस में क्रिकेट का समर्पित स्टेडियम भी मिल गया है।' पिछले सप्ताह एलए नाइट राइडर्स ने कैलिफोर्निया के पोमोना में एक नए क्रिकेट स्टेडियम का उद्घाटन किया, जिसे अमेरिका में क्रिकेट का स्थायी केंद्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दुनिया का सबसे खूबसूरत कॉलेज, क्लासरूम लगता है परियों का देश

वारसॉ। दुनिया भर में कई विश्वविद्यालय हैं जो अपनी पढ़ाई के स्तर के लिए प्रसिद्ध हैं, लेकिन पोलैंड का व्रोकलॉ विश्वविद्यालय अपनी भव्य और मनमोहक वास्तुकला के कारण अलग ही जगह रखता है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत कॉलेजों में शुमार किया जाता है। यहां के क्लासरूम, हॉल और इमारतें देखकर ऐसा लगता है मानो कोई परी कथा जीवंत हो गई हो। कॉलेज के छात्र यहां क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं। व्रोकलॉ विश्वविद्यालय पोलैंड के व्रोकलॉ शहर में स्थित है। इसकी स्थापना 1702 में हुई थी और यह पोलैंड के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में से एक है। लेकिन, इसकी प्रसिद्धि सिर्फ उम्र या पढ़ाई के कारण नहीं है। इसकी इमारतें गोथिक, बारोक और रेनेसां शैली का अद्भुत मिश्रण हैं।

क्लास बंक करने की बजाय रोज आने के लिए उत्साहित रहते हैं छात्र

आर्ट का बेहतरीन फॉर्म

लाल ईंटों की भव्य इमारतें, ऊंची-ऊंची छतें, रंगीन ग्लास वाली खिड़कियां, नक्काशीदार स्तंभ और विशाल लाइब्रेरी देखकर कोई भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। छात्र बताते हैं कि इतनी सुंदर जगह पर पढ़ाई करना खुद में एक अनोखा अनुभव है। क्लासरूम इतने आकर्षक हैं कि पढ़ते-पढ़ते ध्यान भटक जाता है। यूनिवर्सिटी का मुख्य बिल्डिंग, ऑडिटोरियम और आंतरिक हॉल इतने शानदार हैं कि पर्यटक भी इन्हें देखने के लिए खासतौर पर आते हैं। कई लोग इसे 'परियों का महल' कहकर पुकारते हैं।

पढ़ाई भी शानदार

पोलैंड में शिक्षा की गुणवत्ता भी बेहद अच्छी मानी जाती है। व्रोकलॉ यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, साइंस, ह्यूमैनिटीज, लॉ और मेडिसिन जैसे कई कोर्स पढ़ाए जाते हैं। यहां कम फीस, अच्छी फैसिलिटी और विश्व स्तरीय शिक्षा मिलती है। यही कारण है कि दुनिया भर के छात्र यहां पढ़ने आते हैं। भारतीय छात्रों के लिए भी यह यूनिवर्सिटी आकर्षक विकल्प है। कई भारतीय यहां उच्च शिक्षा हासिल कर रहे हैं। वे बताते हैं कि कैंपस की सुंदरता मन को शांत रखती है और पढ़ाई में मदद करती है। भारत के जर्जर कॉलेज भवनों की तुलना में यहां का माहौल बिल्कुल अलग है। यूनिवर्सिटी के आसपास का इलाका भी बेहद खूबसूरत है। व्रोकलॉ शहर को पोलैंड का वेनिस भी कहा जाता है, क्योंकि यहां नदियां और पुरानी इमारतें बहुतायत में हैं।

रोचक खबरें

यहां समुद्र में फेंक दी जाती है लाखों-करोड़ों की वाइन, सालों तक पानी के अंदर है सड़ती

मैड्रिड। वैसे तो दुनिया के कई हिस्सों में वाइन बनाई जाती है, लेकिन स्पैनिश वाइन का अपना ही मजा है। वाइन बनाने वाले देश स्पेन में एक अनोखा ट्रेंड चल रहा है। कई कंपनियां अपनी महंगी वाइन को समुद्र के अंदर फेंक देती हैं। लाखों-करोड़ों रुपए की बोतलें पानी के नीचे सालों तक रहती हैं और फिर निकालकर महंगे दामों में बेची जाती हैं। कंपनियां खास बोतलों को मजबूत क्रेट्स में पैक करके समुद्र की गहराई में डुबो देती हैं। वहां अंधेरा, उच्च दबाव और लगातार हलचल रहती है। कंपनियों का मानना है कि अंधेरी गहराई से रोशनी नहीं पहुंचती, जिससे वाइन का स्वाद बेहतर बनता है। साथ ही पानी की हलचल बोतल को हिलाती रहती है, जिससे टेक्चर स्मूद और रिच होता है। इसके अलावा समुद्र का नमक और प्रेशर वाइन को यूनिक फ्लेवर देता है। कुछ साल बाद बोतलें निकाली जाती हैं। इन बोतलों पर खास सर्टिफिकेट लगाया जाता है कि ये समुद्री वृद्ध या पानी के नीचे परिपक्व हैं। समुद्र से निकाली गई वाइन सामान्य वाइन से कई गुना महंगी बिकती है। कुछ बोतलें तो लाखों रुपए में बिक जाती हैं। वाइन कलेक्टर्स और शौकीन इन्हें खास मानते हैं। लेकिन, वाइन एक्सपर्ट्स अभी भी इस बात पर पूरी तरह यकीन नहीं कर पाए हैं। कुछ अध्ययनों में कहा गया है कि पानी के अंदर रखने से वाइन में कुछ केमिकल चेंज होते हैं जो स्वाद को प्रभावित कर सकते हैं। लेकिन, कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि यह ज्यादातर मार्केटिंग ट्रिक है। समुद्र में रखने से बोतलें क्षतिग्रस्त भी हो सकती हैं।

दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियां शरीर पर मौजूद हैं कई रंग

नई दिल्ली। प्रकृति की गैलरी में कुछ पक्षी ऐसे हैं जिन्हें देखकर लगता है कि कलाकार ने सारे रंग खर्च कर दिए हैं। ऐसा ही एक पक्षी है कोकोनट लोरीकीट । इसे दुनिया की सबसे रंगीन चिड़ियों में से एक माना जाता है। इसके पंखों पर नीला, हरा, लाल, पीला, नारंगी और बैंगनी रंगों का ऐसा कमाल का मेल है कि इसे देखकर आंखें ठहर जाती हैं। कोकोनट लोरीकीट का शरीर चमकीले हरे रंग का होता है जबकि सिर और छाती लाल-नारंगी, पंखों के किनारे नीले और पीले निशान वाले होते हैं। ये रंग ना सिर्फ सुंदरता के लिए बल्कि जंगल में छिपने और साथियों को आकर्षित करने में भी मदद करते हैं। घने जंगलों और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में ये आसानी से छिप जाते हैं, लेकिन उड़ते समय उनके रंग चमक उठते हैं। सामान्य तोतों की तरह यह बीज नहीं खाता। इसके बजाय यह फूलों का नेक्टर (रस) पीने में माहिर है। इसकी जीभ ब्रश की तरह होती है जिसके सिरे पर छोटे-छोटे बाल जैसे रेशे हैं, यह जीभ फूल में डालकर रस को चूस लेती है। इसके अलावा यह फल, नारियल का रस और कुछ कीड़े भी खा लेता है। नाम के मुताबिक यह कोकोनट (नारियल) के फूलों और फलों का बहुत शौकीन है। कोकोनट लोरीकीट ऑस्ट्रेलिया, न्यू गिनी, इंडोनेशिया और सोलोमन द्वीप समूह में पाया जाता है। ये जोड़ों या छोटे झुंडों में रहते हैं। ये बेहद चहकने वाले और सक्रिय पक्षी हैं। दिन भर फूलों से फूलों पर उड़ते रहते हैं। ये घोंसले पेड़ों के खोखले हिस्सों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं। मादा लोरीकीट दो से तीन अंडे देती है। माता-पिता दोनों मिलकर अंडों को सेते हैं और बच्चों को खिलाते हैं। छोटे बच्चे शुरू में बिना पंखों वाले और कमजोर होते हैं, लेकिन जल्दी ही मां-बाप की तरह रंगीन बन जाते हैं।

चेतावनी

सिर्फ तेज हवा कसूरवार नहीं, चौंका देगी वजह

बारिश आते ही क्यों ताश के पत्तों की तरह ढह रहे हैं भारी-भरकम पेड़?

मुंबई। बारिश की बूंदें जब राहत बनकर बरसती हैं, तो कोई नहीं सोचता कि सड़क किनारे छांव देने वाला पेड़ अचानक किसी की मौत का कारण भी बन सकता है! मानसून की भारी बारिश के बीच बीते एक हफ्ते में तीन जिंदगियां जिनमें एक 11 साल का बच्चा भी शामिल था पेड़ गिरने की वजह से हमेशा के लिए खत्म हो गईं। बीएमसी के आंकड़ों के अनुसार, मात्र एक ही दिन में 142 जगहों पर पेड़ या उनकी शाखाएं टूटकर गिरीं। यह सिर्फ एक प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। आखिर क्यों हमारे शहरों के रक्षक कहे जाने वाले ये पेड़ अचानक बारिश हवा आते ही गिरने लगते हैं? क्या इसके पीछे सिर्फ हवा ही कारण है?

तो क्या सिर्फ तेज हवाएं गिरा रही हैं पेड़?

ज्यादातर लोग सोचते हैं कि तेज आंधी के कारण से पेड़ गिरते हैं, लेकिन एक्सपर्ट्स का मानना है कि असल कहानी कुछ और ही है। स्वस्थ और मजबूत पेड़ सिर्फ हवा के झोंकों से कभी नहीं गिरत।. पेड़ असल में तब उखड़ते हैं जब उनकी जड़ें या तने पहले से ही कमजोर हो चुके हों। लगातार होने वाली बारिश से जमीन की मिट्टी पूरी तरह पानी सोख लेती है और दलदल जैसा रूप ले लेती है। इससे जड़ों पर मिट्टी की पकड़ ढीली हो जाती है। ऐसे में जब तेज हवाएं पेड़ के ऊपरी हिस्से से टकराती हैं, तो कमजोर हो चुकी मिट्टी पेड़ का वजन नहीं संभाल पाती और पूरा का पूरा पेड़ जड़ समेत उखड़ जाता है। ऊंचे पेड़ों के साथ यह खतरा और ज्यादा होता है क्योंकि उनकी लंबाई के कारण जड़ों पर प्रेशर कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

शहरीकरण बना सबसे बड़ा विलेन

पेड़ों के गिरने के पीछे कई कारण हैं, इनमें एक शहरीकरण भी है। शहरों में कंक्रीट का जाल, बिना प्लानिंग के निर्माण कार्य, सड़कों को चौड़ा करना, केबल और पाइपलाइनों के लिए की जाने वाली खुदाई और फुटपाथों का कंक्रीटीकरण पेड़ों की जड़ों को बुरी तरह डैमेज कर रहा है। फुटपाथों पर कंक्रीट बिछने के कारण मिट्टी तक ऑक्सीजन और पानी नहीं पहुंच पाता, जिससे पेड़ अंदर ही अंदर खोखले और कमजोर हो रहे हैं।

शहरों में क्यों बढ़ रहा है यह खतरा?

भारत के तेजी से बढ़ते शहर आज पेड़ों के लिए खतरा बन चुके हैं। सड़कों के किनारे लगे पेड़ों को कंक्रीट के छोटे-छोटे गड्ढों में कैद कर दिया गया है, जिससे उनकी जड़ें फैल नहीं पातीं. बिना फैली जड़ों के ये पेड़ भारी तूफानों को झेलने में शक्तिशाली नहीं हो पाते हैं। दूसरी तरफ, क्लाइमेट चेंज के कारण अब कम समय में बहुत भारी बारिश और बेहद तेज हवाएं चलने लगी हैं।

सफेद-भूरा नहीं, ये है दुनिया के सबसे खूबसूरत अंडे

नई दिल्ली। आपने अंडे अक्सर सफेद या भूरे रंग के ही देखे होंगे। भारत में मुर्गी पालन के फार्म अंडे ज्यादातर सफेद होते हैं, जबकि देसी मुर्गियों के अंडे हल्के भूरे रंग के। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि दुनिया भर में कुछ पक्षी ऐसे अंडे देते हैं जिन्हें देखकर आंखें ठहर सी जाती हैं? ये अंडे इतने खूबसूरत और अनोखे होते हैं कि कई बार लोग इन्हें पॉलिश किए गए रंगीन पत्थर समझ बैठते हैं।

प्रकृति की इस अनोखी कृति ने ना सिर्फ सुंदरता का खजाना दिया है, बल्कि जीव विज्ञान के कई रहस्य भी छिपाए हैं। आज हम आपको प्रकृति के कुछ ऐसे अंडों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बाद में जानकर आपको यकीन नहीं होगा। ये अंडे बेहद खूबसूरत दिखते हैं। पहली बार में तो लोगों को यकीन ही नहीं होता है कि ये कोई आर्ट वर्क नहीं, बल्कि अंडे हैं।

मां का खूबसूरत खजाना

सबसे चर्चित अंडों में से एक है ग्रेट तिनामु का अंडा। यह मध्य और दक्षिण अमेरिका का पक्षी है। इसका अंडा गहरे बैंगनी-नीले रंग का होता है, जो चमकदार और लगभग चमकीला दिखता है। ये अंडे इतने आकर्षक होते हैं कि इन्हें देखने वाले पर्यटक और प्रकृति प्रेमी हैरान रह जाते हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह रंग छिपाव के लिए नहीं, बल्कि संभवतः नर पक्षी को आकर्षित करने या अंडों की पहचान के लिए विकसित हुआ है। अमेरिकन रॉबिन के अंडे भी कम चर्चित नहीं है। ये चमकीले नीले रंग के होते हैं जिन पर कभी-कभी हल्के धब्बे भी दिखते हैं। इनके नीले रंग का कारण बिलिवर्डिन नामक पिगमेंट है, जो पित्त में पाया जाता है।

खुला 1700 साल पुराना राज

काहिरा। पुरातत्वविदों के हाथों बड़ी कामयाबी लगी है। उन्होंने बाइजेंटाइन युग का प्राचीन शहर खोज निकाला है। यह शहर मिस्र के पश्चिमी रेगिस्तान में मिला, जो अच्छी तरह संरक्षित हालत में था। पुरातत्वविदों को खुदाई में सिक्के, मिट्टी के बर्तनों के टुकड़े और औजार भी मिले। इसके अलावा, अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलेमैन में 18 प्राचीन कब्रें भी खोजी गई हैं। इनमें से कई कब्रें चट्टान काटकर बनाई गई थीं, जबकि कई कब्रें चूने पत्थर की बनी थीं। साथ ही, मिट्टी के बर्तन और ग्रेनाइट सारकोफैगस भी मिले।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो प्राचीन शहर खोजा गया, वह व्यवस्थित तरीके से बनाया गया था। उसमें सड़कों का बढ़िया जाल बनाया गया था। उसमें उत्तर-दक्षिण दिशा की मुख्य सड़कें पूर्व-पश्चिम सड़कों से काटती हुई मिलीं, जो खुले चौकों और सार्वजनिक स्थानों का निर्माण करती हुई दिखीं. यह सर्वोच्च पुरातत्व परिषद के महासचिव हिशाम अल-लीथी ने दी।

किलेबंद ढांचा और कई घर भी आए नजर

मसऊद ने बताया कि खुदाई में मोटी रक्षात्मक दीवारों वाला एक मजबूत किलेबंद ढांचा और कई घर भी मिले। उन घरों में स्वागत कक्ष और मेहराबदार छतें थीं। इनमें से एक घर तिसौस का था, जो एक चर्च डीकन का भी काम करता था। पुरातत्वविदों ने ब्रेड ओवन, रसोई, पिसाई के औजार और बाइजेंटाइन सम्राटों के चित्र वाले कांस्य सिक्के भी खोजे, जिन पर लैटिन शिलालेख और ईसाई प्रतीक अंकित थे। मंत्रालय के बयान के अनुसार, खोजे गए स्वर्ण सिक्कों का समूह रोमन सम्राट कॉन्स्टैंटियस द्वितीय के शासनकाल (337-361 ई.) का माना जा रहा है।

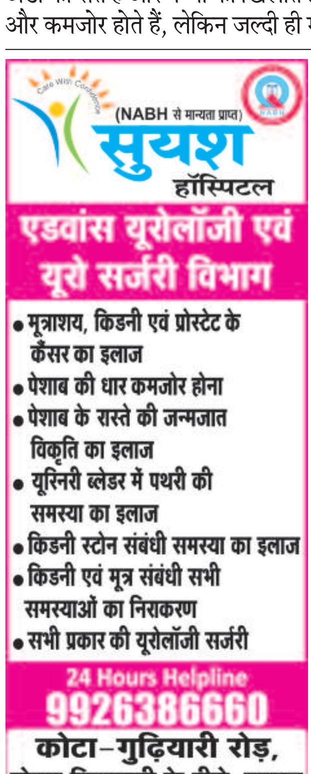

आंख फड़कना रोकने के चक्कर में खुद को किया अंधा!

बीजिंग। चीन में एक पुरानी कहावत बहुत मशहूर है कि बाईं आंख फड़के तो पैसा आए, दाईं फड़के तो मुसीबत आए। बस इसी डर से ले काफी ज्यादा परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि दाहिनी आंख का फड़कना उसके लिए कोई बुरा संकेत है। कुछ बड़ा अनहोनी होने वाली है। उसने पहले आंखों को आराम दिया, गर्म कपड़े से सेंक भी लगाई, पर फड़कना बंद ही नहीं हुआ। चीन में कई बुजुर्ग तो ये भी मानते हैं कि पलक पर सफेद कागज की पट्टी चिपका दो तो फड़कना रुक जाता है। ले ने ये सब नहीं किया। उसने सीधा अपनी आंख के आसपास जोर-जोर से थप्पड़ मारने शुरू कर दिए। एक दिन नहीं, दो दिन नहीं, पूरे तीन दिन तक वो ऐसा करता रहा। नतीजा ये हुआ कि फड़कना तो रुक गया, लेकिन उसकी आंखों की रोशनी जाने लगी। पहले साइड से दिखना बंद हुआ। उसे लगा शायद थकान है। फिर धीरे-धीरे सामने भी धुंधला दिखने लगा। जब हालत ज्यादा खराब हुई तो वो डॉक्टर के पास भागा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com